www.dainikjagranmpcg.com

दैनिक जागरण

वर्ष 69 ▸ अंक 142 ▸ पृष्ठ 12
भोपाल, गुरूवार 19 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष 02 ▸ विक्रम संवत 2082
महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए

मध्यप्रदेश बजट 2026-27

4.38 लाख करोड़ का बजट: मप्र पहला राज्य जहां रोलिंग बजट के आधार पर विकास की अवधारणा

23882 लाड़ली बहना
40062 ग्रामीण विकास

किसान का 'सम्मान' बहना का भी बढ़ाया मान

विशेष संवाददाता, भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को मोहन सरकार का तीसरा बजट सदन में पेश किया। 4.38 लाख करोड़ के बजट में किसान के कल्याण और ग्रामीण विकास पर जोर दिया गया है। किसानों को 1 लाख सोलर पंप देने 3 हजार करोड़ तो लाड़ली बहना के लिए 23882 करोड़ का बजट तय किया गया है।

जगदीश देवड़ा ने अपने डेढ़ घंटे के बजट भाषण के दौरान कहा, देश में मप्र ऐसा पहला राज्य है, जहां रोलिंग बजट के आधार पर विकास की अवधारण तय की जा रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वर्ष कृषि और किसान कल्याण वर्ष के रुप में मनाया जा रहा है, ऐसे में बजट में कृषि विभाग के लिए 1 लाख 15 हजार 13 करोड़ का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कृषि की कई योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि इससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। देवड़ा ने कहा कि जब हम किसानों की आय को दोगुना करने की बात करते है, तो उन्हें जहां प्राकृतिक और जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, इसके लिए 21 लाख 42 हजार करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान किया गया है, तो दुग्ध उत्पादन की दिशा में भी सरकार ने अहम कदम उठाए है। गहन पशु विकास परियोजना के लिए 838 करोड़,मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के लिए 250 करोड़ की राशि का बजट में प्रावधान किया गया है।

गरीब कल्याण के लिए 793 करोड़ रुपए

देवड़ा ने कहा कि गरीब कल्याण के लिए 793 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में जल्द ही मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा प्रारम्भ की जाएगी। बजट में मजरा टोला सड़क योजना के लिए 21 हजार 630 करोड़ रुपए की राशि रखी गई है। इससे 20,900 किमी सड़क बनाने का लक्ष्य निर्धारित है। यानि कि सरकार अब छोटी आबादी वाले क्षेत्रों में भी सुगम सड़क मार्ग उपलब्ध कराएगी। सड़कों की मरम्मत के लिए भी 12,690 करोड़ का प्रावधान किया गया है। क्षतिग्रस्त पुलों के नवनिर्माण के तहत 4,572 करोड़ की राशि बजट में स्वीकृत की गई है। सड़कों और पुलों के निर्माण, संधारण के लिए 12,690 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है।

गांवों में नवाचार के लिए 3736 करोड़

सरकार पंचायतों को तकनीकी तौर पर सक्षम बनाने के लिए बजट में बतौर अनुदान 3736 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। वहीं ग्रामीण विकास को लेकर भी कई तरह के नवाचार किए जा रहे हैं। बजट में पंचायत एवं ग्रामीण विकास के लिए 4062 करोड़ का वित्तीय प्रस्ताव रखा गया है।

वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा कि विकसित भारत जी राम जी कार्यक्रम के तहत जल संरक्षण, ग्रामीण अधोसंरचना सुविधाएं, आजीविका और प्रतिकूल मौसमी घटनाओं के प्रभावों को कम करने के कार्य शामिल किए जाएंगे। इस योजना के तहत अब पात्रों को 100 दिन की बजाए 125 का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। गांवों में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत अगले वित्तीय वर्ष के दौरान व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय और 505 सामुदायिक स्वच्छता परिसरों के निर्माण के लिए भी बजट का प्रावधान किया गया है।

बजट संबोधन के दौरान देवड़ा ने पूंजीगत व्यय पर जोर देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान 80,266 करोड़ रुपए का पूंजीगत बजट रहने का अनुमान है। इसमें यदि अन्य माध्यमों से जुटाए गए संसाधनों को जोड़ दें,तो प्रभावी कैपेक्स 1.10 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है।

3000 1 लाख किसानों को सोलर पंप देने के लिए प्रावधान

412 करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह बड़ा प्रयास।

21630 मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क के लिए

श्रम विभाग के लिए 1,335 करोड़। ग्रामीण और शहरी सड़कों की मरम्मत के लिए 12,690 करोड़

23747 शहरी-ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य के लिए

उद्यम क्रांति -युवाओं को लोन के लिए 16,451 करोड़ । नारी कल्याण -1 लाख 27,555 करोड़

2149 स्वास्थ्य क्षेत्र-आयुष्मान और अन्य मदों के लिए

जनजातीय क्षेत्र के 11,277 गांवों के लिए 793 करोड़। जल जीवन मिशन -4,454 करोड़

3060 सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए (सोलर पंप के अतिरिक्त)

44605 केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए

नोट : (राशि करोड़ रुपए में)

कहां से आएगा रुपया

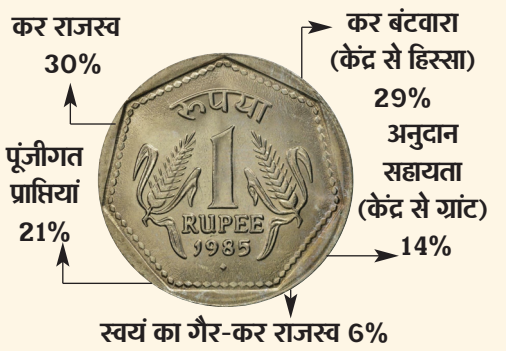

कहां जाएगा रुपया

अन्य मदों में खर्च

ऋण पुनर्भुगतान	8%	अन्य सेवाएं	4%
पेंशन	7%	रोजगार क्षेत्र	1%
सामाजिक क्षेत्र	5%	संस्कृति	0.5%

महिला कल्याण: 1,27,555 करोड़ रुपए का प्रावधान, लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ी

राज्य के बजट 2026-27 में महिलाओं को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। बजट दस्तावेज में 'नारी शक्ति' को प्रमुख स्तंभों में शामिल किया गया है। कुल मिलाकर महिला कल्याण से जुड़े प्रावधानों के लिए 1,27,555 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो यह दर्शाता है कि सरकार सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रही है।

सबसे बड़ा ऐलान लाड़ली बहना योजना को लेकर है। योजना के तहत महिलाओं को मिलने वाली राशि 1,250 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 1,500 रुपए प्रति माह कर दी गई है। यह वृद्धि सीधे तौर पर करोड़ों महिलाओं के घरेलू बजट को सहारा देगी। इससे न केवल उनकी आर्थिक निर्भरता कम होगी, बल्कि परिवार के खर्चों में उनकी भागीदारी और निर्णय क्षमता भी बढ़ेगी।

सामाजिक क्षेत्र के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। वर्ष 2025-26 के पुनरीक्षित अनुमान 25,967 करोड़ रुपए की तुलना में 2026-27 के लिए 32,730 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह 15 प्रतिशत की वृद्धि है। इससे पोषण, आंगनवाड़ी सेवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा महिला सुरक्षा कार्यक्रमों को मजबूती मिलेगी।

23882 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है लाडली बहना के लिए, जबकि 1801 करोड़ रुपए का प्रावधान है लाडली लक्ष्मी योजना के तहत

कार्यरत महिलाओं के लिए सुविधाएं

पिछले बजट की घोषणाओं के तहत वर्किंग वुमेन हॉस्टल के कार्य प्रगति पर हैं। इससे शहरी क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। यह पहल महिलाओं की श्रम भागीदारी दर बढ़ाने में मददगार हो सकती है।

बजट पर खास पेज 2 और 8 पर

शहरी और ग्रामीण विकास

नगरीय एवं ग्रामीण विकास के लिए बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। वर्ष 2025-26 के 50,566 करोड़ रुपए की तुलना में 2026-27 के लिए 61,665 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह 22 फीसदी की वृद्धि है, जो आधारभूत संरचना विस्तार की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

बीते पांच साल में लगातार बढ़ा बजट

मध्यप्रदेश का बजट पिछले पांच सालों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज करता रहा है। यह वृद्धि राज्य की आर्थिक गतिविधियों के विस्तार, राजस्व संग्रह में सुधार और विकास परियोजनाओं में बढ़ते निवेश को दर्शाती है। बीते पांच वर्ष में कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ा है। कुल कर्ज हर वर्ष नई ऊंचाई पर पहुंचता गया है।

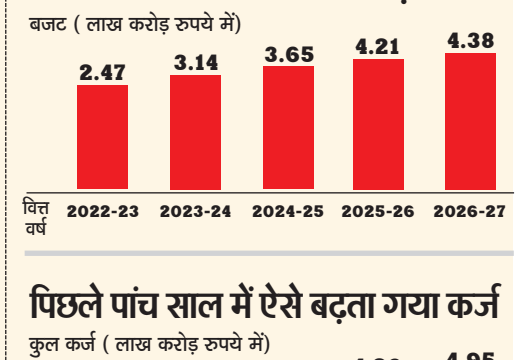

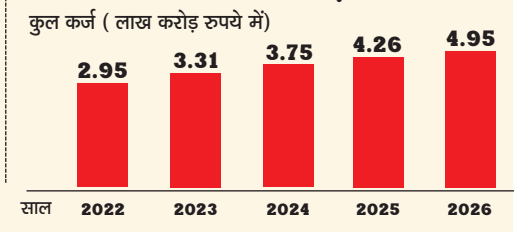

सपनों को साकार करने वाला बजट

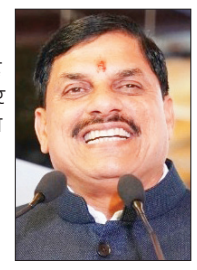

यह बजट समृद्ध मध्यप्रदेश, संपन्न मध्यप्रदेश, सुखद मध्यप्रदेश, सांस्कृतिक मध्यप्रदेश के सपने को साकार करने वाला है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी प्रदेश की जनता पर किसी नए कर का बोझ नहीं डाला गया है। सुशासन और सुप्रबंधन के लिए निरंतर नवाचार और विकास के सभी पैमानों को पूरा करता यह बजट अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय है। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण के संकल्प में हमारी सरकार ने अब इंडस्ट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर के आई को भी शामिल किया है। यह बजट ज्ञानी के मार्गदर्शी सिद्धांत पर तैयार किया है।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

झूठे और खोखले वादों का बजट

मध्यप्रदेश सरकार का बजट झूठे आंकड़ों और खोखले वादों का बजट है। जनता के साथ छलावा है। यह जमीनी हकीकत से कटा हुआ है। बजट में रिकॉर्ड राजकोषीय घाटा, फिर भी योजनाओं की लंबी फेहरिस्त है। वित्तमंत्री स्वयं स्वीकार कर रहे हैं कि राजकोषीय घाटा 74 हजार करोड़ रुपये से अधिक होगा। जब सरकार के पास संसाधन ही नहीं हैं, तो योजनाओं को पूरा करने के लिए पैसा कहां से आएगा?

-उमंग सिंघार, नेता प्रतिपक्ष

'अन्नदाता': 'किसान कल्याण वर्ष' में कृषि निवेश बढ़ाने का संदेश, उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि पर फोकस

किसान कल्याण पर खर्च होंगे 1.15 लाख करोड़

कृषि को आर्थिक विकास की रीढ़ मानते हुए व्यापक प्रावधान किए गए हैं। बजट के स्तंभों में 'अन्नदाता' को विशेष प्राथमिकता दी गई है। सरकार ने वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' घोषित करते हुए कृषि क्षेत्र में निवेश बढ़ाने का संदेश दिया है। बजट दस्तावेज के अनुसार किसान कल्याण पर कुल 1,15,013 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसमें उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि, मजबूत आदान व्यवस्था, बेहतर मूल्य और सुरक्षा तंत्र शामिल हैं। कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों के लिए 88,910 करोड़ रुपए तथा किसानों के लिए कुल वित्तीय संसाधन 1.15 लाख करोड़ रुपए दर्शाए गए हैं, जो इसी व्यापक प्रावधान का हिस्सा है। किसानों को सिंचाई में आत्मनिर्भर बनाने के लिए 1 लाख सोलर सिंचाई पंप लगाने की घोषणा की गई है। इसके लिए 3 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान बताया गया है। बजट में प्रधानमंत्री सूर्य कृषक मित्र योजना के अंतर्गत सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए भी राशि का उल्लेख है। इससे डीजल और पारंपरिक बिजली पर निर्भरता घटेगी और लागत में कमी आएगी।

सिंचाई और जल प्रबंधन

कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास पर बड़े पैमाने पर निवेश का प्रावधान है। भू-संरक्षण, लघु सिंचाई पंप और स्प्रिंकलर योजनाओं के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाने की रणनीति बनाई गई है।

फसल का बेहतर मूल्य और उपार्जन

उपज के बेहतर मूल्य के लिए व्यापक स्तर पर फसल उपार्जन और भावांतर योजनाओं को जारी रखा है। गेंहू, धान, सोयाबीन और अन्य फसलों की खरीद के लिए बजट प्रावधान हैं। बोनस राशि और मंडी सुविधाओं के विस्तार से बाजार तक पहुंच आसान बनाने का प्रयास है।

सामाजिक सुरक्षा और बीमा

फसल बीमा के लिए 1,299 करोड़ का प्रावधान है। साथ ही, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लिए 5,501 करोड़ रुपए और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के लिए भी 5,501 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। पीएम किसान के तहत किसानों को 12,000 रुपए वार्षिक सहायता का उल्लेख है, जो प्रत्यक्ष आय समर्थन की नीति को दर्शाता है।

सस्ती बिजली और शून्य ब्याज ऋण: कृषि पंपों के लिए बिजली बिल राहत पर 20,485 करोड़ रुपए का प्रावधान दर्शाया गया है। सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को शून्य ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए बजट में प्रावधान है। इसके तहत हजारों करोड़ रुपये के फसल ऋण वितरित किए जाएंगे।

उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण: उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के लिए 772 करोड़ का प्रावधान है। फल, सब्जी और मसाला उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना पर जोर दिया जा रहा है। इससे फसल विविधीकरण का लाभ मिलेगा।

कृषि से जुड़े पशुपालन-मत्स्य-उद्यानिकी पर भी किया गया फोकस

25,000 करोड़ रुपए ऋण का लक्ष्य

- कृषि के साथ-साथ उससे जुड़े क्षेत्रों उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन पर भी विशेष फोकस किया गया है। 'अन्नदाता' को बजट के प्रमुख स्तंभों में शामिल करते हुए सरकार ने आय के विविध स्रोत विकसित करने की रणनीति अपनाई है। इसी क्रम में इन क्षेत्रों के लिए 25,000 हजार करोड़ के ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है।
- पशुपालन एवं डेयरी विभाग के लिए वर्ष 2026-27 में 2,365 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। पशुपालन के लिए 2,364 करोड़ का उल्लेख है। यह राशि डेयरी विकास, पशु स्वास्थ्य सेवाओं, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और नस्ल सुधार पर खर्च की जाएगी।
- इसके अलावा सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को बड़े पैमाने पर ऋण उपलब्ध कराने की योजना है। सहकारी समितियों के माध्यम से 2,364 करोड़ रुपए की ऋण सहायता का प्रावधान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा।
- मत्स्य पालन और मछुआ कल्याण विभाग के लिए 413 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इससे तालाब विकास, मत्स्य बीज वितरण, कोल्ड चेन और विपणन सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा।

विभागों का हालः महिला बाल विकास को 32730 करोड़, आयुष को 1210 करोड़

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार के बजट में सामाजिक क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। महिला और बाल विकास के अलावा शिक्षा ,एससीएसटी व ओबीसी के साथ कृषि नगरीय और ग्रामीण विकास,संस्कृति संवंर्धन और रोजगार पर भी फोकस किया गया है। बजट में सामाजिक क्षेत्र के महिला बाल विकास के बजट में वृद्धि की गई है। मंत्री निर्मला भूरिया के विभाग को 32,730 करोड़ का बजट उपलब्ध कराया गया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में विभाग को 25,976 करोड़ का बजट दिया गया था।

इसी तरह लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के बजट में भी इस बार वृद्धि हुई है। पिछले बजट में उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के इस विभाग को 21.731 करोड़ की राशि मिली थी,जो इस बार 22.363 लाख हो गई है।

मंत्री इंदर सिंह परमार के आयुष विभाग का बजट जहां 1,210 करोड़ रखा गया है,तो भोपाल गैस त्रासदी,राहत तथा पुर्नवास विभाग को 175 करोड़ बजट में प्रस्तावित किए गए है। इस तरह सामाजिक क्षेत्र में आने वाले इन विभागों में पिछले बजट की तुलना में 15 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई है।

निर्मला भूरिया

राजेंद्र शुक्ल

इंदर सिंह परमार

राव उदय प्रताप

गौतम टेटवाल

विश्वास सारंग

स्कूली और उच्च शिक्षा को 41 हजार करोड़

इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में भी इस बार सरकार ने बजट में वृद्धि की है। यह 13 प्रतिशत की बताई गई है। मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के स्कूल शिक्षा विभाग को 36.730 करोड़, उच्च शिक्षा विभाग को 4.247, मंत्री गौतम टेटवाल के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग को 2.932, मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के विभाग खेल एवं युवा कल्याण विभाग को 715 करोड़, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को 734 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। मंत्री सारंग के विभाग सहकारिता को 1.679 करोड़ मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग को 413 करोड़ दिए गए हैं।

नगरीय आवास को 21 हजार करोड़, पंचायत को 10 हजार करोड़

कैलाश विजयवर्गीय के विभाग नगरीय विकास एवं आवास को 21565करोड़, प्रहलाद पटेल के विभाग को 29663 करोड़, उन्हीं के पंचायत विभाग को 10440 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया है। इन क्षेत्रों का बजट पिछली बार की तुलना में 22 प्रतिशत बढ़ा है। गोविन्द सिंह राजपूत के विभाग खाद्य, नागरिक आपूर्ति एंव उपभोक्ता संरक्षण को 1863 करोड़, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लाखन सिंह के पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग को 2,365 करोड़, की राशि आवंटित की गई है। धर्मेन्द्र भाव लोधी के पर्यटन विभाग को 566 करोड़, संस्कृति विभाग को 1365 करोड़, धर्मस्व और आनंद विभाग को 12 करोड़ की राशि दी है। इस तरह संस्कृति संवर्धन के क्षेत्र में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की तुलना में 63 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की है। सरकार ने रोजगार के क्षेत्र से जुड़े विभागों के बजट में 23 प्रतिशत की बृद्धि की है। इसमें औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग को 3.814 करोड़, एमएसएमई को 2.144 करोड़, मंत्री दिलीप जायसवाल के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग को 145 करोड़ की राशि देने की बात बजट में की गई है।

कैलाश विजयवर्गीय

प्रह्लाद पटेल

धर्मेंद्र लोधी

गोविंद राजपूत

अनुसूचित जाति कल्याण के लिए 2591 करोड़ की राशि आवंटित

सरकार ने अपने बजट में अनुसूचित जाती, जनजाति और ओबीसी वर्ग पर भी ध्यान दिया है। सदन में प्रस्तुत बजट में मंत्री विजय शाह के विभाग जनजातीय कार्यविभाग को 15.015 करोड़, मंत्री नागर सिंह चौहान के विभाग अनुसूचित जाति कल्याण विभाग को 2,591 करोड़, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कृष्णा गौर के पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक कल्याण, घुमन्तु, अर्धघुमन्तु विभाग को 55 करोड़ का बजट दिया है। पिछली बार इस विभाग को 60 करोड़ का बजट दिया गया था। कृषि कल्याण वर्ष के दौरान सरकार ने कृषि के क्षेत्र में आने वाले विभागों पर भी विशेष ध्यान दिया है। मंत्री एदल सिंह कंषाना के किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग को 31.759 करोड़ के बजट का प्रावधान किया है।

विजय शाह

नागर सिंह चौहान

कृष्णा गौर

एदल सिंह कंषाना

कमलनाथ बोले- जनता से विश्वासघात वाला बजट

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि जनता से विश्वासघात वाला बजट है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट पेश किया है, उसमें सिर्फ बातों के बताशे बनाए गए हैं। जनहित का मुद्दा पूरी तरह सफाचट है। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की जनता और मतदाताओं से जो प्रमुख वादे किए थे। वह सारे वादे ढाई साल बाद भी वित्त मंत्री के बजट भाषण से गायब दिखाई दिए। प्रदेश के किसानों, नारी शक्ति, नौजवानों और सभी वर्गों से किए गए चुनावी वादों को बजट में कोई स्थान नहीं दिया गया। विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की जनता से जो चार प्रमुख वादे किए थे, वह आज भी अधूरे हैं। इनमें किसानों को धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3100 रुपया प्रति क्विंटल, किसानों को गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2700 रुपया प्रति क्विंटल, लाड़ली बहन योजना में महिलाओं को प्रति महीने 3 हजार रुपया, घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपए में देने के वादे अधूरे हैं।

विधायक निधि नहीं बढ़ाने पर हंगामा

बजट भाषण के दौरान सदन में कांग्रेस विधायकों ने विधायक निधि बढ़ोतरी नहीं किए जाने के कारण बजट भाषण के दौरान हंगामा किया। बजट भाषण पर सवाल उठाए। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधायकों को शांत होकर अपनी सीट पर बैठने के निर्देश दिए। वहीं, कांग्रेस विधायक सरकार पर कर्ज के विरोध में खाली डिब्बे और गुब्बक लेकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने कहा कि राज्य का कर्ज लगातार बढ़ रहा है। विरोध के दौरान कांग्रेस नेताओं ने तख्तियां पकड़ी हुई थीं, जिन पर लिखा था कि कर्ज बजट से ज्यादा है, फिर आप कहते हैं कि सब ठीक है।

पुलिस विभाग में 22500 पदों पर भर्ती

वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा- पुलिस विभाग में 22 हजार 500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। पुलिसकर्मियों के लिए 11000 नए आवास बनाए गए हैं। 1 अप्रैल 2026 से परिवार पेंशन के अंतर्गत तलाकशुदा पुत्री को भी परिवार पेंशन देने का फैसला लिया गया है।

सीएम तीर्थ दर्शन के तहत 50 करोड़

धार्मिक और सामाजिक योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, ताकि वरिष्ठ नागरिकों और जरूरतमंद लोगों को धार्मिक स्थलों की यात्रा का लाभ मिल सके। वहीं, धर्म और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए सरकार ने 2 हजार 55 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया है।

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत अब तक 4 करोड़ 61 लाख से अधिक खाते खोले जा चुके हैं। इससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ा गया है और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिल रहा है।

पर्यावरण के लिए 6151 करोड़

कृषि वानिकी योजना शुरू की जाएगी इससे सरकार आमदनी बढ़ाने का काम करेगी। वन पर्यावरण क्षेत्र के लिए 6 हजार 151 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

इंफ्रास्ट्रक्चरः 59,347 करोड़ से मिलेगी विकास को रफ्तार

बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर को विकास का 'इंजन' घोषित करते हुए सरकार ने बड़ा निवेश करने का ऐलान किया है। सड़क, सिंचाई, शहरी विकास और ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से राज्य को 2047 के लक्ष्य की ओर तेज गति देने की रणनीति बनाई गई है। बजट दस्तावेज़ में स्पष्ट कहा गया है कि अधोसंरचना विकास को इस वर्ष की प्रमुख धुरी बनाया गया है। पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक के पूंजीगत निवेश (अतिरिक्त बजटीय संसाधनों सहित) का लक्ष्य रखा गया है। इससे रोजगार सृजन, औद्योगिक विस्तार और ग्रामीण-शहरी संतुलन को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी: वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूंजीगत व्यय 80,266 करोड़ रुपए प्रस्तावित किया गया है। यदि अतिरिक्त बजटीय संसाधनों और पूंजीगत परियोजनाओं को जोड़ दिया जाए तो यह राशि 1,06,156 करोड़ रुपए तक पहुंचती है। पिछले सालों की तुलना में यह महत्वपूर्ण वृद्धि है और यह दर्शाती है कि सरकार दीर्घकालिक परिसंपत्तियों के निर्माण पर फोकस कर रही है।

सिंचाई परियोजनाओं को मजबूती: सिंचाई के लिए 14,742 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। बजट दस्तावेज के अनुसार जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्तावित है। सरकार का लक्ष्य 2029 तक 100 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता विकसित करना है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना: केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए 44,605 करोड़ रुपए का प्रावधान बताया गया है। यह परियोजना बुंदेलखंड क्षेत्र के जल संकट को दूर करने और सिंचाई के दायरे को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। इससे पेयजल और कृषि दोनों क्षेत्रों को लाभ मिलने की संभावना है।

1 लाख
करोड़ रुपए से अधिक के पूंजीगत निवेश का लक्ष्य रखा गया है बजट में

80266
करोड़ रुपए प्रस्तावित हैं पूंजीगत व्यय के लिए इस बार बजट में

14742
करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है सिंचाई परियोजनाओं के लिए

पीएम आवास के लिए 6 हजार 850 करोड़ का प्रावधान

बजट में 6 हजार 850 करोड़ रुपए का प्रावधान पीएम आवास के लिए किया गया है। इसी तरह पीएम जनमन के लिए 900 करोड़, जी रामजी के लिए 10428 करोड़ के प्रावधान किए गए हैं। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के लिए 40062 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि 2 साल में 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। 19300 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्रियल और आईटी पार्क विकसित किए जा रहे हैं। 7 लाख 95 हजार स्टूडेंट्स को आर्थिक सहायता राशि का प्रावधान। उद्यम क्रांति योजना में 16,451 युवाओं को लोन दिया गया है।

वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 में 52 लाख 29 हजार बालिकाओं को लाभांवित किया गया। 14 लाख 12 हजार को छात्रवृत्ति दी गई। इसके लिए 1800 करोड़ का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री माजरा टोला के तहत 20,900 किलोमीटर सड़क बनाने का स्टेटस दिया गया है। सड़क रिपेयर के लिए 12,690 करोड़ रुपए का प्रोविजन किया गया है। युवा परिवारों के मेट्रोपॉलिटन एरिया में बढ़ते माइग्रेशन के असर को कम करने के लिए 'संध्या छाया' प्रोग्राम शुरू किया गया है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 7 लाख 95 हजार विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सरदार पटेल कोचिंग योजना के अंतर्गत 4 हजार विद्यार्थियों को लाभ देने का लक्ष्य तय किया गया है। सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए भी बड़े स्तर पर बजट का प्रावधान किया गया है। पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, घुमक्कड़ एवं अर्ध-घुमक्कड़ समुदायों के विकास के लिए 1,651 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कनेक्टिविटी सुधार पर विशेष जोर दिया गया है।

'ज्ञान' से 'ज्ञानी' हुआ इस बार बजट

किसान, महिला, युवा, गरीब में इंफ्रास्ट्रक्चर-इंडस्ट्री भी जुड़े

विशेष संवाददाता, भोपाल। डॉ. मोहन यादव सरकार का तीसरा बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र ज्ञान से आगे जाकर ज्ञानी पर फोकस रहा है। सरकार ने किसान,युवा ग्रामीण विकास और महिला सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। इसमें कुछ नई योजनाओं के लिए बजट का प्रावधान रखा गया है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने देश प्रदेश के विकास के लिए ज्ञान यानि कि गरीब,युवा,अन्नदाता और नारी शक्ति के उत्थान को मिशन के तौर पर करने का संदेश दिया था। राज्य सरकार ने ज्ञान में दो आई और जोड़कर उसे ज्ञानी बनाया दिया है। यानि कि गरीब,युवा,अन्नदाता और नारी के साथ अब इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री को भी जोड़ दिया है। सरकार ने बजट में सीएम युवा शक्ति योजना के तहत राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सुविधायुक्त स्टेडियम बनाने के लिए बजट का प्रावधान किया है। सरकार ने अपने बजट भाषण में कहा कि मध्यप्रदेश युवा प्रदेश के तौर पर स्थापित हो रहा है और देश में तीसरा युवा प्रदेश है,ऐसे में युवाओं को सक्षम और रोजगारयुक्त बनाने के लिए सरकार उनके लिए अनेक योजनाओं के जरिए आर्थिक मदद उपलब्ध कराएंगी। युवाओं के कौशल विकास और स्वरोजगार के लिए सरकार द्वारा बजट के जरिए एक खाका तैयार किया गया है। बजट में राज्य में औद्योगिक और आईटी पार्क विकसित करने के लिए जहां बजट राशि का प्रावधान किया गया है,तो वहीं 19,300 एकड़ जमीन भी आरक्षित की गई है।

इसी तरह जनजातीय विकास के लिए भी सरकार ने 793 करोड़ की राशि बजट में समाहित की है। जनजातीय विकास के लिए 11,277 गांवों का विकास करने सरकार इस बजट को खर्च करेगी। विशेषकर दुर्गम और अति पिछड़े क्षेत्रों में इस प्रावधान का लाभ मिलेगा। बजट में प्रदेश की बेरोजगारी दर को कम करने का भी रोडमैप बनाने के संकेत मिले है। सरकार चाहती है कि हर हाथ को काम मिले, इसके लिए सरकार कौशल विकास और नए उद्योगों को प्रोत्साहन देकर अपने उद्देश की पूर्ति करेगी।

सीएम तीर्थ दर्शन योजना के लिए आवंटन के तहत अगले वित्तीय वर्ष में सरकार राज्य के पात्र लोगों को 50 करोड़ की राशि खर्च कर तीर्थों के दर्शन कराएगी। धर्म और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए सरकार 2 हजार 55 करोड़ रुपए का बजट खर्च करेगी।

नए टैक्स नहीं,पुराने में वृद्धि नहीं

इस बजट में न तो कोई नए टैक्स का प्रावधान किया गया है और न ही मौजूदा टैक्स ही बढ़ाए गए है। कर्मचारियों को आठवें वेतनमान के लिए भी किसी भी तरह की कोई घोषणा नहीं हुई है। इस पर वित्त विभाग ने सफाई दी कि मामले केन्द्र का है,जब तक इसके लिए केन्द्र से किसी भी तरह के निर्देश नहीं आएंगे,तब तक राज्य सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाएगी। इसी तरह बजट में महिला सशक्तीकरण,पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अलावा आदिमजाति कल्याण विभाग की मेधावी छात्र पुरुस्कार योजना और स्कूल शिक्षा विभाग की साइकिल प्रदाय जैसी योजना अगले 5 सालों तक चलने की बात भी बजट में की गई है।

संसाधन

1.17667
राज्य कर से

1.12,137
करोड़ केन्द्रीय करों में हिस्सा

54,505
करोड़ केन्द्र से सहायता अनुदान

24, 394
करेत्तर राजस्व

80, 694
करोड़ अन्य प्राप्तियां (पूंजीगत)

युवा शक्ति

45,358 करोड़ रुपए का प्रावधान, बीते साल की तुलना में 13 फीसदी की वृद्धि

शिक्षा और युवाः कौशल, छात्रवृत्ति और खेल को मिला बल

बजट 2026-27 में शिक्षा और युवा सशक्तिकरण को विकास की धुरी के रूप में प्रस्तुत किया गया है। 'युवा शक्ति' को बजट के मुख्य फोकस में शामिल किया गया है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि कौशल, शिक्षा और अवसरों के माध्यम से ही आत्मनिर्भर राज्य की नींव मजबूत होगी।

बजट दस्तावेज के अनुसार सामाजिक क्षेत्र के अंतर्गत शिक्षा विभाग के प्रावधानों में वृद्धि की गई है। वर्ष 2025-26 के पुनरीक्षित अनुमान 40,160 करोड़ की तुलना में 2026-27 के लिए 45,358 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह लगभग 13 फीसदी की वृद्धि है।

इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 36,730 करोड़ रुपए, उच्च शिक्षा विभाग के लिए 4,247 करोड़ रुपए तथा तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के लिए 2,932 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

3,068
करोड़ अधोसंरचना और विद्यालय उन्नयन

'सांदीपनि विद्यालय' के लिए 3,068 करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह संकेत देता है कि स्कूलों के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डिजिटल कक्षाएं, प्रयोगशालाएं और आधुनिक सुविधाओं से युक्त विद्यालय तैयार करने की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है।इसके अतिरिक्त पीएम श्री योजना के तहत 530 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिससे चयनित स्कूलों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा।

986 करोड़ : छात्रवृत्ति और सुविधाएं

छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए 986 करोड़ का प्रावधान है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों को उच्च शिक्षा तक पहुंच आसान होगी। निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जबकि साइकिल योजना के लिए 530 करोड़ और स्कूटी व लैपटॉप वितरण के लिए 350 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

715 करोड़: खेल और युवा कल्याण

खेल एवं युवक कल्याण विभाग के लिए 2026-27 में 715 करोड़ का प्रावधान किया गया है। कुल खेल एवं युवा कल्याण मद में 815 करोड़ का उल्लेख है, जो दर्शाता है कि सरकार युवाओं को खेल के माध्यम से भी अवसर देना चाहती है। इससे प्रशिक्षण व प्रतिभा खोज को मजबूती मिलेगी।

- प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 6,850 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- पीएम जनमन के लिए 900 करोड़, जीरमजी के लिए 10,428 करोड़ का प्रावधान।
- वन पर्यावरण क्षेत्र के लिए 6,151 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- धर्म और संस्कृति के लिए 2,055 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- 7 लाख 95 हजार स्टूडेंट्स को आर्थिक सहायता।
- 2 साल में 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव।
- 19,300 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्रियल-आईटी पार्क विकसित किए जा रहे हैं।
- मात वंदना योजना के लिए 386 करोड़ रुपये का प्रावधान।

वर्ष 69 ▸▸ अंक 142 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 19 फरवरी, 2026
▸▸ फाल्गुन शुक्ल पक्ष 02, विक्रम संवत् 2082
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

“न्याय हमेशा समानता के विचार को पैदा करता है। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के बिना लोकतंत्र अधूरा है।
-डॉ. बीआर अंबेडकर

ऑफ बीट

चीनी रोबोट्स का इंसानों जैसा डांस

चीन ने सोमवार को दुनिया को अपनी तकनीकी ताकत दिखाई। एक कार्यक्रम में इंसानों जैसे दिखने वाले ह्यूमनॉइड रोबोट्स ने मार्शल आर्ट्स और डांस किया। करीब 25 रोबोट्स बच्चों के साथ तलवार भांजते, बैकलिफ्ट करते और डंडे घुमाते हुए डांस करते दिखाई दिए। खास बात यह रही कि एक भी रोबोट गिरा नहीं। यह प्रदर्शन देख दुनिया हैरान रह गई। कई लोगों के मन में सवाल उठा कि अगर रोबोट अब नाच सकते हैं और कुंग फू कर सकते हैं, तो वे और क्या कर सकते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह प्रदर्शन पिछले साल के मुकाबले बिल्कुल अलग था। पिछले साल रोबोट्स सिर्फ रुमाल घुमाते और साधारण हरकतें करते नजर आए थे, लेकिन एक साल में सबकुछ बदल चुका है। चीन दुनिया को खासकर अमेरिका को दिखाना चाहता है कि वह तकनीक में बहुत आगे निकल चुका है। एशिया में टेक्नोलॉजी कंसल्टेंसी कंपनी के प्रमुख जॉर्ज स्टीलर ने कहा कि जिस गाला में इन रोबोट्स ने प्रदर्शन किया।

किसी लड़की का नाड़ा खींचना, ब्रेस्ट पकड़ना रेप की कोशिश: सुप्रीम कोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इसे रेप नहीं माना, सीजेआई ने पलटा आदेश

प्रयागराज, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी लड़की के पायजामे का नाड़ा खींचना और ब्रेस्ट पकड़ना रेप की कोशिश माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें इसे रेप की कोशिश की जगह रेप की तैयारी बताया गया था।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हाईकोर्ट ने आपराधिक कानून के स्थापित सिद्धांतों का गलत इस्तेमाल किया है। हम हाईकोर्ट की इस बात से सहमत नहीं हैं कि आरोप सिर्फ तैयारी तक सीमित हैं। आरोपियों की हरकत साफतौर पर रेप की कोशिश की ओर इशारा करती है। पहली नजर में शिकायतकर्ता,अभियोजन ने रेप की कोशिश का मामला बना दिया है। दरअसल, हाईकोर्ट ने 17 मार्च, 2025 को आदेश में कहा था कि ये कृत्य रेप या रेप की कोशिश की केटेगरी में नहीं आते।

2021 में बच्ची के साथ तीन युवकों ने की थी छेड़खानी

कासगंज की एक महिला ने 12 जनवरी, 2022 को कोर्ट में शिकायत में आरोप लगाया कि 10 नवंबर, 2021 को वह 14 साल की बेटी के साथ कासगंज के पटियाली में देवरानी के घर गई थी। उसी दिन शाम को घर लौट समय रास्ते में गांव के ही पवन, आकाश व अशोक मिल गए। पवन ने बेटी को बाइक पर बैठाकर घर छोड़ने की बात कही। मां ने भरोसा करते हुए बाइक पर बैठा दिया, लेकिन रास्ते में पवन और आकाश ने लड़की के प्राइवेट पार्ट को पकड़ लिया। आकाश ने उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करते हुए उसके पायजामे की डोरी तोड़ दी। लड़की की चीख-पुकार सुनकर ट्रैक्टर से गुजर रहे सतीश और भूरे मौके पर पहुंचे।

» हाईकोर्ट ने कहा था-पायजामे का नाड़ा तोड़ना अटेम्प्ट टू रेप नहीं: 17 मार्च, 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने कहा-किसी लड़की के निजी अंग पकड़ लेना, पायजामे का नाड़ा तोड़ देना, जबरन उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश से रेप या 'अटेम्प्ट टू रेप' का मामला नहीं बनता। यह रेप की तैयारी है। 2 आरोपियों पर लगी धाराएं बदल दीं।

» सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, फैसले पर रोक लगाई: हाईकोर्ट के फैसले पर कानूनी विशेषज्ञों, राजनेताओं व अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने विरोध जताया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस फैसले का स्वतः संज्ञान लिया। 25 मार्च को हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी गई। तत्कालीन सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने सुनवाई की थी।

» हाईकोर्ट के फैसले पर नाराजगी जताते हुए सख्त टिप्पणी: मामले पर 8 दिसंबर, 2025 को सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था-हम सभी हाईकोर्ट के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी कर सकते हैं। ऐसी टिप्पणियां पीड़ित पर चिलिंग इफेक्ट यानी भयावह प्रभाव डालती हैं और कई बार शिकायत वापस लेने जैसा दबाव भी पैदा करती हैं।

इधर, छग हाईकोर्ट ने भी दिया 'इलाहाबाद' जैसा फैसला

बिना पेनिट्रेशन रेप नहीं, सिर्फ कोशिश

छग हाईकोर्ट ने दुष्कर्म से जुड़े मामले में आरोपी की सजा बदलकर दुष्कर्म की कोशिश का फैसला सुनाया। रेप केस में सजा को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा, अगर घटना के दौरान पेनिट्रेशन नहीं हुआ तो उसे दुष्कर्म नहीं,दुष्कर्म की कोशिश माना जाएगा। कोर्ट ने आरोपी की सजा 7 साल से साढ़े तीन साल कर दी, क्योंकि मेडिकल सबूतों से पता चला कि पीड़िता की हाइमन सही सलामत थी। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की बेंच ने कहा, आरोपी का इरादा 'क्रिमिनल था, प्रॉसिक्यूशन पेनिट्रेशन साबित करने में नाकाम रहा, जो 2004 में आईपीसी की धारा 375 के तहत रेप के लिए एक जरूरी हिस्सा था। धारा 376(1) के तहत सजा को बदलकर धारा 376/511 (रेप की कोशिश) कर दिया गया।

क्या है पूरा मामला?

प्रॉसिक्यूशन के मुताबिक, आरोपी ने पीड़िता को जबरदस्ती उसके घर से अपने घर खींच लिया, उसके कपड़े उतारे और उसकी मर्जी के खिलाफ सेक्सुअल इंटरकोर्स की कोशिश की। यह मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। पीड़िता को कथित तौर पर एक कमरे में बंद कर दिया गया, उसके हाथ-पैर बांधे और उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया गया था। कुछ घंटों बाद, उसकी मां ने उसे कैद से छुड़ाया। 2005 में, ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को धारा 376(1) और 342 के तहत दोषी ठहराया और उसे रेप के लिए सात साल की कड़ी कैद और गलत तरीके से कैद करने के लिए छह महीने की सजा सुनाई। इस केस में अपील एक ही जरूरी कानूनी सवाल पर टिकी थी-क्या पेनिट्रेशन हुआ था?

एआई इम्पैक्ट समिट एक्सपो: चीनी रोबोट के प्रदर्शन का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद

गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीनी रोबोट ड्रोन को बताया अपना, समिट से बाहर

नई दिल्ली, जेएनएन। चीनी रोबोट और कोरियन ड्रोन को अपना प्रोजेक्ट बताने वाली गलगोटिया यूनिवर्सिटी को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट एक्सपो से बाहर कर दिया गया है। आयोजकों ने पहले यूनिवर्सिटी के पवेलियन की बिजली काटी, फिर ताला लगाकर बेरीकेडिंग कर दी गई। यह कार्रवाई उस वीडियो के वायरल होने के बाद हुई है, जिसमें यूनिवर्सिटी ने एक चाइनीज कंपनी के रोबोटिक डॉग को अपनी खुद की खोज बताया था।

चीनी रोबो डॉग के साथ ही यूनिवर्सिटी ने कोरियन कंपनी के एक ड्रोन को भी अपना बताया था। वीडियो में यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेहा सिंह कह रही हैं कि इस रोबोटिक डॉग का नाम 'ओरियन' है। इसे गलगोटिया यूनिवर्सिटी के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने तैयार किया है। उन्होंने ये भी कहा कि यूनिवर्सिटी एआई के क्षेत्र में 350 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। इस वीडियो के सामने आने के बाद कई टेक एक्सपर्ट्स और यूजर्स ने दावा किया कि यह असल में चीनी कंपनी 'यूनिट्री' का 'गो2' मॉडल है, जो बाजार में 2-3 लाख रुपए में उपलब्ध है। वहीं एक अन्य वीडियो में यूनिवर्सिटी जिस ड्रोन को कैंपस में 'शुरुआत से' तैयार करने का दावा कर रही हैं, उसे यूजर्स ने 40 हजार वाला रेडीमेड 'स्ट्राइककर वी3 एआरएफ' मॉडल बताया है।

यूनिवर्सिटी ने माना, हमने नहीं बनाया ये डॉग

वीडियो वायरल होने के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने कहा- हमने लगातार कैंपस में बेहतरीन टेक्नोलॉजी लाने की कोशिश की है, क्योंकि जब छात्र नई चीजें देखते हैं, तभी सोच विकसित होती है। और यही सोच नए रचनाकारों को जन्म देती है। हाल ही में यूनिट्री से लिया गया रोबोटिक डॉग इसी सफर का एक हिस्सा है। यह सिर्फ दिखाने के लिए रखी गई कोई मशीन नहीं है, यह चलता-फिरता क्लासरूम है। हमारे छात्र इस पर प्रयोग कर रहे हैं, इसकी क्षमताओं को परख रहे हैं और इस प्रक्रिया में ज्ञान बढ़ा रहे हैं। हम साफ कर देना चाहते हैं कि गलगोटिया ने यह रोबोटिक डॉग नहीं बनाया है और न ही कभी ऐसा दावा किया है। लेकिन हम ऐसे दिमाग तैयार कर रहे हैं जो जल्द ही भारत में ऐसी ही टेक्नोलॉजी को डिजाइन करेंगे, उनकी इंजीनियरिंग करेंगे और उन्हें यहीं बनाएंगे।

सरकार ने देश की इमेज खराब की: कांग्रेस

इस पूरे मामले पर कांग्रेस ने कहा कि सरकार ने देश की इमेज खराब की है। चीनी मीडिया ने हमारा मजाक उड़ाया है। यह भारत के लिए वाकई शर्मिंदगी की बात है।

समिट में शामिल होने दिल्ली पहुंचे ब्राजीली राष्ट्रपति लूला

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा बुधवार दोपहर नई दिल्ली पहुंचे। वह यहां इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेने आए हैं। वे 18 से 22 फरवरी तक भारत में रहेंगे। यह दौरा पीएम पीएम मोदी के निमंत्रण पर हो रहा है। इस बार राष्ट्रपति लूला 260 कंपनियों के मालिकों और अधिकारियों का दल लेकर आए हैं। उनके साथ करीब 14 मंत्री भी पहुंचे हैं। लूला 19, 20 फरवरी को नई दिल्ली में दूसरे एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेंगे। इससे इतर मर्कसुर-भारत मुक्त व्यापार समझौते पर बात हो सकती है। लूला की 21 फरवरी को मोदी के साथ अहम द्विपक्षीय बैठक होगी।

14 मंत्री भी साथ आए, दोनों देशों के बीच हो सकती है बड़ी डील

2 करोड़ कर्मचारियों को देंगे देगा गूगल

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसकी तस्वीरें शेयर करते हुए पीएम ने कहा कि हमने भारत में एआई के क्षेत्र में हो रहे काम, गूगल कैसे हमारे युवाओं के साथ काम कर सकता है, इस पर विस्तार से चर्चा की। समिट के इतर हुई बैठकों का उद्देश्य एआई में भारत की लीडरशिप को मजबूत करना और द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करना है। मोदी से मुलाकात के बाद पिचाई दिल्ली में मीडिया रिसेप्शन में पहुंचे। यहां उन्होंने कहा, गूगल कर्मयोगी भारत मिशन के तहत 2 करोड़ कर्मचारियों को एआई ट्रेनिंग देगा।

एआई से नौकरियां दोगुनी होंगी: जितिन

केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा, भारत ऐसा एआई बनाना चाहता है, जिससे स्टार्टअप्स को सीधा फायदा मिले। टेक्नोलॉजी आसान, सस्ती होनी चाहिए, ताकि ज्यादा लोग इसका इस्तेमाल कर सकें। मंत्री ने कहा कि यह चिंता स्वाभाविक है, जब भी नई टेक्नोलॉजी आती है, शुरुआत में डर होता है कि नौकरियां कम होंगी, लेकिन इतिहास बताता है कि टेक्नोलॉजी नए अवसर भी बनाती है। उनका दावा था कि एआई से जॉब्स कम नहीं होंगी, बल्कि नए सेक्टर में रोजगार बढ़ेंगे। रेगुलेशन को लेकर उन्होंने साफ कहा कि भारत ओवर-रेगुलेशन नहीं करेगा।

ग्वालियर किसान सम्मेलन में बोले सीएम

किसानों के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी कल्याण के साथ हम प्रदेश को प्रगति पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं। राज्य कृषि उत्पादन में लंबे समय से अग्रणी है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए राच्य सरकार ने पशुपालन और दूध उत्पादन बढ़ाने का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री बुधवार को ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। किसान कल्याम वर्ष का यह पहला सम्मेलन था। सीएम ने कहा, कामधेनु योजना से प्रदेश में दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों की जमीन के पट्टों की रजिस्ट्री का पूरा खर्च सरकार उठाएगी, इसके लिए बजट में पर्याप्ट धनराशि का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों को बैंकों से योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। प्रदेश के किसानों को सोलर पंप वितरित कर उन्हें बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। बुंदेलखंड की केन-बेतवा लिंक परियोजना का लाभ चंबल क्षेत्र के किसानों को भी मिलने वाला है। सिंचाई की सुविधा मिलने से यहां खेतों में फसलें लहलहाएंगी।

बैलगाड़ी दौड़ के प्रतिभागियों का बढ़ाया हौसला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान सम्मेलन स्थल के समीप स्थानीय किसानों द्वारा आयोजित पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ भी देखी। उन्होंने बैलगाड़ी दौड़ में शामिल हुईं 28 बैलगा?यों को प्रोत्साहन स्वरूप 5-5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की। साथ ही बैलगाड़ी दौड़ में प्रथम और द्वितीय पुरस्कार के लिए क्रमशः 21 व 11 हजार रुपए प्रदान करने की घोषणा भी की। इस मौके पर सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर क्षेत्र के लिये हमेशा बड़ी-बड़ी सौगातें लेकर आते हैं। उन्होंने आज भी 87 करोड़ से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगातें दी हैं।

हितलाभ किए वितरित: मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में किसान हितैषी व अन्य योजनाओं के तहत मुख्य मंच से प्रतीक स्वरूप हितलाभ भी वितरित किए। सीएम ने कार्यक्रम स्थल पर लगी कृषि प्रदर्शनी में 16 स्टॉलों का भ्रमण कर विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा प्रदर्शित योजनाओं, नवाचारों एवं तकनीकी जानकारी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार के साथ फूलों की खेती एवं ड्रिप स्प्रिंकलर का लाइव डेमो प्रस्तुत किया गया।

संक्षिप्त खबरें

दिख गया रमजान का चांद, आज पहला रोजा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में रमजान 1447 हिजरी की शुरुआत हो गई है। बुधवार शाम को रमजान का चांद नजर आ गया, जिसकी पुष्टि मार्कजी रूयत-ए-हिलाल कमिटी और लखनऊ के शाही इमाम मौलाना खालिद राशिद फरंगी महली ने की। सदर मजलिस-ए-उलेमा-ए-दक्कन सहित विभिन्न चांद कमिटियों ने भी चंद दिखने की घोषणा की। इससे गुरुवार, 19 फरवरी 2026 को पहला रोजा रखा जाएगा। तरावीह की नमाज भी बुधवार रात से शुरू हो गई है। रमजान इस्लामी चंद्र कैलेंडर के अनुसार शुरू होता है, जो चंद के दिखने पर निर्भर करता है।

भारत समेत दुनियाभर में डाउन हुआ यूट्यूब

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया के सबसे बड़े वीडियो प्लेटफॉर्म यूट्यूब में मंगलवार रात से बड़े पैमाने पर व्यवधान देखने को मिला। भारत में लाखों यूजर्स वेबसाइट और ऐप एक्सेस नहीं कर पा रहे। आउटेज ट्रैकिंग साइट डाउनडिटेक्टर के अनुसार, अमेरिका में शाम 8 बजे (ईएसटी) के आसपास से समस्या शुरू हुई, जहां 3 लाख 20 हजार से ज्यादा रिपोर्ट्स दर्ज हुईं। वहीं, ऐसा ही हाल भारत का रहा है। भारत में सुबह के समय डाउनडिटेक्टर पर 18,000 से ज्यादा यूजर्स ने समस्या दर्ज की। कई भारतीय यूजर्स ने एक्स पर शिकायत की कि वीडियो प्ले नहीं हो रहे या सर्च रिजल्ट्स नहीं दिख रहे।

टी-20 वर्ल्ड कप में आज

वेस्टइंडीज बनाम इटली
समय : सुबह 11.00 बजे से

श्रीलंका बनाम जिम्बाब्वे
समय: दोपहर 3.00 बजे से

अफगानिस्तान बनाम कनाडा
समय: शाम 7.00 बजे से

प्रसारण: जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

10 राज्यों में राज्यसभा की 37 सीटों पर 16 को चुनाव

नई दिल्ली, जेएनएन। चुनाव आयोग ने बुधवार को 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव कराया जाएगा, जो सीटें खाली हो रही हैं उनमें 12 एनडीए के पास हैं, 25 पर विपक्ष का कब्जा है। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6 व प.बंगाल-बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। शरद पवार, रामदास अठावले, कणिमोझी, तिरुचि शिवा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच वोटिंग होगी और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती की जाएगी।

25 सीटें विपक्ष 12 एनडीए की

बैलेट पेपर पर खास पेन से होगी वोटिंग: आयोग ने कहा, वोट डालते समय केवल रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से दिए गए तय मानक का वॉयलेट रंग का स्केच पेन ही इस्तेमाल होगा। किसी अन्य पेन का उपयोग मान्य नहीं होगा। आयोग ने कहा, चुनाव शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से कराने पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएंगे। आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में ईवीएम, वीवीपैट को लेकर जागरूकता अभियान भी शुरू किया है।

अमेरिका के 50 फाइटर जेट मिडिल ईस्ट रवाना

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में पिछले 24 घंटों में 50 से ज्यादा फाइटर जेट भेजे हैं। इंडिपेंडेंट फ्लाइट-ट्रैकिंग डेटा, मिलिट्री एविएशन मॉनिटर्स ने कई एफ-22, एफ-35 और एफ-16 फाइटर जेट को मिडिल ईस्ट की ओर जाते हुए रिकॉर्ड किया है। यह जानकारी अमेरिका और ईरान के बीच मंगलवार को जिनेवा में हुई दूसरी दौर की बातचीत के दौरान सामने आई है। दोनों देशों के बीच परमाणु समझौते से जुड़े मुद्दों को लेकर मतभेद बने हुए हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा, ट्रंप की तय की गई शर्तों को ईरान मानने को तैयार नहीं है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में वेंस ने कहा कि बातचीत के कुछ हिस्से सकारात्मक रहे, लेकिन कई अहम मुद्दों पर अब भी सहमति नहीं बनी है।

कटनी: स्कूल की दीवार गिरने से 5वीं के छात्र की मौत

छोटी बहन हटाती रही मलबा, शिक्षक बेखबर

जागरण, कटनी। स्कूल की जर्जर दीवार की प्रशासन और स्कूल प्रबंधन द्वारा की गई अनदेखी एक बच्चे की जान ले गई। जब शौचालय की इस जर्जर दीवार के गिरने से उसमें 11 साल का मासूम दब गया। मलबे में दबने से 5वीं के छात्र की मौत हो गई। शिक्षकों की लापरवाही का आलम यह कि न तो उन्हें दीवार गिरने की आवाज आई और न ही बच्चे को बचाने का ही उन्होंने कोई प्रयास किया। बच्चे की छोटी बहन ही वहां आवाज सुनकर पहुंची और नन्हे हाथों से मलबा हटाने में जुटी रही। घटना जिले की विजयराघवगढ़ के कैमोर थाना क्षेत्र के बमहनगवां शासकीय स्कूल में बुधवार को हुई। 5वीं का छात्र राजकुमार बर्मन शौचालय गया तो अचानक जर्जर दीवार गिर गई। आवाज सुन उसकी 9 वर्षीय बहन पहुंची और मलबे में दबे भाई को निकालने का प्रयास किया। जब सफल नहीं हो सकी, तो शिक्षकों व परिजनों को बताया।

शिक्षकों की लापरवाही

बच्चे के परिजनों और ग्रामीणों ने स्कूल के शिक्षकों पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। परिजनों और ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल के शौचालय की दीवार लंबे समय से जर्जर है। इसके गिरने और बच्चों के साथ हादसे की आशंका जताते हुए कई बार शिकायत की गई। मगर स्कूल के शिक्षकों के इसे अनसुना कर दिया। इसी का खामियाजा आज परिवार को भुगतना पड़ रहा है। जिला शिक्षा विभाग ने इन आरोपों मामले की जांच करने के लिए टीम का गठन कर दिया है। डीईओ का कहना है कि जिसने भी लापरवाही की होगी, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है।

सर्वे आधुनिक निवेश विकल्पों के बावजूद 62 फीसदी युवा मानते हैं सोने को सबसे भरोसेमंद

पेशेवर युवा भारतीयों के निवेश में पहली पसंद बना सोना

नई दिल्ली, जेएनएन। आधुनिक वित्तीय उत्पादों की पहुंच तेजी से बढ़ने और डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म के विस्तार के बावजूद सोना आज भी युवा भारतीयों के बीच सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प बना हुआ है। एक हालिया सर्वे के मुताबिक, 62 फीसदी युवाओं ने सोने को अपनी पहली निवेश पसंद बताया। यह निष्कर्ष दर्शाता है कि बदलते आर्थिक परिवेश और नए निवेश साधनों के बावजूद पारंपरिक संपत्ति के रूप में सोने की विश्वसनीयता बरकरार है। स्मिटन पल्स एआई सर्वे के अनुसार, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और क्रिप्टो करेंसी जैसे विकल्पों की लोकप्रियता बढ़ने के बावजूद जेन जेड और मिलेनियल्स अपने पैसे को सुरक्षित रखने के लिए सोने पर अधिक भरोसा जता रहे हैं। युवा निवेशकों के बीच यह धारणा मजबूत है कि बाजार की अस्थिरता और आर्थिक अनिश्चितता के दौर में सोना अपेक्षाकृत सुरक्षित और स्थिर रिटर्न देने वाला साधन है।

व्यक्तिगत निर्णय और बदलता खरीद पैटर्न: सर्वे में यह भी सामने आया कि सोना खरीदने की सोच और तरीका दोनों बदल रहे हैं। करीब 66.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि अब सोना खरीदना मुख्य रूप से व्यक्तिगत निर्णय बन चुका है, न कि सिर्फ पारिवारिक परंपरा का हिस्सा। पहले जहां सोना खरीदने के फैसले अक्सर परिवार के बुजुर्गों या सामाजिक परंपराओं से प्रभावित होते थे, वहीं अब युवा अपनी आर्थिक स्थिति और निवेश रणनीति के आधार पर निर्णय ले रहे हैं। खरीद के पैटर्न में भी स्पष्ट बदलाव देखने को मिला है। 62 प्रतिशत प्रतिभागियों ने बताया कि उनकी हालिया सोने की खरीद 5 ग्राम से कम थी। इनमें से 27.5 प्रतिशत ने 2 ग्राम से कम सोना खरीदा, जबकि 34.4 प्रतिशत ने 2 से 5 ग्राम के बीच निवेश किया। कुल मिलाकर 61.9 प्रतिशत हालिया खरीद 5 ग्राम से कम रही, जो यह संकेत देती है कि अब बड़े और एकमुश्त निवेश की बजाय छोटे और नियमित निवेश को प्राथमिकता दी जा रही है।

अन्य विकल्पों की ओर कम झुकाव

स्मिटन पल्स एआई द्वारा किए गए इस सर्वे में 18 से 39 वर्ष आयु वर्ग के 5,000 उपभोक्ताओं को शामिल किया गया। जब प्रतिभागियों से पूछा गया कि यदि उनके पास आज 25,000 रुपये निवेश के लिए हों तो वे किस विकल्प को चुनेंगे, तो 61.9 फीसदी ने सोने को प्राथमिकता दी। अन्य निवेश विकल्पों की तुलना में यह आंकड़ा काफी अधिक है। सर्वे में 16.6 प्रतिशत प्रतिभागियों ने म्यूचुअल फंड को चुना, जबकि 13 प्रतिशत ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को प्राथमिकता दी। शेयर बाजार में निवेश करने वालों का प्रतिशत 6.6 रहा और केवल 1.9 प्रतिशत लोगों ने क्रिप्टोकरेंसी को चुना। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि जोखिम वाले निवेश साधनों की तुलना में युवा अब भी पारंपरिक और स्थिर माने जाने वाले विकल्पों को अधिक महत्व दे रहे हैं। विशेष रूप से आर्थिक अस्थिरता या बाजार में उतार-चढ़ाव के समय सोने की ओर झुकाव और अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। लगभग 65.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि बैंक बचत, म्यूचुअल फंड या इक्विटी की तुलना में सोना उन्हें सबसे सुरक्षित विकल्प लगता है।

पारंपरिक शादी-ब्याह से आगे-निवेश के नए कारण

पारंपरिक रूप से भारत में सोना शादियों, त्योहारों और पारिवारिक आयोजनों से जुड़ा रहा है। सर्वे के अनुसार अब इसकी खरीद के पीछे व्यक्तिगत और वित्तीय कारण भी प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। करीब 24 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्होंने पहली बार सोना तब खरीदा जब उन्हें अपनी पहली सैलरी मिली या उन्होंने स्वयं आय अर्जित करनी शुरू की। वहीं 23.9 प्रतिशत लोगों ने कहा, उन्होंने निवेश के उद्देश्य से अपनी पहली सोने की खरीद की। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि युवा पीढ़ी सोने को केवल आभूषण या परंपरा का प्रतीक नहीं, बल्कि एक व्यवस्थित वित्तीय योजना का हिस्सा मान रही है।

बांग्लादेश सरकार की पहली कैबिनेट बैठक

रहमान का सख्त संदेश- मॉब कल्चर बर्दाश्त नहीं

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश में नई सरकार का गठन हो गया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की अध्यक्षता में बुधवार को नई कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में प्रधानमंत्री रहमान के नेतृत्व वाली नई कैबिनेट के सदस्य और सलाहकार शामिल हुए। बैठक में सरकार ने शुरुआती तौर पर 3 प्रमुख प्राथमिकताएं तय कीं और उन्हें लागू करने का निर्णय लिया। इन प्राथमिकताओं में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण, कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार और बिजली व ऊर्जा की सामान्य आपूर्ति सुनिश्चित करना शामिल है। बैठक समाप्त होने के बाद नए गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद और सूचना एवं प्रसारण मंत्री जहुरुद्दीन स्वपन ने कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। गृह मंत्री ने अहमद ने कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए सबसे पहले कानून-व्यवस्था की स्थिति संतोषजनक बनाए रखना तथा बिजली और ऊर्जा क्षेत्र में किसी तरह की समस्या न होने देना सरकार की प्राथमिकता है।

कैबिनेट का फैसला: बढ़ेंगे शराब ठेके के दाम, ई-टेंडर से आवंटन

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा में बुधवार को बजट से पहले डॉ. मोहन यादव कैबिनेट ने राज्य की नई आबकारी नीति पर मुहर लगा दी। इसमें शराब की पुरानी दुकानों को जहां रिन्युअल नहीं किया जाएगा, तो एफडी और सामान्य बैंक गांरटी मान्य नहीं होगी। नीति में इस बार शराब के ठेके 20 प्रतिशत बढ़े हुए दाम पर दिए जाएंगे। कैबिनेट में आबकारी विभाग के प्रस्ताव पर सहमति जताई गई,जिसमें तय किया गया कि वर्ष 2026-27 के लिए सभी शराब दुकानों की आवंटन ई-टेंडर के जरिए किया जाएगा। लेकिन इसमें पुरानी दुकानों का रिन्युअल नहीं हो सकेगा। हालांकि नीति में शराब की ड्यूटी दरें,शराब बनाने वाली इकाईयों और बार लाइसेंस की फीस में किसी भी तरह की वृद्धि नहीं की गई है। नीति में इस इस बात का विशेष ध्यान दिया गया है कि गारंटी राशि में किसी भी तरह की जालसाजी नहीं हो,इसके लिए अब आवेदक से गारंटी राशि सिर्फ ई-चालान या ई-बैंक के जरिए ही मान्य की जाएगी। नई नीति में प्रदेश के आदिवासियों के स्वसहायता समूहों के द्वारा महुआ से निर्मित शराब को अन्य राज्यों ने ड्यूटी मुक्त कराने के लिए उनके राज्यों को

हेरिटेज अथवा विशेष मदिरा को प्रदेश में ड्यूटी मुक्त करने का प्रावधान भी किया गया है। इस नीति में सरकार देश के बाहर विदेश में भी शराब निर्यात को बढ़ावा देने के लिए शुल्क में संशोधन,लेबल पंजीयन में स रलीकरण का प्रावधान भी किया गया है। नीति में 18 हजार करोड़ के राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य भी तय किया गया है। इस वर्ष भी शराब की दुकानों के साथ अहाते नहीं खोलें जाएंगे। इसी तरह नर्मदा नदी के तट से 5 किलोमीटर की दूरी प्रतिबंध व धार्मिक नगरों में शराब दुकानों का प्रतिबंध यथाबत रहेगा। अगले वित्तीय वर्ष में विभाग ने तय किया है कि उसे 17,900 करोड़ का राजस्व मिले। शराब कंपनियों को भी अपने उत्पादों की कीमत का अनुमोदन करना जरुरी नहीं रहेगा। पोर्टल पर निर्धारित व्यवस्था अनुसार अपने उत्पाद की कीमत घोषित कर सकेंगे।

बजट का किया अनुमोदन

इससे पहले कैबिनेट ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट को अनुमोदन कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि बुधवार को बजट होने की वजह से मंत्रिपरिषद की बैठक विधानसभा परिसर में ही आहुत की गई थी।

दीनदयाल रसोई से खाद्य विभाग ने लिए नमूने

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर के विभिन्न होटलों और प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा प्रशासन का अमले ने करोंद स्थित दीनदयाल रसोई और भौंरी स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईसर) की मैस 5 पर कार्रवाई करते हुए खाद्य पदार्थों के नमूने इकट्ठा किए हैं। बता दें कि अमला सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों के आधार पर औचक निरीक्षण के आधार पर कॉलेज और दीनदयाल रसोई सहित अन्य प्रतिष्ठानों पर भी कार्रवाई कर खाद्य पदार्थों के नमूने इकट्ठा करता है, ताकि आम लोगों तक साफ व स्वच्छ खाद्य पदार्थ पहुंच सकें। कार्रवाई के दौरान अमले ने करोंद चौराहा स्थित दीनदयाल रसोई से आलू मटर की सब्जी, गेंहू आटे की रोटी और पके हुए चावल के नमूने इकट्ठा किए। साथ ही डीके राजोरिया रेस्टोरेंट जेके रोड से भी तुअर दाल, मूंगदाल, चना दाल और सोयाबीन तेल के नमूने इकट्ठा किए हैं। अमले ने शिकायत के आधार पर भौंरी स्थित आईसर कैम्पस की मैस की संचालनकर्ता फर्म आईएस औबेरोय से बेसन, मसूर दाल, चना दाल, तुअर दाल के नमूने इकट्ठा किए।

42 करोड़ की रोड बनी पार्किंग, गैरेज संचालकों ने किया कब्जा, लग रहा जाम

सड़क किनारे ओपन टी कैफे ने भी बढ़ाई परेशानी, बीच सड़क दो पहिया खड़े कर चाय की चुस्की लेते हैं लोग

जागरण संवाददाता, भोपाल। रॉयल मार्केट जीपीओ से भारत टाकीज तक 4 किमी लंबी सड़क को भले ही लोक निर्माण विभाग ने 42 करोड़ खर्च कर सीसी रोड में बदल दिया हो, लेकिन जीपीओ के पास स्थित गैरेज संचालकों और एक टी कैफे के कारण यहां दिन भर जाम लगा रहता है। नतीजतन 42 करोड़ की फोरलेन सड़क सिमट कर सिंगल लेन रह जाती है और दिन भर वाहन चालकों को यहां लंबे समय तक ज म में फंसना पड़ता है। बता दें कि ट्रैफिक पुलिस द्वारा यहां पर यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए और दुर्घटनाओं का कम करने के लिए बेरिकेडिंग करवाई गई है और सिग्नल भी शुरू करवा दिए गए हैं, लेकिन भारी अतिक्रमण के चलते व्यवस्थाएं फेल हो रही हैं। नतीजतन आम लोगों को परेशानी हो रही है। जीपीओ से नीचे उतरते ही बाएं हाथ की ओर मौजूद गैरेज मालिक ताजुल मसाजिद तक की सड़क को घेर कर बैठे हैं। सामने मौजूद एक टी कैफे द्वारा भी सड़क को नियम विरुद्ध तरीके से घेर लिया गया है। बता दें कि इस सड़क का निर्माण जुलाई 2024 में शुरू हुआ था और अप्रैल 2025 तक निर्माण कार्य किया गया। इस दौरान सड़क डामर सड़क को उखाड़कर सीसी रोड में बदला गया। सड़क का चौड़ीकरण भी किया गया और अतिक्रमण हटाए गए। पीडब्ल्यूडी ने जलभराव रोकने के लिए नया ड्रेनेज सिस्टम भी बनाया है, लेकिन अतिक्रमण ने सारी व्यवस्था फेल कर दी है।

अस्पताल संचालक भी नहीं करते हैं नियमों का पालन

रोड पर स्थित अस्पताल संचालक भी ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करते हैं और सड़क किनारे अस्पताल संचालन करने के बाद भी मरीज के परिजनों के लिए पार्किंग का इंतजाम नहीं किया गया है। सभी संचालकों ने बेसमेंट के अंदर वार्ड और मर्चुरी बनाई है, जबकि नियमों के तहत यहां पर दो पहिया व चार पहिया वाहनों की पार्किंग होना चाहिए। एंबुलेंस और संचालक के वाहन भी पार्किंग की जगह सड़क पर ही खड़े हो रहे हैं। इस संबंध में रहवासियों द्वारा शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होती है।

मॉडल ग्राउंड और हमीदिया रोड पर भी यही स्थिति

इसी तरह की स्थिति मॉडल ग्राउंड और हमीदिया रोड पर भी निर्मित हो रही है। मॉडल ग्राउंड पर भी मरघटिया महावीर मंदिर और इसके आसपास स्थित गैरेज संचालक अपने कमर्शियल वाहन सड़क पर खड़े कर रहे हैं। इस कारण यहां भी जाम लगता है। आगे मॉडल ग्राउंड पर स्थिति बेहतर है, लेकिन हमीदिया रोड पर भी मौजूद दुकानों के संचालक अपने चार पहिया वाहन दुकान के सामने खड़े करते हैं। ग्राहक भी दुकान के सामने ही वाहन खड़े कर खरीदारी करने जाते हैं। सड़क पर रोड डिवाइडर न होने से ई रिक्शा चालक कहीं से भी मुड़ जाते हैं। नतीजतन दुर्घटनाएं होती हैं। नादरा बस स्टैंड, अल्पना तिराहे के रेड सिग्नल भी हटा दिए गए हैं। जिससे तेज रफ्तार वाहनों पर लगाम नहीं लग पा रही है।

रात के समय रोजाना होती है दुर्घटनाएं : गैरेज संचालकों द्वारा सड़क पर वाहन खड़े करने के कारण रात 10 बजे के बाद अक्सर दो पहिया वाहन चालक रोड पर खड़ी कारों और जीप के साथ भिड़ जाते हैं। दुकानों के बंद होते ही अंधेरे में वाहन दिखते नहीं है और इस सड़क पर स्ट्रीट लाइट भी नहीं जलती। नतीजतन सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। इस तरह ट्रैफिक पुलिस के प्रयासों के बाद भी इस मार्ग पर व्यवस्था में सुधार होता हुआ नहीं दिख रहा है।

> यहां सड़क पर खड़ी मैकेनिकों की गाड़ियों को हटवाया जाएगा। अस्पताल में आने वाले वाहनों के संबंध में उनके प्रबंधन से बात कर पार्किंग की समस्या का निदान किया जाएगा। सड़क पर अतिक्रमण और जाम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
>
> **बसंत कौल,** एडिशनल डीसीपी (ट्रैफिक)

मिलेगा स्वगणना का विकल्प: कलेक्टर

जागरण संवाददाता, भोपाल। देश में पहली बार जनगणना पूरी तरह से डिजिटल होने जा रही है। वहीं हर नागरिक के पास स्वयं की गणना यानि स्वगणना (सेल्फ एन्युमरेशन) का विकल्प रहेगा। इसके लिए जनगणना कार्य निदेशालय द्वारा स्व-गणना पोर्टल और एचएलओ एप बनाया गया है। बता दें कि देशभर में मई 2026 से जनगणना 2027 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पहले चरण में मकानों की गणना की जाएगी, जबकि दूसरे चरण में नागरिकों की गणना होगी। पहला चरण इसी साल 1 मई 2026 से 30 मई 2026 के बीच आयोजित होगा, जबकि दूसरे चरण की शुरुआत अगले वर्ष फरवरी में होगी। इसी दौरान देश के हर नागरिक की गणना की जाएगी। खास बात यह है कि केंद्र सरकार द्वारा इस बार हर नागरिक को स्वयं की गणना करने का अधिकार दिया जा रहा है, जिसके तहत पोर्टल और एप विकसित किया गया है। अधिकारियों का तर्क है कि जनगणना को डिजीटाइज करने से व नागरिकों को स्वगणना का अधिकार देने से जनगणना का शुद्ध और पारदर्शी डाटा मिलेगा। जनगणना का काम पूरा हो जाने के बाद गांव, शहर और वार्ड स्तर पर जनगणना के विश्वसनीय और विशुद्ध आंकड़ें मिलेंगे। इससे आम लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ बेहतर तरीके से दिया जा सकेगा।

मकान को सूचीबद्ध करते समय 33 बिंदुओं में दर्ज होगी जानकारी : पहले चरण में आयोजित हो रही जनगणना के तहत किसी भी मकान को सूचीबद्ध करते समय 33 बिंदुओं में जानकारी दर्ज की जाएगी। मकानों को लिस्टेड करते समय एचएलबीसी वेब पोर्टल, निगरानी सीएमएमएस वेब पोर्टल के जरिए की जाएगी।

इस तरह होगी गिनती

इस संबंध में पहली बार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान जनगणना कार्य निदेशालय द्वारा पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण के जिला स्तरीय जनगणना का प्रशिक्षण के दौरान होने वाली आवश्यक कार्यवाही का प्रशिक्षण अधिकारियों को दिया गया। साथ ही महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि जिला स्तर पर मानव संसाधन, मकान सूचीकरण ब्लॉक (एचएलबी) व दलों का गठन कर उनका प्रशिक्षण समय-सीमा में करा लिया जाए, ताकि जनगणना का काम समय पर हो सके। इस अवसर पर जनगणना कार्य निदेशालय, सांख्यिकी अन्वेषक और भोपाल जिला प्रभारी सुनीता पुष्कर, जिला नोडल अफसर सुरेंद्र रघुवंशी अन्य अधिकारियों ने अधिकारियों को प्रशिक्षण व जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर विक्रम सिंह ने की।

> जनगणना कार्य को पूर्ण गुणवत्ता, पारदर्शिता व जिम्मेदारी के साथ समय-सीमा में किया जाना है। इसके लिए निर्देश जारी किए गए हैं।
>
> **कौशलेंद्र विक्रम सिंह,** कलेक्टर भोपाल

मैनुअल डिग्री बंद, सेना ने डिजिलॉकर किया अमान्य

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। केंद्र सरकार ने हरेक विद्यार्थियों की डाटा सुरक्षित रखने के लिए डिजि लॉकर की व्यवस्था की है, जो अब परेशानी का कारण बनना शुरु हो गया है। क्योंकि भारतीय सेना ने डिजि लॉकर की डिग्री को अमान्यता कर दिया है। वहीं डिजि लॉकर के चलते आरजीपीवी ने मैनुयली डिग्री देना बंद कर दिया है। इससे विद्यार्थी परेशान होना शुरु हो गए हैं। सवाल नौकरी का होने के कारण विद्यार्थी उपद्रव करने तक को तैयार हैं। आरजीपीवी ने गत वर्ष से मैनुयली डिग्री देना बंद कर दिया है। अब विद्यार्थी को अपनी डिग्री सिर्फ डिजि लॉकर में ही मिलेगी। देश में कई ऐसे संस्थान हैं, जो डिजि लॉकर को मान्यता नहीं दे रहे हैं। भारतीय सेना में भर्ती का दौर चल रहा है। चयनित हुए विद्यार्थियों ने भारतीय सेना ने मैनुयली डिग्री दिखाने के लिए कहा है। मैनुयली डिग्री नहीं देने की एवज में उन्हें नियुक्ति आदेश नहीं दिया जा सकता है। मैनुयली डिग्री लेने के लिए आधा दर्जन विद्यार्थी बुधवार को आरजीपीवी पहुंचे। एक विद्यार्थी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि उसका चयन दो बार भारतीय सेना में हो चुका है, लेकिन डिजि लॉकर में रखी डिग्री को भारतीय सेना मानने को तैयार नहीं हैं। इसलिए उसे मैनुयली डिग्री की जरुरत है। उसे अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि आरजीपीवी ने मैनुयली डिग्री देने गत वर्ष से बंद कर दिया है। डिजि लॉकर में डिग्री दी जाएगी। तब विद्यार्थियों ने भारतीय सेना का वह फरमान अधिकारी और कर्मचारियों को पढ़ा दिया, जिसमें स्पष्ट पर लिखा गया है कि डिजि लॉकर के सर्टिफिकेट मान्य नहीं होंगे। सिर्फ मैनुयली डिग्री मान्य होगी। उक्त फरमान को पढ़ाने के बाद विद्यार्थियों ने अधिकारियों ने मैनुयली डिग्री नहीं देने के संबंध में आदेश मांगा, तो सभी अधिकारी और कर्मचारी एक दूसरे का मुंह देखने लगे। क्योंकि ऐसा कोई आदेश ही जारी नहीं किया गया, जिसमें यह कहा गया है कि मैनुयली डिग्री नहीं दी जाएगी। इस संबंध में गत वर्ष तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ मोहन सेन सिर्फ नोटशीट में डिग्री लॉकर को स्पष्ट करते हुए मैनुयली डिग्री देने पर से रोका है। इस संबंध में कोई आदेश जारी नहीं किया गया। इसके चलते आज भी आरजीपीवी ने मैनुयली डिग्री जारी नहीं की जा रही है। विद्यार्थी डिजि लॉकर से ही अपनी डिग्री को सत्यापित करा रहे हैं। डिजि लॉकर में रखे आरजीपीवी के दस्तावेजों को कई शैक्षणिक संस्थान मानने को तैयार नहीं हैं।

> विद्यार्थी नौकरी मिलने पर यह दस्तावेज प्रस्तुत करता है, जिसमें यह स्पष्ट तौर पर लिखा है कि डिजि लॉकर की डिग्री मान्य नहीं होगी। उसे मैनुयली डिग्री दी जाएगी।
>
> **प्रो एससी चौबे कुलगुरु,** आरजीपीवी

तीन साल की लापता मासूम बच्ची बरामद

जागरण,भोपाल। पिपलानी पुलिस ने घर से लापता तीन साल की बच्ची को सुरक्षित बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है। बच्ची की पहचान शिवांगी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मंगलवार शाम करीब 6 बजे राहगीरों को एक मासूम बच्ची अकेली घूमती मिली, जो केवल अपना नाम और घर का पता नहीं पा रही थी। आसपास तलाश करने के बावजूद जब परिजनों का पता नहीं चला,तो बच्ची को पुलिस चौकी आनंद नगर लाया गया। जहां महिला आरक्षक रेखा अहिरवार को बच्ची की देखरेख सौंपी गई। बातचीत के दौरान बच्ची ने अपनी मां का नाम काजल गिरी तुतलाकर बताया। पुलिस ने 112 मोबाइल की मदद से बिजली कॉलोनी, नया शिव नगर और पुराना शिव नगर क्षेत्रों में अनाउंसमेंट कराया।

न भवन न लैब, फिर भी हमीदिया कॉलेज ऑटोनोमस करने की तैयारी

शासन बजट देने को तैयार लेकिन कार्य करने वाला कोई नहीं

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। हमीदिया प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस को उच्च शिक्षा विभाग ने आटोनोमश कालेज बनाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में विभागीय कार्रवाई भी शुरु हो गई है। आगामी सत्र से विद्यार्थी आटोनोमश कालेज के रूप में हमीदिया कालेज में प्रवेश लेकर पढ पाएंगे। चौकाने वाली यह है कि पीएमसीओई होने के बाद कालेज में संशाधनों का अभाव बना हुआ है। कालेज साइंस फैकल्टी की लैब तक नहीं है। भवन का अभाव होने के कारण विद्यार्थियों को दो शिफ्ट में कक्षाओं में बैठ रहे हैं। हमीदिया कालेज में करीब पांच हजार विद्यार्थी यूजी और पीजी में प्रवेशरत हैं। विद्यार्थियों की संख्या के हिसाब से कालेज में भवन मौजूद नहीं हैं। इसलिए प्राचार्य डॉ. अनिल शिवानी को कालेज को दो शिफ्ट में संचालित करना पड़ रहा है। यह अव्यवस्था इसलिए हो रही है क्योंकि गत वर्ष बरसात में कालेज का ए ब्लाक का कुछ हिस्सा ध्वस्त हो गया है। इसके कारण प्रशासनिक भवन को रूसा भवन में स्थानांतरित करना पड़ा है। कालेज को पीएमसीओई घोषित किया गया है। जहां साइंस फैकल्टी को कालेज में शुरु किया गया है। यहां अध्ययन कराने के लिए विभाग को सात प्रोफेसरों को डिप्लायमेंट में भेजना पड़ा है। विद्यार्थियों के प्रैक्टिकल कराने के लिए लैब तक मौजूद नहीं हैं। इसलिए कालेज को आदर्श साइंस कालेज की लैब में भेजकर विद्यार्थियों के प्रैक्टिकल कराना पड़ रहे हैं।

59 नियमित प्रोफेसर कार्यरत

विद्यार्थियों के हिसाब से फैकल्टी का भी टोटा बना हुआ है। वर्तमान में कालेज में 59 नियमित प्रोफेसर कार्यरत हैं। इसके अलावा सात प्रोफेसर डिप्लायमेंट पर आए हैं। इसके अलावा नौ शिक्षकों को जनभागीदारी से रखा गया है। अभी भी विद्यार्थियों के अनुपात से प्रोफेसरों की काफी कमी है। ऐसे में कालेज को आटोनोमश बनाने से काफी व्यवस्थाएं चौपट भी हो सकती हैं।

आटोनोमश सेल के लिए नहीं स्थान

आटोनामश होने पर हमीदिया कालेज में एक आटोनोमश सेल बनाना होगी। वर्तमान में कालेज में कोई भी ऐसा नहीं भवन रिक्त नहीं हैं, जिसमें आटोनोमश सेल बनाई जा सके। क्योंकि आटोनोमश सेल में परीक्षा और रिजल्ट से संबंधित गोपनीय कार्य होते हैं। जिससे अन्य भवनों से दूर और सुरक्षा में रखा जाता है। आटोनोमश होने हमीदिया कालेज स्वयं ही परीक्षा कराकर रिजल्ट जारी करेगा। यहां तक सिलेबस तक स्वयं ही तैयार करेगा।

स्टाफ काउंसिल की बैठक में होगा निर्णय

प्राचार्य डॉ अनिल शिवानी का कहना है विभाग से सूचना प्राप्त हो चुकी है। इसलिए स्टाफ काउंसिल की बैठक 24 फरवरी को रखी गई है। इसमें सभी की सहमति लेकर विभाग को अगवत कराया जाएगा।

अभी तक चार कालेज हैं आटोनोमश

वर्तमान में चार कालेज आटोनोमश के तौर पर संचालित हो रहे हैं। इसमें नूतन कालेज, गीतांजलि कालेज, एमएलबी कालेज और एक्सीलेंस कालेज शामिल हैं।

मध्यप्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
(अधीक्षण शाखा)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल (म0प्र0)-462004

क्रमांक एफ 2/2/14/0007/2025/12-1/491 भोपाल दिनांक 18/02/2026

तृतीय निविदा

म0प्र0 मंत्रालय वल्लभ भवन क्रमांक-1 में मान 0 मंत्रीगणों/अधिकारी कक्षों की नेमप्लेट लिखे जाने संबंधी कार्य हेतु बंद लिफाफा पद्धति में निविदा निर्धारित प्रपत्र में निविदा शर्तो की पूर्ति करते हुए आमंत्रित की जाती है। संलग्न निर्धारित प्रपत्र में निविदा शर्तो की पूर्ति करते हुये निविदा प्रपत्र एक एवं दो पृथक- पृथक लिफाफे में आमंत्रित की जायेगी, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

1	निविदा प्रारंभ करने की तिथि व समय	दिनांक 19.02.2026 दोपहर 12:00 बजे से
2	निविदा फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 11.03.2026 दोपहर 12:00 बजे तक
3	निर्धारित अवधि में प्राप्त निविदाओं को खोलने की तिथि व समय	1. टेक्निकल बिड- दिनांक 13.03.2026 को दोपहर 12:00 बजे 2. फायनेंशियल बिड - दिनांक 13.03.2026 को दोपहर 12:30 बजे
4	प्राप्त निविदाओं को खोलने का स्थान	मंत्रालय, वल्लभ भवन क्रमांक-01 स्थित कक्ष क्रमांक-116 (समिति कक्ष)
5.	निविदाओं को खोलते समय निविदाकारों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।	मंत्रालय, वल्लभ भवन क्रमांक-01 स्थित कक्ष क्रमांक-116 (समिति कक्ष)

(मनोज श्रीवास्तव)
अवर सचिव (अधीक्षण)
म0प्र0 शासन
सामान्य प्रशासन विभाग

जी-26005/25

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
यांत्रिक विभाग जोन क्र. 09 महावीर चांदबड़

निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क्र. 51/यां.वि/जोन 09/2026 भोपाल, दिनांक 18/02/2026

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार पर्सेंटेंज मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर.	कार्य की अवधि
01	2026_UAD_478527_2	Construction and Development Work Near Bargad Wali Maiya Mandir Krishna Nagar Ward 37 Zone 09	8,81,484/-	8815/-	2000/-	MPUADD Building WORKS, 2021	60
02	2026_UAD_478533_2	construction of C C Road at Laxmipuri, Hinotiya and Indraprasth colony Ward 38 Zone 09	9,59,976/-	9600/-	2000/-	MPUADD Roads and Bridges, 2025	60

1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
2- किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा।

सहायक यंत्री (सिविल)
जोन क्र. 9
नगर निगम, भोपाल

नि. क्र. 3169/025/026

कार्यालय वनमंडलाधिकारी सामान्य वनमंडल हरदा
07577-222003, 07577 - 224224, Email : dfotharda@mp.gov.in

:: विज्ञप्ति ::

हरदा सामान्य वन मंडल के अंतिम रूप से राजसात वाहन (जहाँ है जैसा है) के विक्रय हेतु मुहरबंद निविदायें वन मंडल कार्यालय सामान्य हरदा में दिनांक 24.02.2026 को 3.00 बजे तक आमंत्रित की गई है, जो कि उक्त दिनांक 24.02.2026 को दिन के 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा प्राप्त निविदायें उपस्थित निविदाकारों के समक्ष दिनांक 24.02.2026 को ही 4.00 बजे खोली जावेगी। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त निविदा मान्य नही होगी ।
जप्त राजसात वाहन का विवरण जिनका निविदा द्वारा विक्रय किया जाना हैं:-

अ. क्र.	वाहन का क्रमांक	वाहन का नाम	वाहन का प्रकार	स्थान जहाँ वाहन रखा है।
1	2	3	4	5
1	MP43G2394	बोलेरो पिकअप वेन	---''---	वन चौकी लाल्याचापड सिराली
2	MP48ZA5395	मो.सा.टी.व्ही.एस.स्टार सी.टी.प्लस	---''---	परिक्षेत्र कार्यालय बोरपानी स्थान रहटगाँव
3	MP47ZA2039	मो.सा. प्लेटिना 100 ई.एस.	---''---	---''---
4	MP47MK6195	मो.सा.सी.टी. 100 ई. एस.	---''---	---''---

निविदाकार के लिये निम्नानुसार शर्तें बंधनकारी होगी :-
01. निविदा फार्म अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकेगें । प्रति निविदा फार्म की कीमत रूपयें 100/- नगद जमा करानी होगी जो वापसी योग्य नही होगी । निविदा फार्म दिनांक 24.02.2026 को दोपहर 02:00 बजे तक ही प्रदाय किये जावेगें ।
02. निविदाकार को प्रत्येक वाहन के लिये पृथक-पृथक निविदा के साथ दोपहिया वाहन की जमानत के रूप में राशि रुपये 2000/- एवं चार पहिया वाहन की जमानत के रूप मे राशि रुपये 5000/- का बैंक ड्राफ्ट राष्ट्रीयकृत बैंक का अधोस्ताक्षरकर्ता के पदनाम (वन मंडल अधिकारी सामान्य हरदा) से जो हरदा में देय हो प्रस्तुत करना होगा ।
03. वाहनों के रजिस्ट्रेशन संबंधी कोई कागजात उपलब्ध नही हैं, और न ही उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी विभाग की होगी ।
04. वाहन पर किसी संस्थान/बैंक/निजी व्यक्ति फायनेंस बावत् कोई जिम्मेदारी विभाग की नही होगी।
05. सफल निविदाकार को वाहन क्रय की स्वीकृति प्रदान करने के 15 दिनों के अन्दर वाहन की शेष राशि एवं क्रय वाहन की कीमत पर शासन निर्देशानुसार 18 प्रतिशत जी.एस.टी. राशि का बैंक ड्राफ्ट पृथक से जमा करना अनिवार्य होगा अन्यथा जमानत की राशि राजसात करते हुए वाहन क्रय की स्वीकृति निरस्त कर दी जावेगी।
06. निविदा में उल्लेखित जप्तशुदा राजसात वाहन वर्तमान में जहाँ जैसा है, निविदा स्वीकृत होने की स्थिति में उसी हालत में प्राप्त करना होगा।
07. परिवहन विभाग में वाहन को पंजीकृत कराने का दायित्व क्रेता का होगा ।
08. निविदा की विस्तृत शर्ते दिनांक 24.02.2026 तक कार्यालयीन समय में वनमंडल कार्यालय में देखी जा सकेगी।
09. निविदाकार उक्त वाहनों का अवलोकन/भौतिक सत्यापन कार्यालयीन समय में दर्शायें गये स्थानों पर कर सकेंगे तथा भौतिक सत्यापन पश्चात निविदा फार्म का क्रय एवं निविदा फार्म डालेंगे। निविदा दिनांक को वर्णित वाहनों के संबंध में कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी
10. निविदा मान्य अथवा अमान्य करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को होगा।
11. विवाद की स्थिति में हरदा ज्युडिशियल क्षेत्र होगा।

(ज्योति मुडिया)
प्रभारी वन मंडलाधिकारी
हरदा (सामान्य) वन मंडल

जी-26007/25

कार्यालय वनमंडलाधिकारी सामान्य वनमंडल हरदा
07577-222003, 07577 - 224224, Email : dfotharda@mp.gov.in

:: विज्ञप्ति ::

हरदा सामान्य वन मंडल के अंतिम रूप से राजसात वाहन (जहाँ है जैसा है) के विक्रय हेतु मुहरबंद निविदायें वन मंडल कार्यालय सामान्य हरदा में दिनांक 24.02.2026 को 3.00 बजे तक आमंत्रित की गई है, जो कि उक्त दिनांक 24.02.2026 को दिन के 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा प्राप्त निविदायें उपस्थित निविदाकारों के समक्ष दिनांक 24.02.2026 को ही 4.00 बजे खोली जावेगी। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त निविदा मान्य नही होगी ।
जप्त राजसात वाहन का विवरण जिनका निविदा द्वारा विक्रय किया जाना हैं :-

अ. क्र.	वाहन का क्रमांक	वाहन का नाम	अवरोध दर (अपसेट प्राइस)	स्थान जहाँ वाहन रखा है।
1	2	3	4	5
1	RJ192G2705	ट्रक टाटा	324000/-	परिक्षेत्र कार्यालय हंडिया स्थान हरदा

निविदाकार के लिये निम्नानुसार शर्तें बंधनकारी होगी :-
01. निविदा फार्म अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकेगे। प्रति निविदा फार्म की कीमत रूपयें 100/- नगद जमा करानी होगी जो वापसी योग्य नही होगी। निविदा फार्म दिनांक 24.02.2026 को दोपहर 02:00 बजे तक ही प्रदाय किये जावेगे।
02. निविदाकार को वाहन के लिये निविदा के साथ चार पहिया वाहन की जमानत के रूप में राशि रूपये 5000/- का बैंक ड्राफ्ट राष्टीयकृत बैंक का अधोस्ताक्षरकर्ता के पदनाम (वन मंडल अधिकारी सामान्य हरदा) से जो हरदा में देय हो प्रस्तुत करना होगा।
03. वाहनों के रजिस्ट्रेशन संबंधी कोई कागजात उपलब्ध नही हैं, और न ही उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी विभाग की होगी ।
04. वाहन पर किसी संस्थान/बैंक/निजी व्यक्ति फायनेंस बावत् कोई जिम्मेदारी विभाग की नही होगी।
05. सफल निविदाकार को वाहन क्रय की स्वीकृति प्रदान करने के 15 दिनों के अन्दर वाहन की शेष राशि एवं क्रय वाहन की कीमत पर शासन निर्देशानुसार 18 प्रतिशत जी.एस.टी. राशि का बैंक ड्राफ्ट पृथक से जमा करना अनिवार्य होगा अन्यथा जमानत की राशि राजसात करते हुए वाहन क्रय की स्वीकृति निरस्त कर दी जावेगी।
06. निविदा में उल्लेखित जप्तशुदा राजसात वाहन वर्तमान में जहाँ जैसा है, निविदा स्वीकृत होने की स्थिति में उसी हालत में प्राप्त करना होगा।
07. परिवहन विभाग में वाहन को पंजीकृत कराने का दायित्व क्रेता का होगा ।
08. निविदा की विस्तृत शर्ते दिनांक 24.02.2026 तक कार्यालयीन समय में वनमंडल कार्यालय में देखी जा सकेगी।
09. निविदाकार उक्त वाहनों का अवलोकन/भौतिक सत्यापन कार्यालयीन समय में दर्शायें गये स्थानों पर कर सकेंगे तथा भौतिक सत्यापन पश्चात निविदा फार्म का क्रय एवं निविदा फार्म डालेंगे। निविदा दिनांक को वर्णित वाहनों के संबंध में कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी
10. निविदा मान्य अथवा अमान्य करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को होगा।
11. विवाद की स्थिति में हरदा ज्युडिशियल क्षेत्र होगा।

(ज्योति मुडिया)
प्रभारी वन मंडलाधिकारी
हरदा (सामान्य) वन मंडल

जी-26010/25

दैनिक जागरण
भोपाल, 19 फरवरी 2026

राजधानी जागरण

05

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 30.0°c | न्यूनतम 12.6°c
राजधानी में सर्दी का मौसम खत्म हो रहा है। तापमान बढ़ने की संभावना है

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

नगर में आज

वार्षिक टेक्नो-कल्चरल उत्सव
- स्थान: मैनिट सिविल ऑडिटोरियम
- समय: दोपहर 12 बजे से 5 बजे तक

संगीत संध्या
- स्थान: रवीन्द्र भवन
- समय: शाम 6 बजे से

माह का प्रादर्श
- स्थान: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, श्यामला हिल्स।
- समय: शाम 4:00 बजे।
- आयोजक: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय

चित्र प्रदर्शनी
- समय: दोपहर 12:00 बजे से
- स्थान: मप्र जनजातीय संग्रहालय

राजधानी में 36 घंटे में 35 सायबर ठगी की एफआईआर, 2.14 करोड़ का हुआ फ्रॉड

केंद्रीय गृह मंत्रालय की फटकार के बाद जागा स्टेट सायबर, 18 एफआईआर और दर्ज होना बाकी, पुलिस जांच में जुटी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी में 36 घंटे के अंदर 35 सायबर ठगी एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें सवा दो करोड़ का फ्रॉड हुआ है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की फटकार के बाद स्टेट सायबर जागा और एफ आई आर दर्ज होना शुरू हो गईं। अभी 18 और एफआईआर दर्ज होना बाकी है। स्टेट सायबर सेल ने जांच के नाम इन शिकायतों को दबा लिया था। जबकि उन्हें जीरो पर एफआईआर दर्ज कर संबंधित थानों को भेजनी थी। दरअसल, केंद्रीय सरकार ने राष्ट्रीय हेल्प लाइन नंबर 1930 के जरिए ही आनलाइन एफआईआर की सुविधा दी थी। इस योजना की शुरुआत केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हुई थी, लेकिन मध्य प्रदेश राज्य सायबर सेल को इस आदेश की सुध नहीं थी। ऐसे में शिकायतें आती गई और इनकी संख्या अधिक हो गई। इसकी जानकारी केंद्रीय गृह मंत्रालय को लगी तो उन्होंने मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों को फटकार लगाई। इसके बाद एफआईआर दर्ज होना शुरू हो गईं।

चार माह में किए सभी फ्रॉड

जानकारी के मुताबिक, 36 घंटे के अंदर दर्ज हुई 35 एफआईआर में सर्वाधिक भोपाल के जोन-टू में 15 केस दर्ज हुए। इसमें सबसे ज्यादा बागसेवनिया में 7 प्रकरण दर्ज किए गए। इसके बाद जोन-वन में 9 केस दर्ज हुए। इसके अलावा जोन-फोर में 5 सायबर फ्रॉड के प्रकरण दर्ज हुए। सभी मामलों में राज्य सायबर की ओर से जीरो पर एफआईआर दर्ज कर थानों को भेजी गई है। थाना पुलिस अब पीड़ितों को फोन लगाकर उनके साथ हुए फर्जीवाड़े के संबंध में पूछताछ के साथ दस्तावेज जुटा रही है। यह सायबर फ्रॉड निवेश, नौकरी, डेबिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने, बिजली कनेक्शन काटने की धमकी आदि के नाम पर किए गए हैं। यह सभी फ्रॉड सितंबर 2025 से दिसंबर 2025 यानी चार महीने में किए गए।

लाइक और सब्सक्राइब के नाम पर 29 लाख ऐंठे

मिसरोद इलाके के कोरल वुड कालोनी में रहने वाले सुप्रीत कुमार गट्टू (30) से 29 लाख की आनलाइन ठगी की गई। जालसाज ने उन्हें लिंक भेजी। बताया कि आईएनबीडी मूवी को लाइक और सब्सडक्राइब करने पर पैसा मिलेगा। सुप्रीत ने वैसा ही किया तो उन्होंने 2 हजार से 30 हजार रुपए का मुनाफा कमाया। लालच में आने के बाद सुप्रीत पैसा निवेश करते गए। उनके वर्चुअल खाते में करोड़ों रुपए दिख रहे थे। उन्होंने यह पैसा निकालना चाहा तो उनसे 29 लाख रुपए की मांग की गई। सुप्रीत ने यह पैसा जमा किया तो सभी के मोबाइल बंद गए। उनका खाता डिलीट कर दिया गया। सुप्रीत शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं।

शिवम कटारिया से 23 लाख ठगे

इसी तरह कमला नगर में 23 लाख रुपए का ठगी शिवम कटारिया के साथ हुई। हबीबगंज में अनुज बागड़े से 15 लाख रुपए नौकरी लगाने के नाम पर ऐंठ लिए। इसी तरह से हरीश हासवानी, आमीन खान, राजेश लोकवानी, लक्ष्मी, वसीम हुसैन अंसारी, शैलेंद्र पाराशर, तनु सिंह, रोहित ताम्रकार, सुनीता, रमेश चंद्र शाक्य, स्वप्निल पटेल, प्रियंका समायरा और पन्ना उमेरिया सहित कई लोगों से आनलाइन ठगी की गई।

निवेश के नाम पर 51 लाख का चूना

सबसे बड़ी ठगी बागसेवनिया थाना इलाके में 51 लाख रुपए की सामने आई है। यह ठगी साकेत नगर निवासी राजेश जैन के साथ अक्टूबर 2025 में हुई। 20 अक्टूबर को राजेश जैन को अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक वाट्सएप ग्रुप पर जोड़ा गया। जोकि यश सिक्योरिटीज के नाम से था। इस ग्रुप में लोगों द्वारा लगातार कुछ व्यक्तियों को फॉलो करने पर पैसे मिलने और निवेश में उच्च मुनाफा मिलने के स्क्रीनशॉट भेजे जा रहे थे। शुरुआत में राजेश ने इसे नजरअंदाज किया। बाद में कई लोगों के स्क्रीनशॉट देखकर राजेश को यह वैद्य लगा। राजेश ने भी इस ग्रुप के निर्देशों पर ऑनलाइन निवेश किया। शुरुआत में उन्हें मुनाफा दिखाया गया। उन्हें भरोसा हो गया। उक्त व्यक्ति ने वाट्सएप पर एक लिंक भेजी। राजेश को ज्वाइन करने को कहा। राजेश ने आईडी को ज्वाइन कर लिया। इसके बाद राजेश निवेश करते गए और उन्हें मुनाफा बताया गया। इसमें से राजेश ने 60 हजार रुपए निकाले। इसके बाद राजेश ने कई बार में 35 लाख रुपए जमा किए। उन्हें मुनाफा दिखाया गया। राजेश ने पैसे निकालने को बोला तो उनसे इतनी ही राशि केपिटल गेन टैक्स के रूप में जमा करने को बोला गया। तब उन्हें लगा उनके साथ ठगी हो गई।

इन थानों में दर्ज हुई एफआईआरः थाना ऐशबाग, हबीबगंज, मिसरोद, बागसेवनिया, कोलार रोड, अशोका गार्डन, कमला नगर, पिपलानी, अवधपुरी, बैरागढ़, शाहजहांनाबाद, निशातपुरा और गांधी नगर में आनलाइन धोखाधड़ी के केस दर्ज हुए हैं। अभी दो दर्जन से ज्यादा प्रकरण और भी दर्ज होना बाकी है।

शातिर रजिया ने रैकी कर की थी छह लाख की चोरी, फुटेज से पकड़ाई

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। टीटीनगर इलाके में गमले के बगल में टंगी चाबी चोरी कर सूने घर में छह लाख की चोरी की थी। पुलिस ने फुटेज खंगाले तो वह पकड़ी गई। महिला शातिर चोर है। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 26 अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। साथ ही उसकी स्कूटी जब्त की है। टीटीनगर थाना प्रभारी गौरव दोहर ने बताया कि 53 वर्षीय मंगला बंसोडे पति नारायण बंसोडे निवासी कम्यूनिटी हॉल के सामने बाणगंगा नार्थ टीटीनगर ने 16 फरवरी को चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उनका कहना था कि 15 फरवरी की दोपहर दो बजे वह घर पर ताला लगाकर शिव बारात में शामिल होने के लिए शिव मंदिर चली गईं थीं। शिव बारात से वह तीन बजे वापस लौटी तो बेटे से चाबी ली। रात साढ़े दस बजे पैसे निकालने के लिए अलमारी खोली तो उसमें रखे तीन लाख रुपए, सोने का मंगलसूत्र, सोने की चेन, कान की बाली, लाकेट व चांदी का गुच्छा गायब था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज की। घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो संदेही महिला दिखी। उसकी पहचान रजिया खान (44) पति हसन खान निवासी जनता क्वाटर ऐशबाग के रूप में हुई।

संक्षिप्त खबरें

भदभदा रोड पर आज 6 घंटे तक की बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। गुरुवार को शहर के कोकता और भदभदा रोड स्थित क्षेत्रों में 5 से 6 घंटे की बिजली कटौती की जाएगी। गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के कुछ क्षेत्रों में भी बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज कोकता स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना मल्टी, डायमंड सिटी, कस्तूर कोर्टयार्ड, राजधानी परिसर और आसपास के इलाकों में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। वहीं भदभदा रोड स्थित पुलिस वायरलेस, क्राइम ब्रांच, सहयाद्रि परिसर, सीएसडी कालोनी, 25वीं बटालियन, पुलिस रेडियो कालोनी, न्यू पुलिस क्वार्टर, मत्स्य महासंघ, प्रेमपुरा, सयाजी होटल और वन विहार नेशनल पार्क व आसपास के इलाकों में सुबह 11 से शाम 4 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी। नेहरू नगर रोड स्थित पुलिस हाउसिंग, फॉरेंसिक लैब, गौतम नगर, करुणाधाम आश्रम, प्रगति परिसर, कम्फर्ट प्लाजा, गोमती परिसर, डीके सुरभि, मनीषा अस्पताल, जैन टावर, नेहरू नगर शेड, आईआईएफएम और आसपास के इलाकमों में सुबह 11 से शाम 4 बजे तक बिजली बिजली सप्लाई बंद रहेगी। इसके अलावा शहर के बड़वई व कोरल वुड कालोनी में भी सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली बंद रहेगी। गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित बर्डिया फूड, ध्रुव पेस्टीसाइड, जीके इंडस्ट्री, एयरटेक इंडस्ट्री, मेटल जंक्शन, हाई टेक इंजीनियरिंग, टेस्ला, मंजीत इंडस्ट्री, स्वास्तिक रबर, फिटवेल कॉरपोरेशन व आसपास बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

17 साल की नाबालिग से ठेकेदार ने किया दुष्कर्म

जागरण,भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र में ठेकेदार ने नाबालिग से सात महीने तक दुष्कर्म किया। पीड़िता के गर्भवती होने पर घटना का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 17 वर्षीय नाबालिग अपने पिता के अलग होने के बाद मां के साथ पिपलानी इलाके में रह रही थी। उसके पिता छिंदवाड़ा में रहते है। पांच साल पहले काम के दौरान उसकी मां की पहचान ठेकेदार अजय कुमार तिवारी उर्फ मंदेश से हुई। जो बिहार का रहने वाला है। आरोपी ज्यादातर समय उनके घर में ही रहता था। 20 अगस्त 2025 को आरोपी ने नाबालिग को अकेला पाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और फिर किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा। सोमवार को नाबालिग के पेट में दर्द होने पर मां उसे अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉक्टरों ने नाबालिग को 24 हफ्ते का गर्भवती बताया। मां के पूछने पर बेटी ने आपबीती सुनाई। बाद में पीड़िता की मां ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

25-25 हजार का विलंब शुल्क देकर जमा किए सेट के आवेदन

12 संभागीय मुख्यालयों पर एक मार्च को आयोजित होगी परीक्षा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों के लिए राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) का आयोजन प्रदेश के 12 संभागीय मुख्यालयों पर कराएगा। एमपीपीएससीके आदेश जारी करते हुए कहा था कि अंतिम तिथि तक आवेदन जमा नहीं करने की स्थिति में 25-25 हजार रुपये विलंब शुल्क के साथ आवेदन स्वीकृत किए जाएंगे। प्रदेश से करीब 25 उम्मीदवारों ने 25-25 हजार रुपये का विलंब शुल्क देकर सेट के आवेदन जमा किए हैं। परीक्षा के लिए गठित स्टीयरिंग समिति की बैठक आयोग कार्यालय में आयोजित की गयी। बैठक में बताया गया की इस वर्ष एक लाख 46 हजार आवेदकों ने 31 विषयों की परीक्षा में सम्मिलित होंगे। गत वर्षों की तुलना में इस वर्ष राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) के प्रति युवाओं का रुझान देखने को मिला है। इसका कारण यह है कि आयोग द्वारा प्रति वर्ष नियमित रूप से राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) का आयोजन साथ ही साथ प्रदेश के सरकारी कालेज में कई विषयों के असिस्टेंड प्रोफेसरों की भर्ती करने दो सालों से विज्ञापन जारी कर दिए हैं। इसलिए दो दर्जन उम्मीदवारों ने 25-25 हजार रुपये के विलंब शुल्क के साथ आवेदन जमा किए हैं, ताकि वे प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में अपनी भागीदारी निभा सकें।

11 जनवरी को होना थी परीक्षा

एमपीपीएससी को यह परीक्षा 11 जनवरी से कराना थी, जिससे स्थगित कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक केंद्रीय स्कूल में शिक्षकों की भर्ती के लिए 11 जनवरी को परीक्षा रखी गई है। इसके कारण कई उम्मीदवार एमपीपीएएसी की सेट में शामिल नहीं हो सकते थे। उन्होंने एमपीपीएससी को आवेदन देकर परीक्षा आगे बढ़ाने की गुहार लगाई थी, जिसके चलते परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। अब यह परीक्षा एक मार्च को आयोजित 12 संभागीय मुख्यालयों पर आयोजित कराई जाएगी।

मौसम का बदला मिजाज, मालवा-निमाड़ और ग्वालियर-चंबल में हुई बारिश

11 जिलों में ओला-बिजली का अलर्ट, बादलों और तेज हवा से गिरा पारा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में एक बार फिर मौसम ने करवट बदली है। बुधवार को राजधानी भोपाल समेत अधिकांश जिलों में बादल छाए रहे और तेज हवाएं चलीं। इससे पहले दो दिनों से प्रदेश में धूप खिली थी और अधिकतम तापमान 31 डिग्री के ऊपर चला गया था। मौसम विभाग के अनुसार अरब सागर में स्थित एक सिस्टम की वजह से कई जिलों में बारिश और हल्की बूंदाबांदी भी हुई, इससे तापमान में भी एक से दो डिग्री की कमी आने की संभावना है। राजधानी में बुधवार शाम 25 से 28 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चली। मौसम विभाग के अनुसार मौसम का यह रुख गुरुवार को भी बना रहेगा और शुक्रवार से फिर तापमान में इजाफा होगा।

आज भी कई शहरों में बारिश की संभावना : मध्य प्रदेश के मालवा-निमाड़ अंचल में बुधवार को बारिश हुई। इनमें झाबुआ और रतलाम जिलों में अन्य स्थानों की तुलना में अधिक बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक वर्षा झाबुआ में 3.6 मिमी और रतलाम शहर में 3.0 मिमी रिकॉर्ड हुई। इसके अलावा रतलाम के आलोट, जावरा एवं उज्जैन के खाचरौद में 1 मिमी और बड़वानी शहर में 0.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा ग्वालियर एवं श्योपुर में भी हल्की बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेश के ग्वालियर-चंबल और मालवा अंचल के कई जिलों में गरज के साथ बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। श्योपुर, मुरैना, शिवपुरी में ओलावृष्टि के आसार हैं, जबकि नीमच, मंदसौर, आगर, ग्वालियर, भिंड, दतिया, गुना और शिवपुरी में तेज हवा और गर्जना के साथ बिजली गिरने की भी चेतावनी दी गई है।

कल से खिलेगी धूप

मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक गुरुवार को प्रदेश के उत्तरी इलाकों जैसे ग्वालियर, मुरैना, दतिया, भिंड, शिवपुरी, पन्ना, टीकमगढ़ और निवाड़ी में बादल छाए रहेंगे। इसके बाद शुक्रवार से पूरे प्रदेश में आसमान साफ रहेगा और विंड स्पीड भी घटकर 8 से 10 किलोमीटर प्रति घंटा रह जाएगी। इससे तापमान में वृद्धि होने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में कोई सिस्टम भी एक्टिव नहीं रहेगा, जिससे प्रदेश में गर्मी के दौर की शुरुआत हो जाएगी।

12वीं की परीक्षा में दस नकलची धराए

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। माध्यमिक शिक्ष मंडल की बोर्ड परीक्षाएं चलन में बनी हुई हैं। इसके लिए राजधानी में पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। हायर सेकंडरी की परीक्षा में बुधवार को रसायन शास्त्र, व्यवसाय अध्ययन, एली आफ साइंस मैथेमेटिक्स यूजफुल एग्रीकल्चर, ड्राइंग एंड पेंटिंग, गृह प्रबंधन पोषण और वस्त्र विज्ञान के पेपर थे। परीक्षा में दस नकल के प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इसमें भोपाल में नजीराबाद के चित्रांश स्कूल, पुराने शहर में पूजा कान्वेंट स्कूल और टीएन कान्वेंट स्कूल में एक-एक विद्यार्थी नकल करते हुए पकड़े गए। इसके अलावा मुरैना और सागर में तीन-तीन और रीवा में एक विद्यार्थी नकल करते हुए धरा गया है।

डिमेंशिया की पीड़ा का मार्मिक मंचन

जागरण, भोपाल। 'क्या यह मेरा ही घर है?'... एक वृद्ध पिता का यह सवाल भारत भवन के अंतरंग सभागार में मौजूद हर दर्शक के दिल को चीर गया। अवसर था नाटक 'डैडी' के मंचन का, जिसने डिमेंशिया (स्मृति लोप) जैसी गंभीर बीमारी से जूझते परिवार की मानसिक और भावनात्मक उथल-पुथल को पर्दे पर उतारा। भारत भवन के 44वें वर्षगांठ समारोह के तहत दर्पण नाट्य संस्था, लखनऊ की इस प्रस्तुति ने मानवीय संबंधों के एक अनकहे दर्द को साझा किया। सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ के निर्देशन में तैयार यह नाटक फ्रांसीसी कृति का भारतीय रूपांतरण है। वरिष्ठ अभिनेता डॉ. अनिल रस्तोगी ने अपनी देहभाषा और खामोशी से उम्र के उस पड़ाव को जीवंत कर दिया, जहां यादें साथ छोड़ने लगती हैं। कभी अपने मोजे ढूंढना, तो कभी अपनी बेटी को न पहचान पाना; रस्तोगी का अभिनय इतना सजीव था कि दर्शक अपनी आंखों के कोर भिगोने से न रोक सके।

मैनिट के 'नायमैक 3.0' में दिखा तकनीक और युवा प्रतिभा का संगम

जागरण, भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) का सिविल ऑडिटोरियम बुधवार को युवा ऊर्जा और नवाचार की रोशनी से जगमगा उठा। अवसर था इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ इंनफर्मेशन टेक्नॉलाजी (ट्रिपल आईटी) के वार्षिक टेक्नो-कल्चरल उत्सव 'नायमैक 3.0' का भव्य शुभारंभ। इस महोत्सव ने पहले ही दिन तकनीकी कौशल और सांस्कृतिक विविधता की अनूठी मिसाल पेश की। कार्यक्रम की शुरूआत में संस्थान के निदेशक ने कहा कि आज के दौर में केवल तकनीकी डिग्री काफी नहीं है, बल्कि तकनीकी उत्कृष्टता के साथ नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और मजबूत चरित्र का होना अनिवार्य है। उन्होंने भविष्य की चुनौतियों के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी आधुनिक दक्षताओं को अपनाने पर विशेष जोर दिया। इस उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण संस्थान की

नई शोध पत्रिका 'वायुना' का विमोचन रहा। पत्रिका की संपादक डॉ. नेहा सिंह ने बताया कि यह पत्रिका छात्रों के शोध, विकास और नए आविष्कारों को एक वैश्विक मंच प्रदान करेगी। सांस्कृतिक खंड में अध्यात्म और समाज का सुंदर मेल दिखा। जहां 'कृष्ण चेतना' पर आधारित नाटक ने विनम्रता और शांति का संदेश दिया, वहीं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नागरिक कर्तव्यों के प्रति युवाओं को जागरूक किया गया।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

युवाओं से देश को एआई का हब बनाने की उम्मीद

भारत ने बदलती वैश्विक हवा की दिशा-दशा को पहचानते हुए सबसे बड़ी एआई समिट आयोजित कराने का फैसला किया। समिट शुरू होते ही उसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। इस पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन की सार्थकता का पता इस बात से चलता है कि इसमें सौ बड़ी कंपनियों के सीईओ, बीस के करीब देशों के राष्ट्राध्यक्ष और 135 देशों के प्रतिनिधि जुटे हैं।

हाल के वर्षों में, दुनिया के सबसे ज्यादा युवाओं के देश भारत में एआई को लेकर जिस तरह का उत्साह व जुनून देखने को मिल रहा है, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में वो देश को दुनिया में एआई का हब बना ही देगा। वहीं दूसरी ओर महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई भारत में आम लोगों के जीवन में बदलाव की वाहक बने। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई भारत समेत दुनिया के देशों में आज सुशासन, विकास व नागरिक सेवाओं के बेहतर निस्तारण में कारगर भूमिका निभा रही है। यही वजह है कि ग्लोबल साउथ के देश हमारी ओर बड़ी उम्मीद से देख रहे हैं कि भारत द्वारा विकसित एआई के दिशा-निर्देश और नीतियां उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिये मददगार साबित होंगी। आज दुनिया में विकसित व धनी देश एआई को अपनी संकीर्ण आर्थिक व राजनीतिक हितों की पूर्ति का साधन बना रहे हैं, उससे गरीब व विकासशील देशों में असुरक्षाबोध पैदा हो रहा है।

यह सुखद ही है कि देश की राजधानी दिल्ली पांच दिन तक दुनिया में एआई कैपिटल बनी रहेगी। वहीं दूसरी ओर, 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित की जा रही पांच दिवसीय इंडिया समिट में करीब तीन लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन कराना, इस आयोजन की सार्थकता व सफलता को ही उजागर करता है। इसमें दो राय नहीं है कि हाल के वर्षों मे भारत ने खुद को एक एआई पॉवर हाउस के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है। साथ ही विशाल डाटा संसाधन के साथ ही एआई वर्क फोर्स को भी तैयार किया है। निस्संदेह, इंडिया समिट तकनीकी क्रांति के बीच नई संभावनाओं को तलाशने की भारत की सकारात्मक पहल है। विश्वास किया जा रहा है कि इस सम्मेलन के जरिये भारत दुनिया में एआई को जवाबदेह, स्थायी और समावेशी तकनीक के रूप में स्थापित करने का प्रयास करेगा।

इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में एआई की स्वीकार्यता व कारोबार तेजी से बढ़ा है। लेकिन विडंबना यह है कि तमाम धनी राष्ट्रों में इस तकनीक को अपना जिन्न बनाने की होड़ लगी है। जो कालांतर दुनिया में पहले से ही व्याप्त आर्थिक असमानता को और ही बढ़ाएगा। सही मायनों में जरूरी है कि एआई का उपयोग लोकतांत्रिक तरीके से नैतिकतापूर्ण ढंग से किया जाए। विश्वास किया जाना चाहिए कि इंडिया समिट में दुनिया के देश एआई तकनीक के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी मंथन करेंगे। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि एआई तेजी से दुनिया में विस्तार तो पा रही है, मगर यह तकनीक मानव जीवन के लिये कई तरह के खतरे भी पैदा कर रही है। हाल के वर्षों में दुनिया में एआई के दुरुपयोग के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। जाहिर है इसके उपयोगकर्ताओं में इसको लेकर भरोसा कायम रहना चाहिए।

उम्मीद की जानी चाहिए कि इंडिया समिट में एआई की विश्वसनीयता बनाने की दिशा में कोई सार्थक पहल होगी। जरूरी है कि एआई का कारोबार करने वाली कंपनियों की जवाबदेही भी तय की जाए। वहीं भारत जैसे विकासशील देशों में, जहां श्रमप्रधान कार्य-संस्कृति रही है और फिलहाल बेरोजगारी का आंकड़ा बढ़ा है, वहां एआई नौकरी देने वाली हो, न कि नौकरी खाने वाली। एआई के विस्तार से परंपरागत नौकरियों पर संकट नहीं आना चाहिए। निस्संदेह, युवाओं के देश भारत में एआई के प्रति जागरूकता व जुनून पैदा करने के लिये युद्ध स्तर पर पहल की जानी चाहिए। ताकि आने वाले वर्षों में हम भारत को दुनिया का एआई हब बनते हुए देख सकें।

नवाचार

अमेरिका एआई आधारित सुरक्षा व्यवस्था में भी कर रहा दुनिया का नेतृत्व

सैन्य क्षमता भी बढ़ रही है एआई से

राज शुक्ला

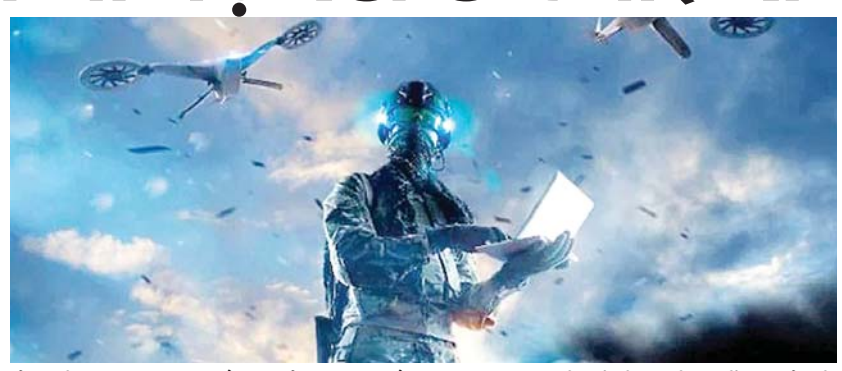

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी तकनीक अब सैन्य क्षेत्र में भी पीढ़ीगत बदलाव का वाहक बन गई है। यह सामरिक क्षमताओं को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। हम फिलहाल एआई, साइबर, क्वांटम जैसी प्रौद्योगिकी के तूफान से गुजर रहे हैं, जिसकी जद में वैश्विक व्यवस्था और सुरक्षा, दोनों हैं। कैसे? एक उदाहरण से समझाने की कोशिश करता हूं।

यूक्रेन में अमेरिकी एआई कंपनी पैलांटिर ने एआई पर आधारित गोथम कमांड और कंट्रोल सॉफ्टवेयर तैनात किया है, जो सैटेलाइट डाटा, सोशल मीडिया पोस्ट, सैनिकों के 'वाइड एरिया नेटवर्क', यानी डब्ल्यूएएन उपकरण, रेडियो फ्रिक्वेंसी आदि सबका विश्लेषण करता है और करीब 1,000 किलोमीटर लंबी उसकी सरहद की रक्षा करता है। यह सुरक्षा तंत्र इस कदर मजबूत है कि सीमा पर कोई भी हरकत हुई, तो घुसपैठिए की पहचान करने से लेकर ढेर करने में उसे सिर्फ छह से सात मिनट का वक्त लगता है। यह एआई तकनीक पर आधारित है और ड्रोन से लैस भी।

भारत में भी इस प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की मांग गलत नहीं है, खास तौर से नियंत्रण रेखा (एलओसी) और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर। इसके लिए एआई, ड्रोन, थ्रीडी प्रिंटिंग, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आदि सबका 'कोलाज' बनाना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि यदि मैक 6 या मैक 7 की गति से कोई हाइपरसोनिक मिसाइल हमारी सीमा की तरफ बढ़ रही हो, जो एआई की मदद से स्वतः लक्ष्य को नष्ट करने में सक्षम हो, तो मानव संचालित गति से उसका जवाब नहीं दिया जा सकता, बल्कि एआई युक्त उपकरणों से ही हम माकूल जवाब दे सकते हैं।

हम दो विकल्पों की ओर बढ़ सकते हैं। एक, एआई सक्षम तकनीक में इंसान 'लूप' में रहे, यानी फैसले लेने की प्रक्रिया में इंसानी दखल हो, और दूसरा- तकनीक में कोई मानवीय हस्तक्षेप न रहे। मेरा मानना है कि जब आक्रमण और बचाव के बीच जंग होती है, तब इंसान अगर जवाबी प्रक्रिया से बाहर रहे, तो प्रतिक्रिया कहीं अधिक तेज हो सकेगी। इससे जवाबी हमले कहीं अधिक मारक और सधे हुए होंगे।

जाहिर है, एआई का फिलहाल कोई दूसरा विकल्प नहीं है। अमेरिका का उदाहरण देखिए। उसने अपने दो कमान चुने- यूनाइटेड स्टेट्स इंडो-पैसिफिक कमांड (इंडोपैकॉम) और यूरोपीय कमान (ईयूकॉम)। इनके लिए उसने लार्ज लैंग्वेज मॉडल बनाने का अनुबंध किया माइक्रोसॉफ्ट के साथ, एजेंटिक एआई का अनुबंध स्केल एआई कंपनी के साथ और डिफ्यूजन एआई का ठेका दिया एंडुरिल कंपनी को। तीनों एआई क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां हैं। इनको कहा गया है कि वे न सिर्फ अमेरिका का, बल्कि दुश्मन देशों के डाटा का भी विश्लेषण करें और सुरक्षा-व्यवस्था को एआई से लैस करें। आज अमेरिका अगर एआई-आधारित सुरक्षा-व्यवस्था में नेतृत्व की भूमिका में है, तो इसकी वजह समझी जा सकती है।

हमारे लिए ऐसा करना क्यों जरूरी है? क्योंकि चीन और पाकिस्तान हमारे ऐसे पड़ोसी हैं, जिन पर भरोसा करना काफी मुश्किल है। हमें अपनी उत्तरी और पूर्वी कमान को एआई से लैस करना ही होगा, जिसके लिए सर्वप्रथम डाटा को सार्वजनिक करना आवश्यक है। अभी हमारी सेना के तीनों अंग (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) एक-दूसरे से डाटा साझा नहीं करते, जबकि एआई सक्षम मॉडल तभी कारगर माने जाते हैं, जब उसके पास अधिक से अधिक आंकड़े हों।

निस्संदेह, थियेटर कमान बनाने की जरूरत थी, पर हमें डिजिटल थियेटर कमान की भी दरकार है। सरकारी मंचों पर 'सॉवरेन एआई' की बात बार-बार कही जाती है। दावा किया जा रहा है कि 12 स्वदेशी 'सॉवरेन एआई' मॉडल विकसित किए जा रहे हैं। अपना इन्फ्रास्ट्रक्चर, डाटा, कार्यबल और नियामक ढांचा बनाने पर जोर दिया जा रहा है। अगर इन 12 मॉडल में से दो-तीन फौज को दे दिए जाएं और स्वदेशी स्टार्टअप कंपनियों से डाटा तैयार किया जाए, तो हमारी सुरक्षा व्यवस्था को नई धार मिल सकती है। इस पूरी प्रक्रिया से विदेशी कंपनियों को बाहर रखना जरूरी है, क्योंकि बाहरी कंपनियों से डाटा साझा करने के अपने खतरे हैं।

यह सुखद है कि नई तकनीक को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नजरिया स्पष्ट है। उन्होंने 2035 तक 'मिशन सुदर्शन चक्र' पूरा कर लेने की बात कही है, जो एक बहुस्तरीय वायु और मिसाइल रक्षा प्रणाली है। हालांकि, इसके साथ-साथ हमें थल सेना के लिए भी एआई लैस घातक सुरक्षा तंत्र विकसित करना चाहिए, जो सीमा के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करे। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान जिस तरह नई दिल्ली पर मिसाइल दागी गई थी या सीमावर्ती इलाकों की सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया गया था, उसको देखते हुए ऐसा करना और जरूरी है। पाकिस्तान तुलनात्मक रूप से छोटा मुल्क है, इसलिए उसकी मिसाइलों को इंटरसेप्ट करना आसान था, लेकिन चीन की रॉकेट सेना काफी घातक मानी जाती है। इसलिए, सीमा सुरक्षा से अब हमें मुख्यभूमि की सुरक्षा की ओर बढ़ना चाहिए।

दिक्कत यह है कि रक्षा बजट को हम 'पूंजी' व 'राजस्व' के चश्मे से देखने के आदी हो गए हैं। जबकि, हमें यह देखना चाहिए कि एआई, क्वांटम या नई प्रौद्योगिकी को आत्मसात करने पर हम कितना खर्च कर रहे हैं? राफेल जैसे विमान हमारी सुरक्षा व्यवस्था को तभी मजबूत बना सकते हैं, जब वे एआई से सक्षम और आधुनिक तकनीक से लैस हों। यह 'सॉफ्टवेयर आधारित युद्ध' का दौर है। इसमें वही देश आगे रहेगा, जो नई-नई प्रौद्योगिकी में न सिर्फ निवेश करेगा, बल्कि उनको खुले दिल से अपनाएगा।

हमें अब 'तकनीक-प्रथम सेना' की ओर कदम बढ़ाना चाहिए।

एआई के मामले में वैश्विक तौर पर अमेरिका और चीन, दो ताकतवर देश हैं। अमेरिका जहां कंप्यूटिंग और हार्डवेयर का सरताज है, वहीं चीन की ताकत सॉफ्टवेयर और ऊर्जा है। वह हर दिन एक गीगावाट बिजली की उत्पादन क्षमता बढ़ा रहा है। उधर, अमेरिका में हर दिन एक अरब डॉलर का निवेश किया जा रहा है। हम फिलहाल उनकी बराबरी नहीं कर सकते, लेकिन तकनीक के जरिये बचाव के उपाय जरूर तलाश सकते हैं। हमारे पास भरपूर प्रतिभा है, राजनीतिक इच्छाशक्ति भी है, हमें सिर्फ अपने नौकरशाहों की नीयत ठीक करनी होगी। अगर ऐसा कर सके, तो अगले पांच-सात साल में हम काफी विकसित हो जाएंगे। 'विकसित भारत' के लक्ष्य तक पहुंचते-पहुंचते हम शीर्ष वैश्विक सैन्य ताकत भी बन सकते हैं।

(लेखक रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल हैं।)

खुला मंच

गलगोटिया मोहल्ले में पहुंचा चीन का कुत्ता

मुकेश नेमा

दिल्ली एआई समिट के दौरान लोगों ने एक चार पैरों वाला रोबोट कुत्ता देखा। ग्रेटर नोयडा की गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने शाबाशी ली इसे बनाने की। पर कुछ जलकुकडों ने बताया कि ये कुत्ता चीनी है। बवाल मचा,चीनी भी हँसे और गलगोटियों को मजबूरन इस कुत्ते की वल्दियत से इनकार करना पड़ा।

लोगों को लगा ये उनकी किरकिरी करने का एक और मौका है। ये बात मुझे पसंद नहीं आई। गलगोटियों को बेइज्जत किया जाना सरासर गलत बात। चीन का यह दावा कि ये कुत्ता उनका है, खारिज कर दिए जाने लायक़ है। कुत्ते हर जगह एक से होते है। सभी के चार पांव ,दो कान और एक पूँछ होती है जो मालिक को देख हिलती है और खुद से जबर को देख पाँवों के नीचे घुस जाती है। कुत्ता बिस्किट खिलाने वाले के पैर चाटता है और कमज़ोर पर भौंकता है। ऐसे मे कुत्ता कुत्ता होता है। कुत्ता सार्वभौमिक प्राणी है और भौं भौं अंतराष्ट्रीय भाषा है। ऐसे मे कोई एक देश उन पर अपना दावा ठोके ये बस हँसी की बात है।

इस बात को न कहने की कोई वजह नही कि ये कुत्ता गलगोटियो ने ही बनाया है। हम कुत्ता प्रेमी देश है। फायदा हो तो कोई भी ,कभी भी कुत्ता होने के लिए तैयार है। हम हैसियत पाते ही सामने वाले को कुत्ता बनाने में फख्र महसूस करते है। ऐसे में मुझे पूरा यकीन है कि ये कुत्ता स्वदेशी है और चीनी झूठ बोल रहे हैं।

और फिर यदि ये कुत्ता चीन का हो भी तो क्या फर्क पड़ता है? इस कुत्ते को लेकर चीन की हायतौबा का भी कोई मतलब नही। यदि उन्हें अपने कुत्ते की इतनी ही चिंता थी तो बांध कर रखना था उसे। अब आपका बिना पट्टे, बिना चैन का कुत्ता भटकता हुआ गलगोटियो के मोहल्ले में पहुंच गया। उन्होंने पाल लिया उसे। शेरू टॉमी जैसा नाम रख दिया उसका तो इसमें गलत क्या है? चीन खुद माहिर रहा है ऐसा करने में। हम तो सदियों से ऐसा ही करते आए हैं। अब एआई के इस जमाने में हमसे अपनी आदतें बदल लेने की उम्मीद रखना ठीक बात नहीं है।

गलगोटिए पसंद है मुझे। वो काबिल हिम्मती और मेहनती है। कुछ वक्त पहले इस यूनिवर्सिटी के होनहार लड़के हाथों मे बोर्डों लिए सड़कों पर देखे गए थे। लोगों ने पूछा उनसे भैया भरी धूप मे मारे मारे क्यों फिर रहे हो। पर वो न बोर्ड पर लिखे नारे पढ़ सके न ये बता सके कि उनके जुलूस का मकसद क्या है। ऐसे में हमें ये बात बेझिझक मान लेना चाहिए कि ये यूनिवर्सिटी कुत्ता बनाने की विशेषज्ञ है। ये कुत्ता भी गलगोटियों ने ही बनाया है और चीन बेवजह गाल बजा रहा है।

प्रसंगवश

रेलवे की खाने की थाली में भरोसे की कमी

सरकार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि 2024-25 के दौरान खाने-पीने के सामान की खराब गुणवत्ता के संबंध में 6,645 शिकायतें मिलीं। जबकि 2021 से अगले चार वर्षों में रेलवे को इस तरह की कुल 19,174 शिकायतें मिलीं। मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक औसत रूप से हर रोज पैंतीस से ज्यादा लोग रेलवे द्वारा यात्रा के दौरान दिए जाने वाले खराब खाने को लेकर शिकायत करते हैं।

भारतीय रेलवे के बारे में अक्सर यह दावा किया जाता है कि इसके समग्र संचालन को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा के समकक्ष बनाया जाएगा। मगर हकीकत यह है कि हादसों, सफर के दौरान निर्धारित समय पर गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने से लेकर ट्रेन के भीतर साफ-सफाई और खानपान के मामले में कई बार स्थिति बेहद दयनीय और खराब दिखती है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिन ट्रेनों को विशेष सुविधा वाला बताया जाता है, उनमें परोसा गया भोजन भी अक्सर खराब निकल जाता है और यात्री ठगा हुआ महसूस करते हैं। खाने में तिलचट्टा, इल्ली, दूसरे कीड़ों या अखाद्य वस्तुओं के मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। भोजन की मात्रा और तय कीमतों से ज्यादा राशि वसूलने की समस्या भी आम देखी जा सकती है।

सवाल है कि अगर उच्च गुणवत्ता और सेवा का दावा करके खाने-पीने के मामले में भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, तो उसे कैसे देखा जाएगा। सफर के दौरान यात्री थोड़ी सुविधा के लिए ट्रेन में मिलने वाला खाना पैसा चुका कर लेना चाहते हैं। कई ट्रेनों में सफर के दौरान टिकट के साथ खाने-पीने के सामान के लिए राशि चुकाने का भी विकल्प है। मगर विडंबना यह है कि पूरी कीमत चुकाने के बावजूद कई लोगों की थाली में ऐसा खाना होता है, जिसे खाया नहीं जा सकता। ट्रेनों में मिलने वाले खराब खाने को लेकर आए दिन शिकायतें आती रहती हैं और कई बार विवाद भी होते हैं। ऐसी खबरें भी सामने आई, जिनमें भोजन के खराब होने पर आपत्ति जताने पर ट्रेन में मौजूद कर्मियों ने यात्री से दुर्व्यवहार किया।

खुद सरकार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि 2024-25 के दौरान खाने-पीने के सामान की खराब गुणवत्ता के संबंध में 6,645 शिकायतें मिलीं। जबकि 2021 से अगले चार वर्षों में रेलवे को इस तरह की कुल 19,174 शिकायतें मिलीं। ऐसे भी मामले होंगे, जिनमें किसी यात्री को खराब भोजन मिला, लेकिन उसने औपचारिक शिकायत नहीं की।

हालांकि रेल महकमे में कहने को एक ढांचा है, जिसके तहत गुणवत्ता में सुधार के लिए डिजाइन किए गए रसोई से खाना बनवाने और ट्रेनों तक पहुंचाने से लेकर खाना बनाने पर निगरानी, खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक की तैनाती और अच्छी सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने का दावा किया जाता है।

इसके अलावा, अगर खाने में अस्वच्छता या मिलावट पाई जाती है, खाना खराब हो, तो यात्री शिकायत करते हैं। कई मामलों में कार्रवाई भी होती है, जिसमें जुर्माना लगाना, अनुशासनात्मक कार्रवाई, काउंसलिंग करना और चेतावनी देना शामिल है।

खराब खाने की शिकायत के बाद भोजन की आपूर्ति करने वालों पर जुर्माना लगाने की खबरें आती हैं, लेकिन कुछ समय बाद फिर सब पहले की तरह चलता रहता है। सवाल है कि रेल मंत्रालय इसमें सुधार को लेकर कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाता कि ट्रेन में मिलने वाले भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता को लेकर यात्री पूरी तरह आश्वस्त रहें।

अगर रेलवे के लिए अपने तंत्र के तहत स्वच्छ भोजन मुहैया कराना संभव नहीं है, तो ट्रेनों में खाना देने का ठेका अलग-अलग कंपनियों को देने और उसमें बेहतर गुणवत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा की व्यवस्था बनाने की कोशिश क्यों नहीं की जाती?

प्रत्यर्पण संधि

प्रत्यर्पण संधि की धाराओं के आधार पर भारत मना करने की स्थिति में

मौजूदा हालात में हसीना का प्रत्यर्पण एक यक्ष प्रश्न

पुष्परंजन

भारत ने आम तौर पर शरणार्थियों को वापस न भेजने (नॉन-रिफाउलमेंट) की नीति अपनाई हुई है। इसी नीति के तहत, दलाई लामा जैसे प्रमुख राजनीतिक शरणार्थियों को ऐतिहासिक रूप से संरक्षण दिया गया है। हालांकि, भारत 1951 के शरणार्थी कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है।

शेख हसीना, जो 5 अगस्त, 2024 को हिंसक प्रदर्शनकारियों से जान बचाते हुए ढाका से गाजियाबाद के लिए एक सीक्रेट फ्लाइट से भागी थीं, अभी फांसी से दूर हैं, और नई दिल्ली निर्वासन में रह रही हैं। शेख हसीना का सवाल विक्रम और बेताल की तरह मोदी सरकार के कंधे पर सवार है। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी को 'एआई समिट' में उपस्थित रहना था, इसलिए ढाका में तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेजा। बांग्लादेश की तरफ से उन्हें सौंपने के बार-बार अनुरोध के बावजूद भारत में हसीना की मौजूदगी पिछले 18 महीनों में दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच झगड़े की एक बड़ी वजह रही है।

भले ही भारत, ढाका के साथ 'पोस्ट हसीना पार्टनरशिप' बनाने के लिए उत्सुक है, लेकिन कई जियोपॉलिटिकल एनालिस्ट ने कहा, कि वे ऐसे हालात की कल्पना नहीं कर सकते, जिसमें नई दिल्ली पूर्व प्रधानमंत्री को मौत की सजा का सामना करने के लिए बांग्लादेश को सौंप दे। ढाका में रह चुके भारत के पूर्व हाई कमिश्नर पिनाक रंजन चक्रवर्ती ने कहा, 'नई दिल्ली उन्हें मौत की तरफ कैसे धकेल सकती है?' हसीना, बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं, वो शेख मुजीबुर रहमान की सबसे बड़ी बेटी हैं। शेख मुजीबुर रहमान ने 1971 में पाकिस्तान से आज़ादी की लड़ाई का नेतृत्व किया था। शेख हसीना कोई पहली बार भारत में शरणागत नहीं हुई हैं। 15 अगस्त, 1975 को बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की ढाका में उनके धानमंडी स्थित घर पर मिलिट्री तख्तापलट के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस हमले में उनकी पत्नी, तीन बेटे और दूसरे रिश्तेदार मारे गए थे। उनकी दो बेटियां संयोगवश बच गयीं, जो घटना के समय जर्मनी में थीं। उनमें एक शेख हसीना और दूसरी शेख रेहाना थीं। हसीना के पास अपने पति एमए वाजेद मियां के साथ भारत में शरण लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। वर्ष 1975 से 1981 तक वे सभी दिल्ली के पंडारा रोड में एक नकली पहचान के साथ रहे। लेकिन अब नरेंद्र मोदी सरकार, हसीना के 'निर्वासन पार्ट-टू' को लेकर दुविधा में है। हसीना ने 2022 के इंटरव्यू में मुजीबुर रहमान की हत्या के बाद के पलों को याद करते हुए कहा, 'मिसेज इंदिरा गांधी ने तुरंत सूचना भेजी, कि वह हमें सुरक्षा और पनाह देना चाहती हैं।' दिल्ली आने के बाद, हसीना इंदिरा गांधी से मिलीं, तभी उन्हें अपने परिवार के 18 सदस्यों की हत्या के बारे में पता चला। हसीना ने 2022 में बताया, 'इंदिरा गांधी ने हमारे लिए सारे इंतजाम किए। मेरे पति के लिए नौकरी भी।' दिल्ली में हसीना पहले 56 रिंग रोड, लाजपत नगर-3 में रहती थीं, फिर दिल्ली के पंडारा रोड के घर में शिफ्ट हो गईं। छह साल बाद, 17 मई, 1981 को, हसीना बांग्लादेश लौटीं। वापसी के बाद देश पर कब्जा कर चुकी मिलिट्री सरकार के खिलाफ एक लंबी और मुश्किल लड़ाई की शुरुआत की। करप्शन के आरोपों में जेल के बावजूद, हसीना डटी रहीं। आखिरकार, 1996 में शेख हसीना सत्ता में आईं, और पहली बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं।

लेकिन उस कालखंड से इस समय परिस्थितियां अलग हैं। पीएम मोदी बांग्लादेश के सन्दर्भ में पूर्ववर्ती इंदिरा गांधी की राह पर चले जरूर, मगर इसके अंजाम का आकलन मोदी के रणनीतिकार सही से नहीं कर पाए। वर्ष 2013 में भारत-बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि हुई थी। और 2016 में इसमें बदलाव किया गया था, जो कम से कम एक साल की जेल की सज़ा वाले अपराधों के दोषी या अभियुक्तों की अदला-बदली की अनुमति देती है। इसमें आतंकवाद, ट्रैफिकिंग और ऑर्गनाइज्ड क्राइम जैसे अपराध शामिल हैं, लेकिन यदि कोई राजनीतिक कैदी है, तो उसके प्रत्यर्पण से मना करने की सहूलियत भी संधि में है। 11 पेज की संधि के अनुच्छेद 6-7 और 8 को ध्यान से पढ़ा जाये, तो शेख हसीना को आपराधिक धाराओं से भी छूट मिल जाती है। भारत इन्हीं धाराओं के आधार पर शेख हसीना के प्रत्यर्पण से मना करने की स्थिति में है। इस संधि पर हस्ताक्षर करने वाले तत्कालीन गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे और उनके समकक्ष डॉ. मोहिनुद्दीन खान आलमगीर अभी जीवित हैं।

बहरहाल, 17 नवंबर, 2025 को 453 पेज के फैसले में, बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने शेख हसीना और दो सह-आरोपियों को दो अलहदा मामलों में मौत की सजा सुनाई थी। उन्हें पिछले साल 5 अगस्त को ढाका के चंखारपुल में छह निहत्थे प्रदर्शनकारियों की गोली मारकर हत्या करने के आरोप संख्या 4 के तहत मौत की सजा सुनाई गई थी। आरोप संख्या 5 के तहत, आरोपियों पर उसी दिन अशुलिया में छह छात्र प्रदर्शनकारियों को गोली मारने का आरोप था, जिनमें से पांच को बाद में जला दिया गया था, जबकि छठे को कथित तौर पर जिंदा रहते हुए आग लगा दी गई थी। पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को भी मौत की सजा सुनाई गई, जबकि पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून, जो सरकारी गवाह बन गए थे, को इस मामले में पांच साल की कैद की सजा सुनाई गई थी।

फिलहाल भारत का कहना है, कि वह पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए बांग्लादेश के आग्रह की जांच कर रहा है।

क्या भारत ने पहले कभी किसी राजनीतिक शरणार्थी का प्रत्यर्पण किया है? भारत ने आम तौर पर शरणार्थियों को वापस न भेजने (नॉन-रिफाउलमेंट) की नीति अपनाई हुई है। इसी नीति के तहत, दलाई लामा जैसे प्रमुख राजनीतिक शरणार्थियों को ऐतिहासिक रूप से संरक्षण दिया गया है। हालांकि, भारत 1951 के शरणार्थी कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। आपराधिक मामलों या राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर विशिष्ट व्यक्तियों के प्रत्यर्पण या निर्वासन का उसका अपना इतिहास रहा है।

वर्ष 1959 से भारत ने दलाई लामा को राजनीतिक शरण दे रखी है। चीन ने उसका कड़ा विरोध किया था, लेकिन प्रत्यर्पण की मांग पूरी नहीं हुई। चीन से हमारे संबंध दोस्ती और कुश्ती वाले रहे हैं। चीन से गलवान-देपसांग झड़प भी हुई, तो उभयपक्षीय व्यापार एकदम से रुक नहीं गया। तो क्या हम बांग्लादेश से चीन जैसा सम्बन्ध बनाये रखना चाहते हैं, या फिर शेख हसीना की 'कूटनीतिक बलि' दे दी जाएगी? यह आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं है, कि शेख हसीना किसी थर्ड कंट्री में शरण चाहेंगी। शेख हसीना की कीमत पर कोई तीसरा देश क्यों अपने सम्बन्ध तारिक रहमान सरकार से खराब करेगा? बीएनपी को इतना बड़ा जनादेश सहानुभूति वोट, और शेख हसीना शासन में हुए सितम की वजह से मिला है। तारिक रहमान हर हाल में शेख हसीना से पुराना स्कोर सेटल करना चाहेंगे।

जीवन दर्शन

अन्वेषण की शुरुआत बाहर नहीं, भीतर से करें

अन्वेषण केवल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है। यह अपने भीतर उतरने की प्रक्रिया भी है। स्वभाव, जिज्ञासा, प्रतिभा और अपनी करुणा को पहचानना भी अन्वेषण का ही रूप है। क्षितिज कोई सीमा नहीं, वह तो आपको आगे बुलाने वाला संकेत मात्र है।

मनुष्य का सबसे बड़ा दुख असफलता नहीं है, बल्कि अपनी अपूर्ण संभावनाओं का बोध होता है। समय के प्रवाह में जब वर्ष बीत जाते हैं, तब यह एहसास भीतर कहीं चुभने लगता है कि भय ने हमें कितना रोके रखा, संकोच ने हमारे लिए कितने द्वार बंद कर दिए, और सुविधा ने हमारे व्यक्तित्व को कितना सीमित बना दिया। सुरक्षित बंदरगाह जीवन में आवश्यक अवश्य है, लेकिन वह अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। यदि जहाज किनारे से बंधा रह जाए, तो वह सुरक्षित तो रहेगा, पर अपने अस्तित्व का उद्देश्य कभी नहीं जान पाएगा। उसी प्रकार यदि मनुष्य केवल सुरक्षा के घेरे में जीवन बिताए, तो वह अपनी क्षमताओं के अथाह महासागर से अनभिज्ञ ही रह जाता है।

रस्सियां खोलना भीतर जमे बंधनों से मुक्त होने का आह्वान है। यह उन शंकाओं को त्यागने का साहस है, जो बार-बार कहती हैं कि अभी समय अनुकूल

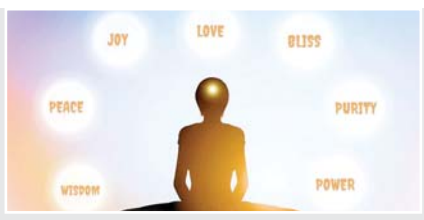

नहीं, अभी तैयारी अधूरी है, अभी परिस्थिति साथ नहीं दे रही। जीवन में तूफान भी आएंगे, दिशाएं भी बदलेंगी, और कभी-कभी मार्ग धुंधला भी पड़ जाएगा, लेकिन इन्हीं अनुभवों की अग्नि में व्यक्तित्व का निर्माण होता है। जीवन में अनुकूल परिस्थितियां स्थिर खड़े रहने वालों को नहीं, आगे बढ़ने वालों को सहारा देती हैं। अन्वेषण केवल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है। यह अपने भीतर उतरने की प्रक्रिया भी है। अपने स्वभाव, अपनी जिज्ञासा, अपनी प्रतिभा और अपनी करुणा को पहचानना भी अन्वेषण का ही रूप है। जब मनुष्य स्वयं को खोज लेता है, तब उसके लिए संसार की सीमाएं स्वतः विस्तृत हो जाती हैं। स्वप्न देखिए, किंतु केवल नींद में नहीं, जागृत चेतना के स्वप्न। वे स्वप्न जो आपको चैन से बैठने न दें, जो आपको साधारणता से असंतुष्ट रखें, और जो आपको निरंतर बेहतर बनने की प्रेरणा दें।

स्वप्न भविष्य की रूपरेखा होते हैं। वे पहले मन में जन्म लेते हैं और फिर कर्म में आकार ग्रहण करते हैं। खोज कीजिए उस आनंद की, जो जोखिम उठाने के बाद प्राप्त होता है; उस ज्ञान की, जो असफलता सिखाती है; और उस संतोष की, जो निरंतर प्रयास से जन्म लेता है। यह खोज अंततः बाहरी उपलब्धियों की नहीं, भीतर की पूर्णता तक पहुंचने की यात्रा है। समय के विस्तृत आकाश में जब आप पीछे मुड़कर देखेंगे, तब आपको यह पीड़ा नहीं सताएगी कि आप कितनी बार गिरे, बल्कि यह विचार उद्वेलित करेगा कि आपने कितनी बार चलना ही नहीं चुना। अपने विश्वास को पतवार बनाइए। क्षितिज कोई सीमा नहीं, वह तो आपको आगे बुलाने वाला संकेत मात्र है।

मनुष्य का वास्तविक दुख असफलता नहीं, बल्कि अपनी अपूर्ण संभावनाओं का मौन बोध है। इसलिए भय, संकोच और सुविधा के बंधनों को तोड़कर जीवन के विस्तृत सागर में उतरिए। साहस के साथ आगे बढ़िए, क्योंकि संघर्ष ही व्यक्तित्व को गढ़ता है और कर्म ही अवसरों को आकर्षित करता है। अपने स्वप्नों को दिशा दीजिए।

मार्क ट्वेन

गीता ज्ञान

श्लोक

न हि देहभृता शक्यं त्यक्तुं कर्माण्यशेषतः।
यस्तु कर्मफलत्यागी स त्यागीत्यभिधीयते॥

भावार्थ

जो शरीर धारण किए हुए हैं, वे समस्त कर्मों का पूरी तरह से त्याग नहीं कर सकते, लेकिन जो केवल कर्मफल का त्याग करता है, वही सच्चा संन्यासी कहलाता है।

पटरी से फिर उतरी स्ट्रीट लाइट, स्टेशन रोड सहित कई मोहल्लों में पसरा अंधेरा

मुख्य मार्ग की 80 फीसदी एलईडी बंद, आम जनता हो रही है परेशान

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। लालघाटी से लेकर सीवेज पम्प हाउस तक एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी ने काफी समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट को चालू करवाया था, लेकिन एक बार फिर यह मार्ग अंधेरे की चपेट में आ गया है। हालांकि सिक्स लेन एलीवेटेड फ्लाइ ओवर के कारण कुछ खम्बे हटाए गए हैं, लेकिन जो खम्बे लगे हैं, उनमें से भी अधिकांश की एलइडी एक बार फिर बंद है, जिस कारण रात के समय दुपहिया वाहन चालक जो दुकानों पर काम करते हैं, उन्हें लौटते समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पटरी पार के लोग परेशान

दरअसल स्टेशन के पीछे खासतौर पर कैंप नंबर 12, देवलोक कॉलोनी, सीटीओ, मथाई नगर, कैलाश नगर आदि कॉलोनियों में निवास करने वाले अक्सर स्टेशन के भीतर से फुट ओवर ब्रिज के बाद अपने-अपने घरों को जाते हैं और जो दूर तक दुकानों से निकलकर इस मार्ग पर पहुंचते हैं, उन्हें अंधेरे के कारण लूट पाट का भय बना रहता है।

यहां भी अनेक खंबे सूने

न केवल मुख्य मार्ग एवं स्टेशन रोड बल्कि संत हिरदाराम नगर के भीतरी मार्गों पर भी अनेक जगहों पर लोगों ने स्ट्रीट लाइट बंद होने की शिकायत की है। जिस कारण उन्हें परेशानी हो रही है। इनमें वन ट्री हिल्स एरिया, सीआरपी, आरा मशीन रोड, फाटक रोड, शिव मंदिर रोड, बी ओल्ड वार्ड, सैनिक कॉलोनी, टी वार्ड, जन चेतना पार्क, वन ट्री हिल्स के आस पास, ओल्ड डेयरी फार्म रोड, गिदवानी पार्क, पांच भाई भवन मार्ग आदि जगहों पर भी स्ट्रीट लाइट की स्थिति सामान्य नहीं है, ऐसे में खासतौर पर महिलाओं को शाम ढलने के बाद घरों से बाहर निकलने में भय लगता है।

मुख्य मार्ग भी अंधेरे में

भोपाल-इंदौर राजमार्ग स्थित यहां के मुख्य मार्ग पर जहां कपड़े एवं बर्तनों का थोक बाजार हैं, रात 11 बजे तक तो कारोबारियों द्वारा दुकानों के बाहर जलाई जाने वाली लाइट से अंधेरा नहीं दिखता लेकिन जैसे ही रात 11 बजे बाजार बंद होतो है, मुख्य मार्ग पूरी तरह से अंधेरे की चपेट में आ जाता है। इस मार्ग पर बीच बीच में एक आद खंबे की लाइट जलती हुई दिखती है, लेकिन 80 फीसदी खंबे सूने हैं, ऐसे में रात के समय गुजरने वाली भारी वाहनों की अक्सर चालक चपेट में आकर दोपहिया वाहन दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।

स्टेशन रोड पर भी अंधेरा

इधर संत हिरदाराम नगर के रेलवे स्टेशन पर तो 24 घंटे ट्रेनों की आवाजाही लगी रहती है, लेकिन जैसे ही स्टेशन रोड की दुकाने 10 बजे बंद होती हैं, उसके बाद पूरी रात यह मार्ग अंधेरे के कारण यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बना रहता है। स्टेशन रोड जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर अंधेरा होना निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं नगर निगम के बिजली विभाग की लापरवाही बयां कर रहा है। इस इलाके में रहने वाले दैनिक समाचार पत्र वितरक संघ भोपाल के जिला उपाध्यक्ष अकबर हुसैन बताया कि अनेक बार नगर निगम के अलावा सीएम हेल्प लाइन में शिकायत करने के बाद भी बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट को चालू नहीं किया जा रहा है।

"स्टेशन रोड लंबे समय से अंधेरे में डूबा है, रात के समय घर जाने में भय लगता है। नगर निगम के अलावा सीएम हेल्प लाइन में शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

अकबर हुसैन, उपाध्यक्ष, समाचार पत्र वितरक संघ

"मैंने आज ही स्मार्ट सिटी वालों से बात की है। कुछ जगह लाइन में फाल्ट है, जहां जहां भी स्ट्रीट लाइट बंद है, वहां जल्द से जल्द उसे चालू कराया जाएगा।

राजेश हिंगोरानी, एमआईसी सदस्य बिजली विभाग, नगर निगम

महाशिवरात्रि पर मुक्तेश्वर महाराज मंदिर में भव्य शिव महोत्सव

जागरण, मंडीदीप। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पिपलिया गज्जू वार्ड 24 स्थित मुक्तेश्वर महाराज मंदिर में आयोजित भव्य शिव महोत्सव ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। आयोजन में करीब 7 हजार श्रद्धालु निरंतर उपस्थित रहे और पूरा मंदिर परिसर ऊं नमः शिवाय के जयघोष से गूंज उठा। संध्या 7 बजे प्रारंभ हुआ यह दिव्य कार्यक्रम देर रात तक चला,

जिसमें भक्तगण शिवभक्ति में लीन होकर भजनों पर झूमते और नृत्य करते नजर आए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कलाकार एवं संगीतकार कृष्णा पंडित ने शिवरात्रि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं से भक्ति में डूबने का आह्वान किया। वहीं पं. सचिन मिश्रा द्वारा प्रस्तुत देवी भजन एवं शिव स्तुति ने पूरे वातावरण को पूर्णतः भक्तिमय बना दिया। महादेव धुन की प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन के दौरान पांच रत्नियों के साथ भव्य महाआरती संपन्न हुई तथा श्रद्धालुओं को शुद्ध एवं सिद्ध रुद्राक्ष का वितरण किया गया। जज साहब स्व. प्रभु दयाल मारन की स्मृति में समर्पित इस आयोजन में उनके परिवार के निस्वार्थ समर्पण और सहयोग के लिए मंच से आभार व्यक्त किया।

हनुमान चालीसा से सकारात्मक परिवर्तन होता है : रावत

संस्कार संस्थान में पौने दो साल से किया जा रहा पाठ

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी संत हिरदाराम नगर के स्थानीय मैनेजर रजनीश रावत ने कहा है कि प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करने से मानसिक एवं शारीरिक रूप से सकारात्मक परिवर्तन होता है। यह बात उन्होंने पिछले पौने दो साल से हर मंगलवार सुबह आयोजित हनुमान चालीसा कार्यक्रम में इस बार मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन में कही।

समाजसेवी राजू वर्मा की उपस्थिति में रजनीश रावत ने कहा कि प्रतिदिन हनुमान चालीसा करने से हमारी मानसिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन होता है। उन्होंने कहा कि सभी अभी छोटे है, सभी बच्चे अपने लक्ष्य को निर्धारित करें और प्रतिदिन प्रार्थना करें, ऐसा करने से याद करने की शक्ति बढ़ेगी, जिससे अपने लक्ष्य तक पहुंचने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि मैंने अपने जीवन काल में पहली बार किसी विद्यालय में इतनी भक्ति भाव एवं लगन के साथ हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए बच्चों को देखा यह सब देखकर मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है। इस अवसर पर सचिव बसंत चेलानी ने जय श्री राम के जयकारों के साथ आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए एवं परिचय देते हुए कहा कि लगभग सवा साल से हम प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करते आ रहे हैं जिससे बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का भी समावेष हो रहा है।

इस अवसर पर प्राचार्य आरके मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, कोर्डिनेटर सीमा शर्मा, मोन्टेसरी इंचार्ज प्रयांषी आडवानी, सहित समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

राजपूत कांग्रेस सेवादल के ब्लॉक अध्यक्ष

औबेदुल्लागंज। स्थानीय राजनीति में संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता जमुना राजपूत को कांग्रेस सेवादल का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह हैं। राजपूत को जिम्मेदारी मिलने से ब्लॉक स्तर पर सेवादल की सक्रियता में वृद्धि होने की संभावना बढ़ गई है। इस नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजपूत को बधाई दी हैं।

संजीव नगर में 22 तक चलेगा आयोजन

सत्य पर अडिग रहना है श्रीमद् भागवत कथा : पं. आरुष

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। गांधीनगर के समीप जेल रोड स्थित संजीव नगर में इन दिनों श्रीमद् भागवत कथा चल रही है, जिसका सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु श्रवण कर रहे हैं। श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन सत्संग महोत्सव का विशाल आयोजन श्रद्धालुओं में भक्ति की अनूठी रस भावना भर रहा है।

कथावाचक डॉ. आरुष महाराज ने प्रहलाद चरित्र एवं नरसिंह अवतार का वर्णन किया और बताया कि भागवत कथा में प्रह्लाद चरित्र भक्ति आस्था और सत्य पर अडिग रहने का अत्यंत प्रसिद्ध उदाहरण माना जाता है यह कथा मुख्य रूप से श्रीमद् भागवत महापुराण के सातवें स्कंध में वर्णित है। गुरुकुल में भी प्रह्लाद अपने साथियों को विष्णु भक्ति का उपदेश देते थे। जब पिता ने पूछा कि सबसे महान कौन तो प्रह्लाद ने निर्भय होकर कहा कि भगवान विष्णु। प्रतिदिन दोपहर 3 से रात 8 बजे तक भागवत कथा हो रही है। कथा के अंतिम दिन 22 फरवरी को हवन एवं भंडारे का आयोजन किया गया है।

भागवत कथा में प्रसिद्ध कथा वाचक धर्मगुरु डॉ. आरुष महाराज ने कथा के मर्म को अच्छी तरह समझाया, जो वृंदावन धाम से पधारे हैं, इससे काफी आनंद की अनुभूति हुई।

धर्म प्रधान संगठन के आयोजन समिति के अभिषेक द्विवेदी, शैलेश शुक्ला, आशीष द्विवेदी, हेमंत शर्मा, कर्नल थापा, अरविंद अटल, अरविंद मेहरा, आशीष साहू, प्रशांत शुक्ला, कर्नल राठौर, तरुण सिंह और अभिजीत यादव आदि कई लोग भक्ति की इस अलौकिक बेला में प्रतिदिन आ रहे हैं। इन सभी गणमान्य नागरिकों ने शेष चार दिन कथा का आनंद उठाने की आमजन से अपील की है।

SUDOKU 152

					1		7	
		3	2		6	5	9	
5			9					
	9		8		5			
1				9				4
			1		7		2	
					9			8
	6	5	7		2	1		
	2		5					

SOLUTIONS 151

7	8	4	9	3	5	1	2	6
9	6	5	1	4	2	3	8	7
3	1	2	6	7	8	9	4	5
2	4	9	5	6	1	8	7	3
1	5	8	7	9	3	2	6	4
6	3	7	8	2	4	5	1	9
5	2	6	4	1	9	7	3	8
8	7	1	3	5	6	4	9	2
4	9	3	2	8	7	6	5	1

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

कलियासोत नदी में जलकुंभी हटाने का अभियान पड़ा ठप

जागरण, मंडीदीप। भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (जल गंगा मिशन) के तहत बेतवा नदी को स्वच्छ और अविरल बनाए रखने के उद्देश्य से चलाया जा रहा अभियान मंडीदीप की कलियासोत नदी में ठप पड़ गया है।

12 फरवरी से शुरू हुआ जलकुंभी हटाने का कार्य महज दो दिन में ही रुक गया,

मजदूरों ने रोका काम

जिससे प्रशासनिक गंभीरता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। केंद्रीय टीम की फटकार के बाद नगर पालिका परिषद मंडीदीप द्वारा कलियासोत नदी से जलकुंभी हटाने का कार्य प्रारंभ किया गया था। प्रारंभिक दो दिनों में 8 से 10 ट्रॉली जलकुंभी हटाई भी गई, लेकिन पिछले चार दिनों से कार्य पूरी तरह बंद पड़ा है। स्थानीय लोगों में यह चर्चा है कि कहीं यह कार्रवाई केवल औपचारिकता और फोटो सेशन तक सीमित तो नहीं थी। 11 फरवरी को ग्रामीण विकास मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी नितिन खाड़े ने रायसेन जिले में बेतवा नदी के उद्गम स्थल का निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने मंडीदीप, औबेदुल्लागंज और भोजपुर सहित अन्य क्षेत्रों में नदी की स्थिति, जल गुणवत्ता, तटों की दशा और प्रदूषण के कारणों का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) और नगर पालिका परिषद मंडीदीप को कड़ी फटकार लगाते हुए नदी की सफाई एवं संरक्षण के लिए तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

NAME CHANGE

I, Anuvind Harkawat, father of Mridima Harkawat R/O : HB 67, NRI Bungalows, VIP Road, Bhopal 462001, declare that the CISCE 10th Board Marksheet (Statement of Marks)and Pass Certificate Unique ID no 8300188, belonging to my daughter have been misplaced and are not traceable. This publication is meant for issuing of Duplicate Marksheet and Duplicate Pass Certificate.

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई.डी. नं. 1120200147, आवेदन क्रमांक 10816, आवेदन दिनांक 22/01/2026
क्रमांक 1125/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल
दिनांक 24/01/2026
-: आम-सूचनाः-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की इन्द्रपुरी योजना स्थित भूखण्ड क्रं.-01, मेसर्स के.के. राणा एण्ड एसोसिएट के नाम पर अंकित है। मेसर्स के.के. राणा एण्ड एसोसिएट एवं मेसर्स पन्नालाल एण्ड चन्द्रकला द्वारा उक्त भूखण्ड पर निर्मित प्रकोष्ठ क्रं.-307, प्रथम-तल जिसका क्षेत्रफल 65.89 वर्गमीटर का विक्रय दिनांक 22/12/1995, श्री अनिल कुमार गुप्ता आ. श्री ए.पी. गुप्ता एवं श्रीमती संध्या गुप्ता पत्नी श्री अनिल कुमार गुप्ता को किया गया। श्री अनिल कुमार गुप्ता आ. श्री ए.पी. गुप्ता एवं श्रीमती संध्या गुप्ता पत्नी श्री अनिल कुमार गुप्ता द्वारा पुनः प्रकोष्ठ क्र.-307, प्रथम-तल जिसका क्षेत्रफल 65.89 वर्गमीटर का विक्रय दिनांक 21/02/2006, श्रीमती मिथलेष श्रीवास्तव पत्नी श्री राम स्वरूप श्रीवास्तव को किया गया। श्रीमती मिथलेश श्रीवास्तव का स्वर्गवास दिनांक 14/01/2015, को हो जाने के कारण उनके वारिसगण जिनमें श्री राम स्वरूप श्रीवास्तव आ. स्व. श्री रासबिहारी लाल श्रीवास्तव, श्री प्रशान्त श्रीवास्तव, श्री प्रणीत श्रीवास्तव एवं श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव पत्नी श्री राजेष श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, शपथ-पत्र एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र के आधार पर प्रकोष्ठ क्रं.-307, प्रथम-तल जिसका क्षेत्रफल 65.89 वर्गमीटर का नामान्तरण अपने संयुक्त नाम पर चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्ये दस्तावेजो के साथ अधोहताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा। आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति। उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्ये। दस्तावेजो के साथ अधोहताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना संख्या : ए.जी.सी.-ई.एल.जी.-टी.-12-2025-26 दिनांक 16.02.2026
ई-निविदा सूचना
वरि0 मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य), आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु केवल ऑन लाईन (E-Tendering) द्वारा खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।
टेन्डर नं0 : AGC-ELG-T-12-2025-26 | पूर्ण करने की अवधि : 09 माह
कार्य का नाम लोकेशन सहित एवं कार्य पूर्ण करने की अवधि : आगरा डिवीजन में विद्युत आपूर्ति प्रणालियों के लिए कैपेसिटर बैंक की व्यवस्था करके पावर फैक्टर में सुधार करना।
कार्य की अनुमानित लागत : Rs. 12608889.54/- (including GST)
• जानकारी एवं टेन्डर में भाग हेतु Indian Railways website www.ireps.gov.in देखें।
• टेन्डरर्स केवल बेव पोरटल Indian Railways website www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे तक दि0 12.03.2026 तक टेन्डर डाल सकते है। 355/26 (AS)
@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
पत्र सं.: No. JHS/Commercial/e-Auction/2026/166 दिनांक: 06.02.2026
ई-नीलामी सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबंधक (वाणिज्य) झाँसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-
श्रेणी: पे & यूज़ | कैटलॉग संख्या: JHS-PAYUSE-001
स्टेशन विवरण: झाँसी मंडल के अंतर्गत ... रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज़ टॉयलेट का संचालन एवं रखरखाव।
ई-नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समय: दिनांक 21.02.2026 को समय-12:00 से
ई-नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय: दिनांक 21.02.2026 को समय-12:10 तक
नोट- उक्त लॉटों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट -www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 352/26 (D)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

दस्तावेज गुम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार महेश सिंह आ. श्री रामजी सिंह, निवासी मकान नं. जी.6/7, वार्ड नं. 01, दीपनगर, मंडीदीप, तह0गौहरगंज, जिला रायसेन म.प्र., द्वारा एक भूखंड 25 फिट गुणित 24 फिट, बराबर 600 वर्गफिट, जो कि वार्ड क्रमांक 04, खसरा क्रमांक 387, रकवा 00.02 एकड़ के अंशभाग में मंडीदीप, तह. गौहरगंज, जिला रायसेन म.प्र., में स्थित है, को क्रय किया गया है, जिसके दस्तावेज का ई-पंजीयन उपपंजीयक कार्यालय ओबेदुल्लागंज, जिला रायसेन म.प्र. में ग्रथ क्र. 1677, पृष्ठ क्रमांक 5, 01 से 05 तक पर दस्तावेज क्रमांक 1162, दिनांक 11.03.1992 को पंजीबद्ध है, उक्त पंजीवद्ध दस्तावेज, मेरे पक्षकार से आते जाते समय कहीं मिस(गुम) हो गया है, अनेक प्रयत्नों के उपरांत भी मिल नहीं सका है, जिसकी गुम सूचना थाना सतलापुर में दे दी है, उक्त दस्तावेज का मेरे पक्षकार द्वारा किसी भी प्रकार से दुरूपयोग नहीं किया गया है, अगर ऐसा पाया जाता है तो संपूर्ण जवावदारी पक्षकार की होगी या भविष्य में दस्तावेज प्राप्त होता है तो पक्षकार द्वारा संबंधित ऋण प्रदाय करता संस्था को प्रस्तुत करेगा। उक्त दस्तावेज मुझ से कहीं गुम हो गया है, जिन्हे बहुत खोजने पर भी नहीं मिल रहा है। मेरे आलाव अन्य जिस किसी सज्जन को प्राप्त हो मुझे सूचित करें।

भवदीय सरिता शैर्या अधिवक्ता
Office:-Chitransh Enterprises(Chitransh Typing) Mandideep, Distt Raisen M.P.
मो-9425301684

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड रायसेन
दूरभाष क्र. 07482-292040, ईमेल:-eephrai@nic.in
क्रमांक/556/लेखा/का.यं./लो.स्वा.यॉ./खण्ड/रायसेन/2026 दिनॉक :-11/02/2026

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

रायसेन जिले के विकासखंड बाड़ी के विभिन्न ग्रामों में नलजल योजना के माध्यम से ग्रामों में शत् प्रतिशत क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) शेष प्रदाय कार्य हेतु निम्नलिखित तालिका अनुसार ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा फार्म ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम तिथि 20.02.2026 शाम 17:30 है एवं संशोधन केवल वेबसाइट पर देखे जा सकेंगे।

क्र.	आनलाइन टेण्डर आई.डी. क्र.	निविदा क्र.	विकासखंड	ग्राम का नाम	कार्य की अनुमानित लागत राशि रु. लाख में
1.	2026_PHED_481685_1	24	बाड़ी	रायसेन जिले के विकासखंड बाड़ी में नलजल योजना के माध्यम से 03 ग्राम 1. बगलवाडा 2. भारकच्छकलां 3. गोल में शत् प्रतिशत क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) प्रदाय शेष कार्य।	115.06

जी-26001/25
सदस्य सचिव
जिला जल एवं स्वच्छता मिशन एवं
कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड रायसेन
सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं.-1930

राशिफल

मेष : आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भागदौड़ में बीतेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बना सकते हैं। वाहन सुख में वृद्धि होगी।

वृषभ : कारोबार में आर्थिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। आकस्मिक धनलाभ की भी संभावना बन रही है।

मिथुन : कारोबार में बाधाएं आ सकती हैं और कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखना होगा।

कर्क : व्यावसायिक क्षेत्र में विशेष लाभ मिलने के योग रहेंगे। काम की अधिकता रहेगी, लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। उच्च पदाधिकारी आपके कार्य से प्रसन्न रहेंगे।

सिंह : आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। अनावश्यक खर्च की अधिकता से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है।

कन्या : व्यवसाय विस्तार की योजनाएं बनाएंगे, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिलने से मन में व्यग्रता रहेगी। कार्यभार की अधिकता रहेगी।

तुला : आज के दिन नराकात्मक विचारों से दूर रहें, अन्यथा बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, जिससे मन व्यग्र रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक : आज का दिन शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए स्थान परिवर्तन के साथ आय वृद्धि के योग बनेंगे।

धनु : गृह-नक्षत्रों के योग आपके अनुकूल रहेंगे और आर्थिक योजनाएं सफल होगी। व्यावसायिक क्षेत्र में आर्थिक लाभ की स्थिति रहेगी।

मकर : कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में पदोन्नति के योग बनेंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी।

कुंभ : व्यावसायिक गतिविधियों में छोटी-छोटी बाधाएं आ सकती हैं, जिससे मन में अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। सेहत का ध्यान रखें।

मीन : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद में फंस सकते हैं।

आज का पंचांग: 19 फरवरी गुरुवार 2026। **दिशाशूल :** दक्षिण दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** फुलरिया दूज, परमहंस स्वामी रामकृष्ण जयंती। **विशेष :** पंचक। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल. शिशिर ऋतु फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष द्वितीया 16 घंटे तक, तत्पश्चात तृतीया पूर्वभाद्रपद नक्षत्र तत्पश्चात उत्तरभाद्रपद नक्षत्र सिद्ध योग तत्पश्चात साध्य योग कुंभ में चंद्रमा 15 घंटे तक तत्पश्चात मीन में।

भागवत कथा का आयोजन 23 से

औबेदुल्लागंज। ग्राम कालीतलाई में संगीतमय श्रीमद्भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव का आयोजन 23 फरवरी से आयोजित होगा, जिसमें कथा प्रवक्ता पंडित पवन कृष्ण शर्मा बृजधाम अपने मुखारबिंद से कथा की पावन अमृत धारा प्रवाहित करेंगे। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन पूर्णाहुति भंडारा 1 मार्च को होगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित होगी। कथा आयोजक प्रेमनारायण नागर, अवधनारायण नागर, बृजमोहन नागर, गुलाब सिंह नागर आदि ने उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि श्री अक्षय सिंह आत्मज श्री अनिल सिंह, वयस्क, निवासी मकान नंबर बी-7, आकृति रिट्रीट गृह निर्माण, बावड़िया कलाँ, भोपाल द्वारा श्रीमती शोभा सिन्हा पत्नी श्री डी. के. सिन्हा एवं श्री डी. के. सिन्हा आत्मज स्व. श्री बिन्देश्वरी प्रसाद सिन्हा, दोनों वयस्क, दोनों निवासी सिविल लाईन, जबलपुर (म.प्र.) से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की सम्पत्ति एक ऑफिस नंबर एफएफ 14-बी प्रथम तल, जिसका कुल बिल्टअप क्षेत्रफल 1200.00 वर्गफिट एवं सुपर बिल्टअप एरिया 1457.50 वर्गफिट अर्थात् 135.45 वर्गमीटर है तथा जो सर्वोदय शॉपिंग काम्पलेक्स, ग्राम बागमुगालिया, जिला-भोपाल में स्थित है, को क्रय करने हेतु मेरी पक्षकार वित्तीय संस्था आईसीआईसीआई बैंक, भोपाल ब्रांच से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त सम्पत्ति से संबंधित मूल रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 05.03.2008 जो कि मेसर्स असनानी बिल्डर्स एण्ड डेव्हलपर्स लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर श्री विशन असनानी आत्मज श्री एस. असनानी द्वारा श्रीमती गीता अग्रवाल पत्नी श्री एस.सी. अग्रवाल के पक्ष में निष्पादित किया गया है तथा जो उप पंजीयक कार्यालय, भोपाल में पु.क्र. अ-1, ग्रंथ 27869 पर दस्तावेज क्रमांक 3360 (2) देकर पंजीकृत है, कहीं गुम हो गया है तथा बहुत ढुंढने पर भी नहीं मिल पा रहा है। यदि उक्त सम्पत्ति पर किसी बैंक, वित्तीय संस्थान, व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अशासकीय विभाग, नजूल, नगर-निगम, भोपाल आदि का कोई लेना-देना हो या उक्त सम्पत्ति किसी के पक्ष में बंधक, दान, गिरवी, अनुबंधित हो या अन्य किसी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन से 07 दिन के अंदर अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेज मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। ऊपर वर्णित समयावधि में कोई आपत्ति न आने पर मेरी पक्षकार वित्तीय संस्था आईसीआईसीआई बैंक यह मानते हुए कि उक्त दस्तावेज के गुम होने पर किसी को कोई भी आपत्ति नहीं है, उक्त सम्पत्ति को क्रय करने हेतु श्री अक्षय सिंह आत्मज श्री अनिल सिंह को ऋण प्रदान कर देगी तथा भविष्य में मेरी पक्षकार वित्तीय संस्था आईसीआईसीआई बैंक की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

भवदीय राजीव चिमोटे अधिवक्ता
कार्यालयः फ्लैट नंबर टी-7, प्लाट नंबर ,29-ए, तृतीय तल, राजा परिसर, एम.पी. नगर जोन-2, भोपाल
मो.- 09827232096 फोन- 0755 4503607

जाहिर सूचना
कृषि भूमि जिसका खसरा नं.- 5/3/2/2(S), रकबा-0.1010 हेक्टेयर खसरा नं.- 5/3/2/1(S), रकबा-0.3040 हेक्टेयर एंव ख.नं.- 5/5/1(S), रकबा- 1.0120 हेक्टेयर इस प्रकार कुल रकबा 1.4170 हेक्टेयर अर्थात 3.50 एकड़ जो की ग्राम-बीलखेड़ा, प.ह.नं.लीलाखाड़ी,तहसील व जिला-सीहोर (म.प्र.) के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता श्री सौरभ आनंद आत्मज श्री महेशचंद्र अहिरवार, आयु-वयस्क, निवासी-म.नं.एच.49, सौमया विहार, फेस-2, अवधपुरी, भोपाल (म.प्र.) से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि जिसका खसरा नं.-5/3/2/2(S), रकबा-0.1010 हेक्टेयर खसरा नं.-5/3/2/1 (S), रकबा -0.3040 हेक्टेयर एंव खसरा नं.-5/5/1(S), रकबा-1.0120 हेक्टेयर इस प्रकार कुल रकबा 1.4170 हेक्टेयर अर्थात 3.50 एकड़ जो की ग्राम-बीलखेड़ा, प.ह.नं. लीलाखाड़ी, तहसील व जिला-सीहोर (म.प्र.) मे स्थित हैं। को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने विक्रेता को टोकन/बयाना राशि अदा कर दी गई है, इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक व अन्य को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त संपति कही अन्य, दान, हिबा, हस्तांतरण, आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 15 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेंजों के साथ लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात् मेरा पक्षकार उपरोक्त संपति को क्रय करने के सम्बन्ध में विक्रय अनुबंध-पत्र निष्पादित कर शेष राशि का भुगतान विक्रेता को अदा कर विक्रय पंजीयन-पत्र निष्पादित करवा लेगा ओर ऐसी स्थिति कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधन-कारी नहीं होगी ।

भवदीय रिंकू मारण अधिवक्ता
कार्या./निवास-बरखेड़ी कलां भदभदा रोड, भोपाल
मो.- 9098665905, 8269608345

जाहिर सूचना
कृषि भूमि जिसका खसरा क्रमांक-240/3/4 एंव 250/2/2(एस) कुल रकबा 0.709 हेक्टेयर अर्थात 1.75 एकड़ में से 1.50 एकड़ भूमि है जो कि ग्राम-गौरा, वार्ड नं. 26, तहसील-हुजूर, जिला-भोपाल (म.प्र.) के संबंध में

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेता श्री ब्रजलाल आत्मज स्व. श्री बालमुकुंद, आयु-वयस्क, निवासी-27 बरखेड़ी कलां भदभदा रोड भोपाल (म.प्र.) से उनके स्वत्व स्वामित्व एवं आधिपत्य कि कृषि भूमि जिसका खसरा क्रमांक-240/3/4 एंव 250/2/2 (एस) कुल रकबा 0.709 हेक्टेयर अर्थात 1.75 एकड़ में से 1.50 एकड़ भूमि है जो कि ग्राम-गौरा, वार्ड नं. 26, तहसील-हुजूर, जिला-भोपाल (म.प्र.) में स्थित हैं। को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने विक्रेता को टोकन/बयाना राशि अदा कर दी गई है, इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक व अन्य को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त संपति कही अन्य दान, हिबा, हस्तांतरण, आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 15 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेंजों के साथ लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात् मेरे पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का विक्रय अनुबंध-पत्र निष्पादित कर शेष राशि का भुगतान विक्रेता को अदा कर विक्रय पंजीयन-पत्र निष्पादित करवा लेगा ओर ऐसी स्थिति कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधन-कारी नहीं होगी ।

भवदीय रिंकू मारण अधिवक्ता
कार्या./निवास-बरखेड़ी कलां भदभदा रोड, भोपाल
मो.- 9098665905, 8269608345

जाहिर सूचना
कृषि भूमि जिसका खसरा नं.- 5/12(S), 5/9(S), एंव 5/3/1(S), कुल रकबा 1.808 हेक्टेयर अर्थात 4.46 एकड़ जो की ग्राम- बीलखेड़ा,प.ह.नं. लीलाखाड़ी, तहसील व जिला-सीहोर (म.प्र.) के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता श्री बाबूलाल आत्मज श्री जगन्नाथ, आयु-वयस्क, ग्राम -गादिया, बिलकिसगंज सीहोर (म.प्र.) से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि जिसका खसरा नं.-5/12(S), 5/9(S), एंव 5/3/1(S), कुल रकबा 1.808 हेक्टेयर अर्थात 4.46 एकड़ जो की ग्राम-बीलखेड़ा, प.ह.नं. लीलाखाड़ी, तहसील व जिला-सीहोर (म.प्र.) (म.प्र.) मे स्थित हैं। को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने विक्रेता को टोकन/बयाना राशि अदा कर दी गई है, इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक व अन्य को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त संपति कही अन्य, दान, हिबा, हस्तांतरण, आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 15 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेंजों के साथ लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात् मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति को क्रय करने के सम्बन्ध में विक्रय अनुबंध-पत्र निष्पादित कर शेष राशि का भुगतान विक्रेता को अदा कर विक्रय पंजीयन-पत्र निष्पादित करवा लेगा ओर ऐसी स्थिति कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधन-कारी नहीं होगी ।

भवदीय रिंकू मारण अधिवक्ता
कार्या./निवास-बरखेड़ी कलां भदभदा रोड, भोपाल
मो.- 9098665905, 8269608345

जाहिर सूचना
कृषि भूमि जिसका खसरा नं.- 17/1/2/1/1(S) कुल रकबा 0.4990 हेक्टेयर अर्थात 1.23 एकड़ जो की ग्राम आवलीखेड़ा, प.ह.नं. आवलीखेड़ा, तहसील व जिला-सीहोर (म.प्र.) के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता श्री अविनाश रावत आत्मज श्री सरवन सिंह, आयु-वयस्क, निवासी-आवलीखेड़ा, आबिदाबाद, सीहोर (म.प्र.) से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि जिसका खसरा नं.-17/1/2/1 /1(S), कुल रकबा 0.4990 हेक्टेयर अर्थात 1.23 एकड़ जो की ग्राम-आवलीखेड़ा, प.ह.नं. आवलीखेड़ा, तहसील व जिला-सीहोर (म.प्र.) मे स्थित हैं। को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने विक्रेता को टोकन/बयाना राशि अदा कर दी गई है, इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक व अन्य को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त संपति कही अन्य, दान, हिबा, हस्तांतरण, आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 15 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेंजों के साथ लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात् मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति को क्रय करने के सम्बन्ध में विक्रय अनुबंध-पत्र निष्पादित कर शेष राशि का भुगतान विक्रेता को अदा कर विक्रय पंजीयन-पत्र निष्पादित करवा लेगा ओर ऐसी स्थिति कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी ।

भवदीय रिंकू मारण अधिवक्ता
कार्या./निवास-बरखेड़ी कलां भदभदा रोड, भोपाल
मो.- 9098665905, 8269608345

भोपाल को मिली 143 करोड़ रुपए की 18 सड़कें, इनमें से आठ शहर में बनेंगी

पिछली बार से आधी सड़कें भी नहीं मिलीं, बजट भी एक तिहाई हुआ

जागरण संवाददाता, भोपाल। डॉ. मोहन यादव सरकार ने बजट के दौरान भोपाल शहर को कुल 18 सड़कों की सौगात दी है। पिछले बजट में शहर को कुल 41 सड़कें मिली थीं। इस हिसाब से शहर को पिछली बार की तुलना में आधी सड़कें भी नहीं मिल सकी हैं। इन सड़कों के निर्माण पर कुल 143.4 करोड़ रुपए खर्च होंगे। पिछले बजट में 425 करोड़ मिले थे। हालांकि सड़कों पर यह राशि खर्च नहीं हो सकी। नतीजतन 41 सड़कें नहीं बन सकीं। इस बार के बजट में मिली 18 सड़कों में से 8 शहरी क्षेत्र में और 10 ग्रामीण क्षेत्रों में बनाई जाएंगी। शहर में चल रहे मेट्रो कार्य के लिए भी बजट दिया गया है। जिससे तेज रफ्तार से चल रहा काम फिलहाल तेजी के साथ ही चलता रहेगा। बता दें कि शहर में सुभाष नगर से करोंद तक ऑरेंज लाइन और खजूरी से भदभदा तक ब्लू लाइन का निर्माण चल रहा है।

इन सड़कों के प्रस्ताव किए गए हैं मंजूर

कहां से कहां तक (शहरी सड़कें)	लंबाई	खर्च होने वाली राशि
बरखेड़ीकलां से बरखेड़ीखुर्द	2 किमी	8 करोड़
से वास्तु विहार कॉलोनी	4.50 किमी आंतरिक मार्ग	7.63 करोड़
डीएम स्कूल बरखेड़ा पठानी से भेल सीवेज	3 किमी	5 करोड़
प्लांट व्हाया लहारपुर		
एम्स अस्पताल से डीआरएम ऑफिस	1 किमी	2 करोड़
सागर पब्लिक स्कूल साकेत नगर से 9 ए बीडीए कॉम्पलेक्स	1 किमी	3 करोड़
गैलेक्सी टॉवर से विक्रोय कॉलोनी	500 मीटर सीसी रोड	3 करोड़
भेल संगम, रजत विहार से दानिश नगर	1 किमी	3.87 करोड़
डोबरा से गांधी नगर	2 किमी	2 करोड़

यह सड़कें भी बनाई जाएंगी

कहां से कहां तक (ग्रामीण सड़कें)	लंबाई	खर्च होने वाली राशि
टीलाखेड़ी, देहरीकलां से झागरिया सरवर	10 किमी	10 करोड़
कुराना	1.20 किमी	2.40 करोड़
तारा सेवनिया, गुराड़िया, पृथ्वीपुरा, मन्नीखेड़ा, खेजड़ा देव	9 किमी	16 करोड़
गुनगा से गरोठिया	2 किमी	2.50 करोड़
खारपा गांव	500 मीटर	1 करोड़
अमझरा से पड़रिया जाट	3.20 किमी	4.50 करोड़ रुपए
बावड़ियाकलां रेलवे फाटक से बावड़िया गांव	डेढ़ किमी	3 करोड़
पिपलिया धाकड़ से फंदाखुर्द मार्ग पुल-पुलियाओं का मजबूतीकरण	----	1.5 करोड़
एनएच-356	35 किमी	70 करोड़
भोपाल बायपास से डोबरा, कोठार, धर्मा, नलखेड़ा, खजूरिया, रामदास बैरसिया मार्ग	44 किमी	----

नहीं हुए पिछले बजट के यह काम

पिछले बजट में शैतान सिंह तिराहे से कोलार मेन रोड को जोड़ने वाली सड़क और बावड़िया के प्रस्तावित आरओबी की एप्रोच रोड का काम होना था। एक साल में यह काम नहीं हो सके हैं।

सड़क-पुल निर्माण के जरिये किया जाएगा बेहतर संपर्क

बजट दस्तावेज के अनुसार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सड़क विकास कार्य किए जाएंगे। बजट में सड़कों और पुलों के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है। दस्तावेज के अनुसार ग्रामीण और शहरी संपर्क को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सड़क विकास कार्य किए जाएंगे। साथ ही, पूंजीगत निवेश के अंतर्गत विभिन्न निगमों और मंडलों द्वारा 17,350 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश का भी उल्लेख है। सीएम मजरा टोला के तहत 20900 किमी सड़क बनाने का स्टेटस दिया गया है। सड़क रिपेयर के लिए 12,690 करोड़ का प्रावधान है।

8 वीं तक की छात्रों को टेट्रा पैक दूध

इस तरह आया बजट: उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा बुधवार को इसी लाल बैग को लेकर बजट भाषण के लिए विधानसभा में पहुंचे। यह पहली बार है जब मध्यप्रदेश में पेपरलैस बजट प्रस्तुत किया गया।

देवड़ा ने बताया कि कक्षा 1 से 8 वीं तक के छात्रों को शासकीय संस्थानों में टेट्रा पैक(पोषण युक्त) दूध उपलब्ध कराया जाएगा। यह यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना के तहत मुफ्त में उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य बच्चों में कुपोषण को कम करना और पोषण स्तर में सुधार लाना है।

सिंहस्थ के लिए 13,851 करोड़: देवड़ा ने बताया कि सिंहस्थ के लिए 13हजार 851 करोड़ के कार्य स्वीकृति किए गए है। सिंहस्थ के लिए वित्तीय वर्ष के दौरान 3 हजार 60 करोड़ के बजट रखा गया है। जिससे वहां अधोसंरचना ,यातायात,सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए खर्च किया जाएगा।

दो साल में मिले 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव: देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नवाचार के चलते प्रदेश को पिछले 2 सालों में 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले है। वर्तमान परिदृश्य पर नजर डालें तो 19300 एकड़ भूमि पर औद्योगिक संस्थान और आईटी पार्क स्वरुप ले रहे है। उद्यम क्रांति योजना के तहत 16,451 युवाओं को ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

संबल योजना के लिए 950 करोड़ का प्रावधान : देवड़ा ने बताया कि सरकार ने बजट के माध्यम से अगले वित्तीय वर्ष के दौरान श्रम विभाग को 1 हजार 335 करोड़ का बजटीय प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री जनकल्याण(संबल)योजना के अंतर्गत 950 करोड़ की राशि रखी गई है।

मेट्रो ट्रेन के लिए 656 करोड़ : बजट में इंदौर और भोपाल के मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए 656 करोड़ की राशि रखी गई है। देवड़ा ने कहा कि इस राशि का उपयोग कर मेट्रो परिसंचलन के जरिए लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। विशेष रुप से भोपाल की ऑरेंज और ब्लू लाइन के अलावा इंदौर मेट्रो के कार्यो को गति दी जाएगी।

गरीब कल्याण: सामाजिक सुरक्षा को आर्थिक नीति के केंद्र में रखा गया

सामाजिक क्षेत्र के लिए 56478 करोड़ आवंटित, पिछले साल से 15% अधिक

बजट 2026-27 में 'गरीब कल्याण' को सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि राज्य की आर्थिक नीति अब केवल विकास परियोजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा और समावेशी विकास को भी समान महत्व दिया जा रहा है। सरकार ने सामाजिक क्षेत्र जिसमें स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय और कमजोर वर्गों के लिए योजनाएं शामिल हैं, के लिए 56,478 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। यह राशि पिछले वर्ष के 48,928 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक है।

यह बढ़ोतरी दर्शाती है कि सरकार सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का दायरा मजबूत करना चाहती है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए 2,857 करोड़ रुपए का अलग से प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन सहायता, विधवा पेंशन और अन्य प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को न्यूनतम आय सुरक्षा प्रदान करना है, ताकि वे जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। सरकार ने स्वास्थ्य और पोषण को भी गरीब कल्याण से जोड़ा है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, मातृ एवं शिशु देखभाल, पोषण कार्यक्रमों और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विकास के माध्यम से सामाजिक असमानताओं को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों तक गरीब वर्ग की पहुंच बढ़ाने की रणनीति स्पष्ट होती है। राज्य ने बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) आधारित बजटिंग को अपनाया है। यह दृष्टिकोण आय के आधार पर गरीबी को नहीं आंकता, बुनियादी सेवाओं तक पहुंच जैसे पहलुओं को भी शामिल करता है।

एससी, एसटी और पिछड़े वर्ग के लिए प्रावधान

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए भी अलग से बजट प्रावधान किया गया है। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण, जनजातीय कार्य और अनुसूचित जाति कल्याण विभागों के लिए कुल 24,024 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है (पृष्ठ 35)। यह पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्शाता है। पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और घुमंतू समुदायों के लिए 1,691 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान हेतु 793 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य आदिवासी बहुल गांवों में बुनियादी सुविधाएं, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसर बढ़ाना है। ग्रामीण विकास विभाग के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। वर्ष 2025-26 के 21,620 करोड़ रुपए की तुलना में 2026-27 में 29,663 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। पंचायत विभाग और नगरीय विकास के साथ मिलाकर कुल 61,665 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

क्या होता है रोलिंग और शून्य बजट

बजट में वित्त मंत्री ने रोलिंग बजट पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट रोलिंग आधारित है, यानी कि अगले 3 सालों के रोडमैप को ध्यान में रखकर बनाया गया है। जिसमें यह तय होगा कि क्या काम कराए जाएंगे और उन्हें किस स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा। दरअसल रोलिंग बजट को सतत बजट के तौर पर देखा जाता है। एक निश्चित अवधि समाप्त होने पर अगले महीने या तिमाही स्वतः ही उसमें जुड़े जाता है, यानी कि निर्धारित समय के बाद अगले समय तक लिए राशि स्वीकृत मानी जाती है। इसी तरह जीरो बजट में बीते वर्ष के खर्चो को आधार नहीं मानते हुए प्रत्येक नए चक्र में बजट शून्य से तैयार किया जाता है। इसमें हर व्यय को क्यों और कैसे सिद्ध करना होता है।

228 बर्थ वेटिंग रूम होंगे स्थापित

देवड़ा ने कहा कि सरकार का ध्यान स्वास्थ्य सेवाओं पर भी है। स्वास्थ्य मानव की पूंजी है। इसी अवधारणा को ध्यान में रखते हुए सरकार प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के उन राज्यों में अग्रणी है,जहां डिजिटल स्वास्थ्य की पहल की गई है। सरकार का विशेष ध्यान उच्च जोखिम वाले दूरस्थ क्षेत्रों पर है, जहां की गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के लिए विशेष प्रावधान इस बजट में किए जा रहे है। सरकार ऐसे क्षेत्रों में इन महिलाओं के लिए स्वास्थ्य संस्थाओं में 228 बर्थ वेटिंग रुम स्थापित किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भारतीय चिकित्सा पद्धति के माध्यम से निदान और उपचार की दिशा में तेजी से काम कर रही है।

22363 करोड़ रुपए: स्वास्थ्य क्षेत्र को 13 फीसदी आवंटन

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए वर्ष 2026-27 में 22,363 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो 2025-26 के पुनरीक्षित अनुमान 21,731 करोड़ रुपए से अधिक है । इससे जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में संसाधन उपलब्ध होंगे। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि उपचार तक पहुंच में असमानता कम हो।

आयुष विभाग के लिए 1,210 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने की नीति को दर्शाता है। इससे वैकल्पिक और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को गति मिलेगी।

भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के लिए भी 175 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है, जो दीर्घकालिक स्वास्थ्य सहायता और पुनर्वास प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बजट के व्यापक परिप्रेक्ष्य में भी स्वास्थ्य को प्रमुख मद के रूप में दर्शाया गया है, जहां कुल व्यय का लगभग 13 प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य क्षेत्र को आवंटित है। यह अनुपात बताता है कि बुनियादी ढांचे और कृषि के साथ-साथ मानव विकास को भी समान महत्व दिया जा रहा है।

प्रतिक्रिया बजट पर भोपाल के कारोबारी संगठनों की राय मिली-जुली

इकोनॉमी बढ़ेगी लेकिन व्यापारियों की आस रही अधूरी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार के मंगलवार को आए बजट के बाद प्रदेश के कारोबारी जगत से मिली जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। राज्य के इस बजट से व्यापारिक संगठनो को काफी आस थी, लेकिन इनमें से अधिकांश पूरी न हो सकीं। डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के बजट अभिभाषण में एक तरफ जहां प्रदेश के इंफ्रा सेक्टर के साथ महिलाओं और युवाओं को प्रोत्साहित करने वाली नई नीतियों की सौगात मिली वहीं राच्य के करों में कमी, लाइसेंस के नियमों में सरलीकरण एवं प्रदेश में ई कॉमर्स पॉलिसी को लेकर कई उम्मीदें थीं जो इस साल पूरी नहीं हो सकीं।

नई व्यापार नीति लाएं वित्त मंत्री

प्रदेश सरकार के बजट के बाद भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष गोविंद गोयल ने कहा कि इस बजट में कारोबारियों और उद्योगपतियों की आशाएं पूरी नहीं हुई हैं। उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि व्यापारियों को आस थी कि भोपाल समेत प्रदेश के अन्य हिस्सों में उद्योग लगाने और नए कारोबार की स्थापना को लेकर विशेष रियायतों की घोषमा की जाएगी। गोयल के मुताबिक प्रदेश सरकार को सबसे च्यादा रेवेन्यू व्यापारी और इंडस्ट्री से मिलता है, ऐसे में उनके लिए कोई घोषणा होती तो इसका आर्थिक फायदा भी राज्य सरकार को मिलता। उन्होंने मांग उठाई है कि बजट के बाद वित्त मंत्री व्यापारियों और उद्योगपतियों की सलाह के अनुसार ऐसी योजना बनाए जिससे भोपाल और अन्य शहरों में नए कारोबार आसानी से शुरु किए जा सकें।

शिक्षा कौशल, उद्योग रोजगार पर फोकस: चतुर्वेदी

सीआईआई मध्यप्रदेश के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा है कि राज्य सरकार के बजट को रोजगार,उद्योग और शिक्षा कौशल विकास पर संतुलित फोकस है।48 नए औद्योगिक पार्कों की घोषणा राज्य में विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करेगी,जिससे स्थानीय रोजगार सृजन और एमएसएमई वृद्धि को बल मिलेगा। इसी तरह बजट में पूंजीगत व्यय को 1 लाख से अधिक रखने का निर्णय आधारभूत ढांचे तथा औद्योगिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। शिक्षा और कौशल मं वृद्धि परभी बजट में जोर दिया गया है। चतुर्वेदी ने कहा कि उनका ऐसा मानना है कि यह बजट उद्योग,नवाचार एवं कुशल कार्यबल के विकास के लिए प्रोत्साहित देता है और राज्य को एक मजबूत आर्थिक तथा औद्योगिक केन्द्र के रुप में स्थापित करने में मदद मिलेगा।

नहीं मिली स्थानीय व्यापार संरक्षण और ई कॉमर्स नीति

देश में व्यापारियों की सबसे बड़ी संस्था कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा के अनुसार बजट में महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे के विस्तार, कृषि समर्थन तथा शिक्षा-स्वास्थ्य क्षेत्र में नए प्रावधान सराहनीय हैं, जो समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे। कास तौर से महिलाओं के लिए योजनाएं, मेट्रो व सड़क परियोजनाओं और ग्रामीण विकास पर फोकस से प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुधरेगी। इसके अलावा व्यापारियों को आस थी कि एमएसएमई और लघु व्यापारियों को कर राहत, लाइसेंस प्रक्रिया में सरलीकरण, स्थानीय व्यापार संरक्षण, ई ऑमर्स नीति और युवाओं के लिए उद्योग लगाने के लिए ठोस प्रावधान की उम्मीदें थीं, जो पूरी नहीं हो पाईं। शर्मा के मुताबिक विकास योजनाओं के साथ व्यापार और उद्योग को भी मजबूत करने की रणनीति जोड़ी जाती तो यह बजट प्रदेश की आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता के लिए च्यादा बेहतर साबित हो सकता था है।

7.95 लाख विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता

शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 7 लाख 95 हजार विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। वहीं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सरदार पटेल कोचिंग योजना के अंतर्गत 4 हजार विद्यार्थियों को लाभ देने का लक्ष्य तय किया गया है। सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए भी बड़े स्तर पर बजट का प्रावधान किया गया है।

11,277 गांवों के लिए 793 करोड़

जनजातीय क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार ने 11,277 गांवों के लिए 793 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। इसका उद्देश्य इन इलाकों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है।

कल्याण विभाग के लिए 815 करोड़

सीएम युवा शक्ति योजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्र में सर्व सुलभ स्टेडियम बनाए जाने की व्यवस्था की जा रही है. कल्याण विभाग के लिए 815 करोड़ का बजट तय किया गया है। लाड़ली लक्ष्मी योजना में 52 लाख 29 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया गया है। सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए श्रम विभाग के लिए 1335 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान प्रस्तावित किया है। इस बजट का उद्देश्य मजदूरों, असंगठित क्षेत्र के कामगारों और गरीब वर्ग को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ना है।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	31.6	10.1
मुंबई	32.1	20.4
चेन्नई	35.8	17.5
कोलकाता	29.0	16.3

सूर्यास्त 6:17 PM
सूर्योदय 6:53 AM
चन्द्रोदय 06:05 AM
चन्द्रास्त 05:17 PM

धार में चूना खदान और सीमेंट फैक्ट्री के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का आक्रोश, उग्र विरोध-प्रदर्शन

सैंपलिंग टीम पर हमला, तहसीलदार का वाहन पलटने की कोशिश, पुलिस पर किया पथराव

जागरण, धार। प्रदेश के धार जिले के कुक्षी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टकारी में प्रस्तावित चूना खदान और सीमेंट फैक्ट्री को लेकर बुधवार को हालात अचानक बेकाबू हो गए। सैंपलिंग के लिए पहुंची टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। आक्रोशित भीड़ ने टीम के वाहनों में तोड़फोड़ की और तहसीलदार के वाहन को पलटने की कोशिश की। ग्रामीणों ने तहसीलदार और पुलिस की गाड़ी पर जमकर पथराव किया। पत्थरबाजी में पुलिस और प्रशासन के कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मामला कुक्षी थाना क्षेत्र के खेड़ली गांव का है। पत्थरबाजी के वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें भीड़ तहसीलदार की गाड़ी को पलटने की कोशिश करती दिख रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि चूना खदान और सीमेंट फैक्ट्री खुलने से उनकी जमीन बंजर हो जाएगी और विस्थापन का खतरा बढ़ जाएगा।

9 थानों का बल तैनात किया

प्रस्तावित चूना फैक्ट्री और खनन को लेकर ग्रामीण लंबे समय से विरोध कर रहे हैं। प्रशासन की टीम ड्रिलिंग और सर्वे कार्य के लिए गांव पहुंची थी। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के तहत 9 थानों का पुलिस बल तैनात किया था। इसके बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं मौके पर एकत्र हो गए। विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने बीच सड़क पर बैठकर पुलिस के काफिले को रोक दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि भीड़ ने अधिकारियों की गाड़ियों और मशीनों पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। हालात बिगड़ते देख प्रशासनिक टीम को बिना सर्वे किए वापस लौटना पड़ा। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

राजस्थान की कंपनी को लीज पर दी भूमि

ग्रामीणों का कहना है कि खनन के बाद यहां सीमेंट फैक्ट्री स्थापित की जाएगी। सीमेंट फैक्ट्री की वजह से कृषि भूमि प्रभावित होगी। आसपास के लोगों को विस्थापन का खतरा बढ़ेगा। इसी वजह से कुक्षी, बाग और जोबट ब्लॉक के कई गांवों के लोग चूना खदान का विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, खनिज विभाग ने 11 मार्च 2025 से राजस्थान की श्री सीमेंट कंपनी को कुक्षी क्षेत्र के बामनबयड़ी गांव में 913 हेक्टेयर, ग्राम टकारी, तलावड़ी और घोड़ा में 815 हेक्टेयर भूमि चूना पत्थर खदान के लिए तीन साल की लीज पर दी है। इससे पहले भी कंपनी की ड्रिलिंग का ग्रामीणों ने विरोध किया था।

पहले भी हुआ था चक्काजाम

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि कुक्षी के विजय स्तंभ चौराहा पर पहले भी चक्काजाम किया था। इसके बाद प्रशासन ने अस्थायी रूप से ड्रिलिंग कार्य स्थगित कर दिया था, उस समय कलेक्टर प्रियंका मिश्रा ने ग्राम मोगरा पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत की थी। ग्रामीणों ने कहा कि कलेक्टर ने आश्वासन दिया था कि जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की सहमति के बिना कोई कार्य नहीं किया जाएगा, लेकिन उनकी सहमति के बिना ही खनन प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

सोना गड़ा होने का लालच देकर प्राचार्य से ड्राइवर ने की एक करोड़ की ठगी

जागरण, नर्मदापुरम। जिले के डोलरिया शासकीय कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राकेश वर्मा से उनके ही ड्राइवर अंकित शर्मा ने 7 किलो सोना गढ़ा होने का लालच और जेल भेजने का भय दिखाकर 1 करोड़ 4 लाख 14 हजार 150 रुपए ठग लिए। आरोपी, निवासी आदर्श नगर, पहले प्राचार्य की कार चलाता था और कालिका नगर स्थित उनके मकान में रहता था, उसने तंत्र-मंत्र और दफीना निकालने की मनगढ़ंत कहानी सुनाई तथा उज्जैन के कथित महाराज से सोना निकलवाने के नाम पर 2 लाख रुपये मांगे। खुदाई के बाद एक पोटली तिजोरी में रखवाई और चेतावनी दी कि खोलने पर अनिष्ट होगा। कुछ दिनों बाद आरोपी ने महाराज की गिरफ्तारी और प्राचार्य का नाम आने की झूठी कहानी गढ़ी। जेल से बचाने के बहाने डेढ़ साल तक नकदी, बैंक खातों और गोल्ड लोन के जरिए रकम ऐंठता रहा। ठगी का खुलासा होने पर प्राचार्य ने कोतवाली थाने में शिकायत की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बीएनएस की धाराओं 308(6), 308(7) और 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परासिया नपाध्यक्ष को न्यायालय ने भेजा जेल

जागरण, छिंदवाड़ा। जिले के परासिया नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय को चांदामेटा पुलिस ने मंगलवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया है। परासिया नपा अध्यक्ष पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाए थे। बुधवार दोपहर को पुलिस ने नगर पालिका अध्यक्ष को छिंदवाडा कोर्ट में पेश किया, जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया है। बता दें कि पिछले दिनों चांदामेटा थाना क्षेत्र की एक महिला ने नगर पालिका अध्यक्ष पर संबंध बनाने के लिए दबाव डालने, पति की नौकरी स्थाई करने का लालच देने संबंधी कई गंभीर आरोप लगाए थे। इतना ही नहीं महिला ने घर की बाउंड्रीवाल भी तोड़ने के आरोप लगाए गए थे। इस मामले का ऑडियो वायरल होने के बाद विनोद मालवीय को भाजपा ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी से निष्कासन के बाद उनके विरुद्ध दो केस दर्ज किए गए। महिला की शिकायत पर बीएनएस और आईटी एक्ट के तहत प्रकरण परासिया थाने में कायम किया गया था। चांदामेटा थाने में भी महिला की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ है।

ऑडियो वायरल होने के बाद भाजपा कर चुकी है पार्टी से निष्कासित

एएसआई के एसपी को वीडियो भेजने के बाद कार्रवाई

अवैध रेत के 5 ट्रैक्टर पकड़ 4 छोड़े टीआई व एसआई सहित 7 सस्पेंड

जागरण, मुरैना। रेत माफिया से सांठगांठ कर जब्त ट्रैक्टर-ट्राली छोड़ने वाले थाना प्रभारी, उप निरीक्षक सहित 7 पुलिस कर्मियों को पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन पर रेत माफिया से मिलीभगत व भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। मौके पर तैनात एक एएसआई ने वीडियो बनाकर पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ को भज दिया था। बताया जाता है कि पुलिस टीम ने सोमवार को दबिश देकर 5 ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत का अवैध परिवहन करते पकड़ा था, लेकिन टीआई शंभूदयाल बाथम ने केवल एक ट्रैक्टर-ट्राली पर कार्रवाई कर अन्य चार को छोड़ दिया था। इसे लेकर एएसआई कमलेश कुमार का टीआई से विवाद हो गया। एएसआई ने कार्रवाई का वीडियो एसपी को भेज दिया। वीडियो देखने के बाद एसपी ने बुधवार को सख्त कार्रवाई करते हुए पूरी टीम को निलंबित कर दिया। इनमें वीडियो भेजने वाला एएसआई भी शामिल है। एएसआई के अलावा थाना प्रभारी बाथम तथा आरक्षक ऋषि शर्मा, सनत कुमार, प्रवीण कुमार, किशन सिंह शामिल है। टीआई का इन आरोपों पर कहना था कि चंबल नदी से अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई करते हुए 5 ट्रैक्टर-ट्राली पकड़े थे। कार्रवाई करते हुए स्थानीय लोग घेरकर खड़े हो गए। हमारे पास बल कम था, कार्रवाई करने से स्थिति बिगड़ सकती थी। इसके चलते जो ट्रैक्टर हाथ में था, उसे ही थाने लेकर पहुंचे। पूरी टीम को निलंबित करने के साथ ही मामले की विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

कूनो में फिर गूंजी किलकारी, दूसरी बार मां बनी चीता गामिनी ने जन्में तीन शावक

जागरण, श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क में एक बार फिर किलकारियां गूंजी हैं, दरअसल साउथ अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी बुधवार को दूसरी बार मां बनी है, उसने 3 शावकों को जन्म दिया है। गामिनी ने यह खुशी साउथ अफ्रीका से आए चीतों के 3 साल पूरे होने के दिन दी, इस तरह उसने इस खुशी को दोगुना कर दिया। इसके साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 38 हो गई है। यह जानकारी श्योपुर डीएफओ, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बधाई देते हुए लिखा चीतों के पुनर्स्थापन का सशक्त केंद्र मध्यप्रदेश अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रोजेक्ट चीता के अंतर्गत दक्षिण अफ्रीका से आई मादा चीता 'गामिनी' ने 3 शावकों को जन्म दिया है। श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में आए चीतों के 3 वर्ष पूर्ण होने के साथ यह 9वां सफल प्रसव है। भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर अब 38 हो गई है। यह पूरे देश के लिए वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस उपलब्धि को भारत के ऐतिहासिक संरक्षण अभियान की बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट चीता के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

डीएफओ आर थिरूकुरल ने बताया है कि सभी शावक स्वस्थ्य हैं। कूनों के डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा कि कूनो नेशनल पार्क में लगातार मिल रही सफलताएं चीता पुनर्स्थापना परियोजना की प्रभावशीलता को दर्शाती हैं।

शक्तिपुंज एक्स. से चार नाबालिग सुरक्षित बरामद

कटनी में रेलवे सुरक्षा बल का बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन

जागरण, कटनी। जिले में रेलवे सुरक्षा बल और बाल कल्याण समिति ने मिलकर बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन किया, जहां गुजरात जा रही शक्तिपुंज एक्सप्रेस से चार नाबालिग बच्चियों को संदिग्ध हालात में बरामद किया गया। पुलिस को देखते ही ट्रेन में हड़कंप मच गया और बच्चियां भागने लगीं, लेकिन टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित पकड़ लिया। जानकारी के मुताबिक चारों बच्चियां झारखंड के पलामू जिले की रहने वाली हैं और गुजरात की ओर जा रही थीं। आरपीएफ को खबर मिली थी कि चार नाबालिग बच्चियां दो संदिग्ध युवकों के साथ ट्रेन में सफर कर रही हैं। सूचना मिलते ही आरपीएफ टीआई वीरेंद्र सिंह अपनी 11 सदस्यीय टीम और बाल कल्याण समिति के पांच सदस्यों के साथ न्यू कटनी जंक्शन पहुंच गए, जैसे ही ट्रेन स्टेशन के आउटर पर पहुंची और टीम की मौजूदगी का आभास हुआ, ट्रेन में चैन पुलिंग कर दी गई। चारों बच्चियां ट्रेन से उतरकर भागने लगीं। हालांकि टीम ने तेजी दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया।

बिजनेस प्लस

सीआईआई-एनबीसीसी प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन

नई दिल्ली। श्री श्रीनिवास कटिकिथला, सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने घिटोरनी में सीआईआई-एनबीसीसी प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर रवि कुमार अरोड़ा, संयुक्त सचिव, एमओएचयूए, केपी महादेवास्वामी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी, डॉ. सुमन कुमार, निदेशक (वाणिज्य) एनबीसीसी और एनबीसीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद रहे। भारत में कौशल अंतर को पाटने और रोजगार क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एनबीसीसी और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने दिल्ली के घिटोरनी में एक बहु-कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एमएसटीआई) और एक मॉडल करियर सेंटर (एमसीसी) की स्थापना करने के लिए सहयोग किया है। यह सहयोग उद्योग से संबंधित कौशल प्रदान करके, रोजगार क्षमता को सुगम बनाकर भारत के युवाओं को सशक्त बनाता है और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करता है।

जल्द मिलेगा सैमसंग गैलेक्सी कैमरा का नया अनुभव

नई दिल्ली। सैमसंग शीघ्र ही गैलेक्सी कैमरा का नया और अधिक सहज अनुभव प्रस्तुत करने जा रहा है, जिससे सामग्री निर्माण पहले से कहीं अधिक सरल हो जाएगा। दिन में खींची गई तस्वीर को कुछ ही क्षणों में रात्रि जैसा रूप देना, चित्र के हटे हुए भाग को पुनः जोड़ना या अनेक तस्वीरों को मिलाकर आकर्षक छवि बनाना अब अत्यंत आसान होगा। पहले ऐसे कार्यों के लिए विशेष कौशल और लंबा समय आवश्यक होता था, पर अब केवल कुछ शब्दों में निर्देश देकर यह सब किया जा सकेगा। यह अब तक के सबसे प्रकाशमान गैलेक्सी कैमरा तंत्र पर आधारित संपूर्ण अनुभव होगा। नवीनतम गैलेक्सी कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक चित्र लेना, संशोधन करना और साझा करना—इन सभी प्रक्रियाओं को एक ही सहज माध्यम पर उपलब्ध कराएगी।

उत्तर मध्य रेलवे
ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्या	अनुमानित लागत रु.	अमानत राशि
झाँसी-इन्जी0-ई-2026-24	12117587.65	210600.00

कार्य का नाम: सिविल इंजीनियरिंग वर्क फॉर प्रोविजन ऑफ इंटरलॉकिंग ऑफ एलसी गेट्स नंबर 394,406, 409,410 एंड एस-46 हैविंग टीवीयू ग्रेटर देन 10,000 एंड < 20000 ऑफ झाँसी डिवीजन।
निविदा बन्द होने की तिथि: 11.03.2026 at 15:00 hrs.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 10 माह
• निविदा दिनांक 11.03.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 354/26 (ADM)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये उप मुख्य विद्युत इंजीनियर गति शक्ति यूनिट एवं प्रोजेक्ट झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई- टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।
कार्य का नाम: JHS-GSU-2026-02 अमृत भारत योजना के अन्तर्गत उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी डिवीजन श्योपुर कलां रेलवे स्टेशन के सेवा कार्य के विकास का विधुत सामान्य सेवा कार्य.
ई-निविदा सूचना संख्या: झांसी/जीएसयु/ई.एल.जी-2026-02 | **अनुमानित लागत:** ₹ 28891385.70
निविदा बन्द होने की तिथि: 12.03.2026 | **अमानत राशि:** ₹ 294500.00
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह
निविदा दिनांक 12.03.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 364/26(DG)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
टेन्डर नोटिस नं. 04/2026 **ई-निविदा सूचना** दिनांक: 16.02.2026

वरि.मं.सिग.एवं.दूर.सं.इंजी.,उत्तर मध्य रेलवे, आगरा भारत द्वारा राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली निविदा" केवल ऑनलाइन माध्यम द्वारा (ई-टेन्डरिंग) आमंत्रित की जाती है:-
ई-निविदा सं.: आगरा-एसटी-2026-13 | **कार्य की लागत:** ₹ 3,20,83,908.48
कार्य का नाम: आगरा मंडल के फ्राउशर मेक मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर्स AGC-BHA, BHA-JJ, JJ-MIA, MIA-DHO (AGC-DHO सेक्शन) के लिए तीन साल की अवधि के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव का अनुबंध।
निविदा बन्द दिनांक: 12.03.2026
निविदा की पूर्ण जानकारी एवं ऑनलाइन जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करे। निविदाकार अपनी निविदा उपरोक्त वर्णित दिनांक को 15.00 बजे तक भारतीय रेलवे की वेबपोर्टल www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन जमा कर सकते है। इस निविदा के अन्तर्गत मैनुअल निविदा स्वीकार नही की जायेगी एवं प्राप्त मैनुअल निविदाओ पर विचार नहीं किया जायेगा। 356/26(DG)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पूर्व मध्य रेल
(निर्माण विभाग)
ई-निविदा सूचना सं0 : पूमरे-मुप्रअ-नि-उ-ईटीएन-38-25-26

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का नामः समस्तीपुर – हसनपुर – खगड़िया (लगभग 85 किलोमीटर लंबाई) के दोहरीकरण के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) का संचालन करना। इसमें समतलीकरण, संरेखण, मृदा अन्वेषण, योजनाओं की तैयारी, एल-सेक्शन, पुलों की जीएडी योजनाएं आदि, मात्राओं का बिल, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी और समस्तीपुर डिवीजन, ई.सी. रेलवे के अंतर्गत समस्तीपुर – हसनपुर – खगड़िया (लगभग 85 किलोमीटर लंबाई) के अंतिम स्थान सर्वेक्षण से संबंधित अन्य सहायक गतिविधियों सहित विस्तृत इंजीनियरिंग सर्वेक्षण करना शामिल है। कार्य लगभग मूल्यः रू 2,04,00,000.00 निविदा हेतु अग्रधन राशि जमाः रू 2,52,000 निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः 09.03.2026, चौदह तीस बजे। वेबसाइट का विवरण, नोटिस बोर्ड जहां पर निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहां पर निविदा प्रपत्र खरीदा सकता है इत्यादिः उपरोक्त ई-निविदा के ई- निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/उत्तर/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना के कार्यालय में देखा जा सकता है। द्रष्टव्यः निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पन्द्रह दिन पहले वेबसाईट http://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण
पूर्व मध्य रेलवे, महेन्द्रूघाट, पटना
पीआर/1800/एमएचएक्स/टी/25-26/56

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना सं.: 2026-फरवरी-02 दिनांक: 16.02.2026
ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेल आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये 'खुली निविदा' ई-टेण्डरिंग केवल ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।
क्र.सं.: 1 | निविदा सं.: 2026-फरवरी-02-01 | अनुमानित लागत (रू.): ₹ 79826246.16
कार्य का विवरण : बहुमंजिला रनिंग रूम नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में मौजूदा डॉरमेट्री कमरों से भीड़ कम करने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 50 कमरे (100 बेड) का प्रावधान।
क्र.सं.: 2 | निविदा सं.: 2026-फरवरी-02-02 | अनुमानित लागत (रू.): ₹ 31854590.55
कार्य का विवरण : मथुरा जंक्शन स्टेशन में रनिंग रूम (16 कमरे, 32 बेड) के विस्तार का प्रावधान।
क्र.सं.: 3 | निविदा सं.: 2026-फरवरी-02-03 | अनुमानित लागत (रू.): ₹ 13225705.80
कार्य का विवरण : आगरा मंडल/उत्तर मध्य रेलवे के तहत नई दिल्ली में 40 बेड वाले आरपीएफ बैरक का निर्माण।
निविदा को प्रस्तुत करने एवं निविदा के बारे में पूरी जानकारी के लिए भारतीय रेल की बेवसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। निविदायें केवल बेव पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से दिनांक 09.03.2026 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 357/26(A)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

कार्यालय उपवनमंडलाधिकारी, बैतूल (सामान्य) उपवनमंडल
पंजीकृत वाहन मालिकों को अधिहरण कार्यवाही संबंधी सूचना

विज्ञप्ति के माध्यम से वाहन मालिक श्री संतोष वल्द रूप सिंह कलमें साकिन झिरियाडोह, पोस्ट कुरसना, जामनगरी एवं श्री दिनेश वल्द सूरतराम, साकिन ग्राम खपरिया तहसील चिचोली जिला बैतूल को सूचित किया जाता है कि परिक्षेत्र भौंरा (सा0) अंतर्गत पंजीबद्ध वन अपराध प्रकरण क्र. 21803 / 1 दिनांक 29.10.2025 जो कि विनिर्दिष्ट सागौन प्रजाति के वृक्ष को काटकर परिवहन करने में प्रयुक्त किये जाने पर जप्त दो पहिया वाहन मोटर सायकल हीरो एच.एफ. डीलक्स क्रमांक MP05ZA4637 एवं हीरो होण्डा पेशन क्रमांक MP04NN9867 की राजसात (अधिहरण) की कार्यवाही अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रचलित है। उक्त वाहन के वाहन मालिक श्री संतोष वल्द रूप सिंह कलमें साकिन झिरियाडोह, पोस्ट कुरसना, जामनगरी एवं श्री दिनेश वल्द सूरतराम, साकिन ग्राम खपरिया तहसील चिचोली जिला बैतूल को जप्त वाहनों के संबंध नियमानुसार अपना पक्ष रखने हेतु कार्यालयीन पत्र क्रमांक 1746 दिनांक 03.12.2025, 1786 दिनांक 11.12.2025 एवं 1846 दिनांक 27.12.2025 से सूचना पत्र जारी कर दिनांक 09.12.2025, 16.12.2025 एवं 30.12.2025 की तिथि नियत की गयी थी, किंतु वाहन मालिक श्री संतोष वल्द रूप सिंह कलमें साकिन झिरियाडोह, पोस्ट कुरसना, जामनगरी एवं श्री दिनेश वल्द सूरतराम, साकिन ग्राम खपरिया तहसील चिचोली जिला बैतूल उपस्थित नही हुये ।

अतः वाहन मालिक श्री संतोष वल्द रूप सिंह कलमें साकिन झिरियाडोह, पोस्ट कुरसना, जामनगरी एवं श्री दिनेश वल्द सूरतराम, साकिन ग्राम खपरिया तहसील चिचोली जिला बैतूल को अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने हेतु प्रकाशित विज्ञापन दिनांक से 03 दिवस में उपस्थित नही हो है तो प्रकरण में राजसात (अधिहरण) की नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जावेगी, जिस हेतु वाहन मालिक स्वयं जिम्मेदार होगें।

जी-26019/25
प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमंडल अधिकारी बैतूल (सा0)
बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

ई-नीलामी सूचना
ऋण वसूली अधिकरण
भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवायें विभाग (बैंकिंग प्रभाग)
द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड, हेड पोस्ट ऑफिस के पास, साउथ सिविल लाईन, जबलपुर-(म.प्र.) 482001
Case No.:RC 57/2023/ओ.ए.नं. 120/2022
ई-नीलामी क्रमांक 37/2026

PUNJAB NATIONAL BANK वि. SMT. SAVITA SINGH एवं अन्य में पारित वसूली प्रमाण पत्र क्रमांक RC No.RC 57/2023/ 0.A.No.120/2022 में जारी राशि की वसूली हेतु प्रमाण पत्र Rs.21,67,218.36 (Rupees Twenty One Lakh Sixty Seven Thousand Two Hundred Eighteen and Thirty Six Paise only) तथा उस पर 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से दिनांक 17.01.2022 से ब्याज एवं वसूली हेतु निम्नलिखित संपत्ति ऑनलाइन ई-नीलामी प्रक्रिया के तहत वेबसाईट https://www.bankeauctions.com के माध्यम से की जायेगी।

ई नीलामी की तिथि एवं समय: 26/03/2026, समय दोपहर 12:00 से 1:00 बजे

सम्पत्ति की अनुसूची
Flat No.-309/A, Third Floor, Block-A, Shashi Hitech City, Bhopal, area admeasuring about 63.27 sq.mtr. or 680.78 sq.ft, which is part of Khasra No.-310, 314, 316/2, situated at Gram - Nayápura,, P.H. No.-38, RNM-4, Vikaskhand - Phana, Ward No. 83, Tehsil - Huzur, District- Bhopal (M.P.)

प्रारक्षित मूल्य: रूपये Rs.12,30,000.00 (Rupees Twelve Lakh Thirty Thousand only)

विक्रय की शर्तें:-
1. इच्छुक निविदाकर्ता वैध डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र धारक होना चाहिए। अधिक विवरण हेतु M/s C-1 India Pvt. Ltd., Website : https://www.bankeauctions.com: Helpline No. 0124-4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob.No. 7080804466,E-mail Id:-mpcg@c1india.com or E-mail ID : support@bankeautions.com
2. इच्छुक निविदाकर्ता को सूचित किया जाता है कि निविदा जमा करने के पूर्व वेब साईट https://www.bankeauctions.com पे उपलब्ध नीलामी बिड प्रपत्र तथा विस्तृत नियमों व शर्तो का अवलोकन कर ले।
3. बिड केवल ऑनलाईन माध्यम से निर्धारित प्रपत्र पर पहचान पत्र की प्रति साथ संलग्न कर जमा करनी होगी (विस्तृत नियम व शर्तो का संदर्भ ले)।
4. अग्रिम जमा धरोहर राशि (ईएमडी) हेतु प्रारक्षित मूल्य की 10 प्रतिशत राशि जो रूपये Rs.1,23,000.00 (Rupees One Lakh Twenty Three Thousand only) है, RTGS/NEFT/MONEY TRANSFER द्वारा वसूली अधिकारी, ई – नीलामी खाता, ऋण वसूली अधिकरण जबलपुर के नाम से धारित Account no. 7890303849 in the name of Recovery Officer, E-auction account, DRT Jabalpur with INDIAN BANK, CIVIL LINES BRANCH, JABALPUR.(IFSC Code:IDIB000C627) में आवश्यक रूप से जमा करनी होगी तथा उक्त राशि का प्रेषण बिड प्रपत्र में सुस्पष्ट रूप से उल्लेखित करना होगा।
5. निविदा ऑनलाईन माध्यम से दिनांक 24.03.2026 अथवा इसके पूर्व 17.00 बजे तक जमा करनी होगी।
6. ऑनलाईन माध्यम से जमा बिडप्रपत्र तथा अनुलग्नकों की प्रति वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड, हेडपोस्टऑफिस के पास, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर को प्रेषित करनी होगी तथा शीघ्र अति शीघ्र भेजने के लिए सर्विस प्रोवाइडर को सूचित किया जाता है और वह सभी नीलामी के खरीददारों की सूची एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध करावें।
7. ऑनलाईन नीलामी बोली प्राप्त बिड में से अधिकतम बोली से प्रारंभ होगी तथा प्रत्येक बिड वृद्धि की राशि न्यूनतम रूपये Rs.15,000.00 (Rupees Fifteen Thousand only) होगी। ऑन लाईन बिड में समय समाप्त के पूर्व बिड डलने पर सिस्टम द्वारा अपने आप 5 मिनिट का समय बढ़ता रहेगा।
8. असफल बोलीकर्ताओं की अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर द्वारा उसी खाते में वापिस की जायेगी, जिससे कि उसका भुगतान हुआ है तथा इस संबंध में कोई भी पूछताछ स्वीकार्य नहीं होगी। इच्छुक निविदाकर्ता द्वारा अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) जमा किये जाने के पश्चात् वे जबतक असफल बोलीकर्ता घोषित नहीं किये जाते तब तक ईएमडी राशि वापस नहीं ले सकते अन्यथा राशि जप्त कर ली जायेगी।
9. सफल बोलीकर्ता को विक्रय उसके पक्ष में घोषित किये जाने की स्थिति में, 25 प्रतिशत बोली राशि (ईएमडी राशि को समायोजित करते हुए) अगले दिन RTGS/NEFT/MONEY TRANSFER के द्वारा कंडिका –4 में उल्लेखित खाते में जमा करनी होगी।
10. सफल बोलीकर्ता को विक्रय मूल्य की शेष 75 प्रतिशत राशि, एवं विक्रय मूल्य का 1 प्रतिशत पोन्डेज शुल्क तथा रू. 10 (प्रति संपत्ति अलग अलग) सहित नीलामी के 15 दिनों के अन्दर या यदि 15 वां दिन रविवार अथवा अन्य अवकाश हो तो, 15 वें दिन पश्चात् प्रथम कार्यालयीन दिवस को उपरोक्त उल्लेखित क्रमांक 4 में दर्शित खाते में समयावधि में भुगतान करना होगा। भुगतान में चूक करने पर संपत्ति की नई विक्रय उद्घोषणा जारी करने के पश्चात् पुन: विक्रय की जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उक्त राशि शासन के पक्ष में जप्त कर ली जायेगी तथा तत्पश्चात विक्रय होने वाली संपत्ति अथवा राशि के किसी अंश पर चूककर्ता बोलीकर्ता के समस्त दावे समपहृत होंगे।
11. संपत्ति "जहां है जैसी है तथा बिना किसी शिकायत" के आधार पर विक्रय की जायेगी।
12. संपत्ति का निरीक्षण दिनांक 16.03.2026 प्रात: 12 बजे से 16 बजे तक किया जा सकेगा।
13. संपत्ति प्रारक्षित मूल्य से कम मूल्य पर विक्रय नहीं की जायेगी।
14. वसूली अधिकारी को किसी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का या बिना कोई कारण बताये नीलामी को आगे बढ़ने या स्थगित करने का निर्बाध अधिकार होगा।
15. इच्छुक निविदाकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वे Shri Suresh Kumar Aherwar, Senior Manager, Mob, No. 70004 84012 में उपलब्ध सम्पत्ति के स्वत्वाधिकार विलेख का निरीक्षण कर ले तथा संपत्ति की पहचान एवं विवरणी सही होने तथा प्रभारों आदि की पड़ताल कर ले। इस संबंध में वसूली अधिकारी किसी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। संपत्ति का विवरण बैंक द्वारा प्रदत्त दस्तावेज पर आधारित है।
16. ई-नीलामी के संबंध में विवरण M/s C-1 India Pvt. Ltd., Website : https://www.bankeauctions.com: Helpline No.0124- 4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob.No. 7080804466,E-mail Id:- mpcg@c1india.com , E-mail ID : support@bankeautions.com
17. संपत्ति से संबंधित अधिक जानकारी Shri Suresh Kumar Aherwar, Senior Manager, Mob, No. 70004 84012 से प्राप्त की जा सकती है।
18. इच्छुक निविदाकर्ता ई-नीलामी प्रक्रिया में अपने स्वयं के कार्यालय / स्वेच्छ के स्थान से बोली हेतु सम्मिलित हो सकते है। प्रत्येक निविदाकर्ता द्वारा इंटरनेट कनेक्टीविटी स्वत: सुनिश्चित करनी होगी। डी आर टी / बैंक / सेवा प्रदाता किसी भी प्रकार से इंटरनेट कनेक्टीविटी, नेटवर्क समस्या, तंत्र विक्षेप, विद्युत व्यवधान आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

स्थान: जबलपुर,
दिनांक : 11.02.2026
सील
(प्रीति देसाई)
वसूली अधिकारी 1

भारत ने ग्रुप-ए के अंतिम मैच में नीदरलैंड को 17 रन से हराया, लगातार चौथा मैच जीता

दुबे की दहाड़, वरुण के चक्रव्यूह से टीम इंडिया का विश्व कप में विजयी रथ जारी

जेएनएन, अहमदाबाद

शिवम दुबे के तूफानी अर्धशतक के बाद वरुण चक्रवर्ती के फिरकी के जादू से भारत ने टी-20 विश्व कप के ग्रुप-ए मैच में बुधवार को नीदरलैंड को 17 रन से हराकर टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारत ने टी-20 विश्व कप में लगातार 12वीं जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में भारत 2024 से ही अजेय बना हुआ है। भारत चार मैच में आठ अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर रहा, जबकि नीदरलैंड ने अपने अभियान का अंत चार मैच में एक जीत से दो अंक के साथ किया। भारत के 194 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की टीम वरुण (14 रन पर तीन विकेट) और शिवम दुबे (35 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदों के सामने सात विकेट पर 176 रन ही बना सकी। नीदरलैंड की ओर से बास डि लीडे ने सर्वाधिक 33 रन बनाए। नोह क्रोस (12 गेंद में नाबाद 25 रन) तथा जैक लियोन कैशे (16 गेंद में 26 रन) ने सातवें विकेट के लिए 23 गेंद में 47 रन की साझेदारी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। भारतीय टीम अपना अगला मैच इसी मैदान पर सुपर आठ चरण में रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगी।

■ अभिषेक शर्मा विश्व कप में लगातार तीसरे मैच में बिना रन बनाए पवेलियन लौट गए। उनकी पिछली सात पारियों की बात करें तो उन्होंने 0, 68*, 0, 30, 0, 0 और 0 रन बनाए हैं। यानी पिछली सात पारियों में अभिषेक के बल्ले से सिर्फ एक बार अर्धशतक निकल रहा है और कुल 98 रन ही बना सके हैं।

अंतिम पांच ओवर में भारत ने जोड़े 75 रन

नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त ने भारत के ऊपरी क्रम के तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों पर बढ़त बनाई और अभिषेक इस टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार शून्य पर आउट हुए। उनके तेज गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को रनों की रफ्तार को बढ़ाने नहीं दिया, 15 ओवर के बाद रन रेट को आठ से कम रखा, लेकिन शिवम की 66 रन की पारी ने गेंदबाजों को आरामदायक जीत के लिए पर्याप्त स्कोर दे दिया। प्लेयर ऑफ द मैच दुबे ने करियर की सर्वश्रेष्ठ 66 रन की पारी खेलने के अलावा हार्दिक पंड्या (30) के साथ पांचवें विकेट के लिए 35 गेंद में 76 रन की साझेदारी की, जिससे भारत ने छह विकेट पर 193 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव (34) और तिलक वर्मा (31) ने भी उपयोगी पारियां खेली। दुबे और हार्दिक 14वें ओवर में उस समय साथ आए जब भारत 110 रन पर चार विकेट गंवाकर संकट में था। इन दोनों की पारियों से भारत अंतिम पांच ओवर में 75 रन जोड़ने में सफल रहा।

■ नई गेंद से थोड़ी मदद मिल रही थी और नीदरलैंड के सलामी बल्लेबाजों का सामना अर्शदीप और बुमराह जैसे दो बेहतरीन गेंदबाजों से था। बदलाव के तौर पर दोनों ने लगातार चार ओवर तक गेंदबाजी की, हवा और सीम दोनों से गेंद को स्विंग कराया, 12 फाल्स शॉट निकलवाए और सिर्फ 22 रन दिए। रन रेट पीछे रहने के कारण नीदरलैंड के सलामी बल्लेबाजों ने बड़े शॉट खेलने की कोशिश की, जिससे वरुण और हार्दिक को अपने पहले ही ओवर में विकेट का स्वाद चखने को मिल मिल गया।

■ नौवें ओवर तक ही आवश्यक रन रेट 12 से ऊपर चला गया था, तब भारत ने अभिषेक और दुबे को गेंद थमाई, जिससे नीदरलैंड की पारी को थोड़ी रफ्तार मिली। हालांकि आखिरी आठ ओवरों में जब उन्हें 100 रन की जरूरत थी, तब भारत फिर वरुण के पास लौटा और उन्होंने लगभग हैट्रिक ले लिया। उन्होंने एकरमैन को स्लॉग पर आउट किया, जबकि दत्त को रॉन्ग-वन गेंद पर बोल्ड किया। हैट्रिक गेंद पर वह एडवर्ड्स के डिफेंस को भेदने के लगभग करीब पहुंच गए थे, लेकिन चूक गए। दुबे ने अपने पहले नौ गेंदों में 23 रन दे दिए थे, लेकिन बाद में उन्होंने वाइड लाइन का सही इस्तेमाल किया और 14वें ओवर के अंत में बास डी लीडे को फाइन शॉर्ट थर्ड पर कैच कराया।

स्कोर बोर्ड

भारतः 193/6 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा बो. आर्यन दत्त	0	3	0	0
इशान किशन बो. आर्यन दत्त	18	7	2	1
तिलक का. डर मर्व बो. वैन बीक	31	27	3	1
सूर्यकुमार का. गगटेन बो. क्लीन	34	28	2	1
दुबे का.गगटेन बो. वैन बीक	66	31	4	6
हार्दिक का. डर मर्व बो. वैन बीक	30	21	0	3
रिंकू सिंह नाबाद	6	3	0	1

अतिरिक्तः 8, कुलः 20 ओवर में छह विकेट पर 193 रन, विकेट पतनः 1-0, 2-39, 3-69, 4-110, 5-186, 6-193, गेंदबाजीः आर्यन दत्त 4-0-19-2, लोगन वैन वीक 4-0-56-3, कॉलिन ऐकरमैन 3-0-36-0, काइल क्लीन 4-0-38-1, बास डे लीड 4-0-28-0, रुलॉफ वैन डर मर्व 1-0-15-0.

नीदरलैंडः 176/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
लेविट का. सुंदर बो. हार्दिक	24	23	4	0
ओडाउड बो. वरुण	20	18	2	1
डे लीड का. वरुण बो. शिवम	33	23	3	1
ऐकरमैन का. रिंकू बो. वरुण	23	15	1	2
आर्यन दत्त बो. वरुण	0	1	0	0
स्कॉट एडवर्ड्स बो. बुमराह	15	10	2	0
जैक लायन का. सुंदर बो. शिवम	26	16	1	1
नोवा क्रोस नाबाद	25	12	5	0
लोगन वैन बीक नाबाद	4	2	1	0

अतिरिक्तः 6, कुलः 20 ओवर में सात विकेट पर 176 रन, विकेट पतनः 1-35, 2-51, 3-94, 4-94, 5-112, 6-125, 7-172, गेंदबाजीः अर्शदीप 3-0-22-0, बुमराह 3-0-17-1, वॉशिंगटन सुंदर 4-0-36-0, वरुण चक्रवर्ती 3-0-14-3, हार्दिक 3-0-40-1, अभिषेक 1-0-10-0, शिवम दुबे 3-0-35-2.

फरहान का शतक, नामीबिया पर सबसे बड़ी जीत के साथ पाकिस्तान सुपर 8 में

तारिक की बेहतरीन गेंदबाजी, शादाब का ऑलराउंड प्रदर्शन

जेएनएन, कोलंबो

पाकिस्तान ने बुधवार को टी-20 विश्व कप के 'करो या मरो' के ग्रुप मैच में नामीबिया को 102 रन से हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया। यह टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत भी है। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान की 11 चौके और चार छक्के जड़ित 58 गेंद में नाबाद 100 रन की पारी की बदौलत पाकिस्तान ने तीन विकेट पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद पाकिस्तान ने 'मिस्ट्री' स्पिनर उस्मान तारिक (16 रन देकर चार विकेट) और लेग स्पिनर शादाब खान (19 रन देकर तीन विकेट) के स्पिन जाल से दबदबा बनाते हुए नामीबिया को 17.3 ओवर में महज 97 रन पर समेट दिया। सलमान मिर्जा और मोहम्मद नवाज ने भी एक-एक विकेट झटका। नामीबिया के लॉरेन स्टीनकैंप (23) और अलेक्जेंडर बुसिंग-वोल्शेंक (20) ने सर्वाधिक रन बनाए, जबकि अन्य बल्लेबाज दहाई का अंक भी नहीं छू सके।

■ 50 से 100 रन तक पहुंचने में फरहान को महज 20 गेंद लगी। उन्होंने 58 गेंदों में नाबाद 100 रन बनाए, जो नामीबिया के पूरे स्कोर (97) से भी ज्यादा थे। फरहान विश्व कप में शतक जड़ने वाले पाकिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले 2014 में मीरपुर में अहमद शहजाद ने बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था।

बॉश के शानदार प्रदर्शन से यूएई को छह विकेट से हराया

सभी लीग मैच जीतकर दक्षिण अफ्रीका शीर्ष पर, यूएई ने हार के साथ ली विदाई

नई दिल्ली, जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका ने टी-20 विश्व कप के अपने आखिरी ग्रुप लीग मैच में बुधवार को यूएई को छह विकेट से हराकर सुपर आठ की तैयारी पुख्ता कर ली। दक्षिण अफ्रीका उन टीमों में से है, जिन्होंने लीग स्टेज में एक भी मैच नहीं गंवाया। पिछली उपविजेता दक्षिण अफ्रीका को सुपर 8 के पहले मैच में 22 फरवरी को अहमदाबाद में मौजूदा चैम्पियन और मेजबान भारतीय टीम से खेलना है। वहीं यूएई ने टूर्नामेंट से हार के साथ विदा ली। पहले गेंदबाजी करते हुए प्लेयर ऑफ द मैच कोर्बिन बॉश के तीन विकेट की मदद से यूएई को छह विकेट पर 122 रन पर रोकने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने 13.2 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 123 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले में ही 56 रन बना लिए थे। हालांकि उनके दो विकेट भी गिरे। कप्तान ऐडन मारक्रम (11 गेंदों में 22 रन) चौथे ओवर में वह हैदर अली

की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद मोहम्मद जवादुउल्लाह ने क्विंटन डिकॉक (14) को कैच आउट कराते हुए दूसरा झटका दिया। इसके बाद रायन रिकल्टन (30) और डेवाल्ड ब्रेविस के बीच 49 रनों की तेज साझेदारी हुई, जिसने दक्षिण अफ्रीका को जीत के मुहाने पर खड़ा कर दिया।

सिटी स्पोर्ट्स

इंटर कॉलेज क्रिकेटः उत्कर्ष के ऑलराउंड प्रदर्शन से टूबा जीता

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच उत्कर्ष पांडे के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत टूबा कॉलेज ने इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रेस्टीज कॉलेज को 87 रन से करारी शिकस्त देते हुए विजयी शुरुआत की। आईईएस यूनिवर्सिटी कैंपस में टूबा कॉलेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में चार विकेट खोकर 176 रन का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में प्रेस्टीज कॉलेज की टीम 89 रन पर ऑलआउट हो गई। उत्कर्ष ने 17 गेंदों में 51 रन बनाने के बाद शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट भी झटके। इससे पहले टूर्नामेंट का शुभारंभ आईईएस यूनिवर्सिटी के सीईओ देवांश सिंह ने किया।

अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में हिस्सा लेंगे मध्यप्रदेश के उदित पटेल

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश राज्य कुश्ती अकादमी के खिलाड़ी उदित पटेल का चयन भारतीय सीनियर रेसलिंग टीम में किया गया है। उदित ग्रीको रोमन शैली के 60 किलोग्राम भार वर्ग में मुहम्मद मालो अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग सीरीज कुश्ती टूर्नामेंट में भाग लेंगे। यह टूर्नामेंट में 26 फरवरी से 02 मार्च तक अल्बानिया के तिराना में आयोजित किया जाएगा।

सिविल सर्विसेज क्रिकेटः मप्र ने हरियाणा को 33 रन से हराया

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश ने ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज क्रिकेट टूर्नामेंट में हरियाणा को 33 रनों से शिकस्त दी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मप्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 136 रन बनाए। कप्तान पीयूष नेवारे ने 60 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि अबुजर खान ने 49 रन बनाए। जवाब में हरियाण की टीम 103 रन पर ढेर हो गई। मप्र के लिए निलेश राहंगडाले ने 4 और विशाल कहार ने 2 विकेट झटके। विनीत एवं आदर्श को एक-एक सफलता मिली। निलेश को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

महिला टीमों के बीच दूसरा टी-20 आज दोपहर 1:45 बजे से

ऑस्ट्रेलिया पर अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगा भारत

कैनबरा, जेएनएन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को जब दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी, तो वह पहले मैच में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने पहले मैच में चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी को झकझोर दिया था। ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर भी पूरे नहीं खेल पाई और केवल 133 रन पर आउट हो गई। भारतीय बल्लेबाजों को हालांकि बारिश के कारण खेलने का खास मौका नहीं मिला। भारत ने यह मैच डकवर्थ-लुईस प्रणाली के आधार पर जीता, जिसमें केवल सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ही कुछ समय क्रीज पर बिता पाईं।

■ इस साल इंग्लैंड में होने वाले महिला टी-20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण है। तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज जीतने से भारत को आत्मविश्वास मिलेगा।

■ नई कप्तान सोफी मोलिनी की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम बदला लेने और सीरीज बराबर करने के लिए बेताब होगी। उसकी टीम में भले ही विश्व क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी बेथ मूनी, फोएबे लिटफील्ड, एलिसे पेरी और एशले गार्डनर शामिल हैं लेकिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर भारी दबाव होगा।

पैरालंपिक खेलों में रूसी ध्वज और राष्ट्रगान की वापसी

मिलान, जेएनएन। रूसी खिलाड़ी एक दशक से अधिक समय में पहली बार पैरालंपिक शीतकालीन खेलों में अपने देश के ध्वज के तले प्रतिस्पर्धा करेंगे और उसके किसी खिलाड़ी के स्वर्ण पदक जीतने पर पदक वितरण समारोह में रूस का राष्ट्रगान बजाया जाएगा। इसकी घोषणा मंगलवार को की गई, जिसका मतलब है कि लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों से काफी पहले ओलंपिक जगत में रूस और उसकी राष्ट्रीय पहचान पूरी तरह से बहाल हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति ने बयान में कहा कि रूस की राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति को आगामी मिलान कोर्टिना पैरालंपिक खेलों के लिए छह स्थान आवंटित किए गए हैं। यह 2014 में रूस के सोची में हुए पैरालंपिक शीतकालीन खेलों के बाद पहली बार होगा, जब पैरालंपिक खेलों में रूस का ध्वज फहराया जाएगा।

जम्मू कश्मीर ने रचा इतिहास, 67 साल में पहली बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में

दो बार के पूर्व चैंपियन पश्चिम बंगाल को छह विकेट से हराया

जेएनएन, कल्याणी (पश्चिम बंगाल)

जम्मू कश्मीर ने बुधवार को सेमीफाइनल के चौथे दिन दो बार के पूर्व चैंपियन बंगाल को छह विकेट से करारी शिकस्त देकर अपने 67 साल के इतिहास में पहली बार रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया। बंगाल ने जम्मू कश्मीर के सामने 126 रन का लक्ष्य रखा था। जम्मू कश्मीर ने 34.4 ओवर में चार विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर दिया। उसकी तरफ से वंशज शर्मा ने नाबाद 43 और अब्दुल समद ने नाबाद 30 रन बनाए। इससे पहले तेज गेंदबाज आकिब नबी ने मैच में नौ विकेट लेकर बंगाल की जीत की संभावनाओं को पूरी तरह से खत्म कर दिया था। आईपीएल स्टार समद ने 22 साल के वंशज को विजयी रन बनाने का मौका दिया और इस युवा बल्लेबाज ने मुकेश कुमार की गेंद पर लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का मारकर जम्मू कश्मीर की टीम में जबरदस्त जश्न का माहौल बना दिया। जम्मू कश्मीर ने तीसरे के दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 43 रन बनाए थे। बंगाल ने पहली पारी में 328 रन बनाए थे, जिसके जवाब में जम्मू कश्मीर ने 302 रन बनाए। बंगाल हालांकि पहली पारी की मामूली बढ़त का फायदा नहीं उठा पाया और उसकी टीम दूसरी पारी में केवल 99 रन पर आउट हो गई। प्लेयर ऑफ द मैच नबी ने कहा कि हमने कड़ी मेहनत की और हम इसके हकदार थे।

■ मुंबई के खिलाफ शुरुआती हार के बाद जम्मू कश्मीर ने राजस्थान के खिलाफ पारी की जीत तथा दिल्ली और हैदराबाद के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत हासिल करके नॉकआउट में प्रवेश किया। उसने क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश को 56 रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

■ जम्मू कश्मीर ने इस सत्र से पहले 334 रणजी मैच खेले थे, जिनमें से उसने केवल 45 जीते थे। उसे अपनी पहली जीत दर्ज करने में 44 साल लग गए, जो उसने 1982-83 में सेना के खिलाफ हासिल की थी। उसके लिए नॉकआउट में पहुंचना कभी आसान नहीं रहा, लेकिन 2013-14 में उसे एक बड़ी सफलता मिली जब उसने नेट रन रेट के आधार पर गोवा को पीछे छोड़कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उसने 2015-16 में परवेज रसूल की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई को हराकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी।

■ जम्मू कश्मीर ने पहली बार 1959-60 के सत्र में रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और तब से लेकर अब तक उसे मजबूत दावेदार नहीं माना जाता था। अब टीम खिताब से एक कदम दूर है।

स्मरण के शतक से कर्नाटक को 802 रन की विशाल बढ़त

लखनऊ। रविचंद्रन स्मरण (127) के लगातार दूसरे शतक की मदद से कर्नाटक ने उत्तराखंड के खिलाफ दूसरी पारी में छह विकेट पर 299 रन बनाकर कुल बढ़त 802 रन तक पहुंचा दी। इतनी बड़ी बढ़त के साथ कर्नाटक ने जम्मू और कश्मीर के खिलाफ खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली है। चौथे दिन के पहले सत्र में उत्तराखंड को पहली पारी में 233 रन पर आउट करके कर्नाटक ने 503 रन की बढ़त हासिल की। इतनी बड़ी बढ़त के बावजूद कर्नाटक ने फॉलोऑन नहीं दिया और 26 फरवरी से शुरू होने वाले फाइनल से पहले अपने बल्लेबाजों को और अभ्यास का मौका देने के लिए दूसरी पारी का इस्तेमाल किया। कर्नाटक ने कृथिक कृष्णा और श्रेयस गोपाल जैसे निचले क्रम के बल्लेबाजों को बल्लेबाजी का मौका देने के लिए बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा। और कृष्णा ने 52 रन बनाकर इसका अच्छा इस्तेमाल किया।

विजयी गोल दागने के बाद विनीसियस ने लगाए नस्लीय दुर्व्यवहार के आरोप

मैड्रिड, जेएनएन। ब्राजील के खिलाड़ी विनीसियस जूनियर ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के प्लेऑफ के मुकाबले में रियाल मैड्रिड की तरफ से बेनफिका के खिलाफ विजयी गोल करने के बाद नस्लीय दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। खेल को तब रोक दिया गया जब विनीसियस ने दावा किया कि रियाल मैड्रिड की 1-0 से जीत के दौरान एक प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी ने नस्लीय टिप्पणी करके उनका अपमान किया। इस बीच मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को मोनाको के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। पीएसजी एक समय दो गोल से पीछे चल रहा था, लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी डेजायर डूए के शानदार प्रदर्शन से वह आखिर में 3-2 से जीत हासिल करने में सफल रहा।

चैंपियंस लीग
रियाल मैड्रिड ने बेनफिका को 1-0 से हराया

अन्य मैचों में गैलाटासराय ने युवेंटस को 5-2 से हराया, जबकि बोरुसिया डॉर्टमुंड ने अटलांटा के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की। विनीसियस ने स्टेडियम ऑफ लाइट में बेनफिका के खिलाफ प्लेऑफ के पहले चरण में रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन रियाल मैड्रिड को बढ़त दिलाने के बाद रेफरी फ्रांकोइस लेटेक्सियर को नस्लवादी टिप्पणी की जानकारी दी। उन्होंने अर्जेंटीना के खिलाड़ी जियानलुका प्रेस्टियानी की ओर इशारा किया। बेनफिका के कोच जोस मोरिन्हो ने हालांकि कहा कि उनके खिलाड़ी ने नस्लीय टिप्पणी करने के आरोपों से इनकार किया है। मोरिन्हो ने कहा कि उन्होंने मुझे अलग-अलग बातें बताईं। लेकिन कुछ तो गड़बड़ है, क्योंकि हर बार ऐसा होता है। जहां भी विनीसियस खेला, वहां हमेशा कुछ न कुछ हुआ।

पाक हॉकी टीम के कप्तान ने कहा-खेलने के लिए जाने से पहले हमें बर्तन धोने पड़े

महासंघ से हम अच्छे परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकते

कराची, जेएनएन। पाकिस्तान हॉकी टीम के कप्तान शकील अम्माद बट ने ऑस्ट्रेलिया के उथल-पुथल भरे दौरे से लौटने के बाद राष्ट्रीय महासंघ की जमकर आलोचना की और कहा कि इस दौरे के दौरान उनकी टीम को न केवल होटल में बुकिंग नहीं होने के कारण सड़कों पर भटकना पड़ा, बल्कि मैच खेलने के लिए जाने से पहले बर्तन भी धोने पड़े। बट ने बुधवार को सुबह लाहौर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) उनसे झूठ बोल रहा था और अब पानी सिर के ऊपर से बाहर चला गया है। बट ने कहा कि हम महासंघ के मौजूदा प्रबंधन के रहते हुए खेलना जारी नहीं रख सकते। जब खिलाड़ियों को मैच खेलने जाने से पहले रसोई साफ करनी पड़ती है और बर्तन धोने पड़ते हैं तो आप हमसे कैसे अच्छे परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। सरकारी स्वामित्व वाले पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) ने यह पुष्टि की थी कि उसने ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रीय टीम के होटल में ठहरने की व्यवस्था के लिए पीएचएफ को एक करोड़ से अधिक पाकिस्तानी रुपए दिए थे। इसके बाद पीएचएफ को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान हॉकी टीम को कैनबरा जाने वाली अपनी अगली उड़ान से पहले सिडनी हवाई अड्डे पर 13-14 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। बट ने कहा कि सबसे दुखद बात यह थी कि एयरबीएनबी ने केवल 10 दिन के लिए होटल बुक किया था, जबकि हमें 13 दिन तक रुकना था।

संक्षिप्त समाचार

सिब्बल का एपस्टीन से कोई संबंध नहीं: खेड़ा

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मंगलवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल का नाम जेफ्री एपस्टीन फाइल्स से जुड़े होने के दावों को खारिज

किया है। भाजपा नेता इस मामले में झूठा नैरेटिव गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- जिस दस्तावेज का हवाला दिया जा रहा है, वह 59 पन्नों का एक कैलेंडर है, जिसमें न्यूयॉर्क में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रमों, कॉन्फ्रेंस और फंडरेजर की लिस्ट है। यह दस्तावेज कथित तौर पर 10 सितंबर 2010 को मार्गॉक्स रोजर्स ने एपस्टीन की निजी सहायक लेस्ली ग्रॉफ को भेजा था। सिब्बल को इंटरनेशनल एजुकेशन इंस्टीट्यूट ने वैश्विक शिक्षा सहयोग में योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया था। खेड़ा ने स्पष्ट किया कि इस सम्मान समारोह का एपस्टीन से कोई संबंध नहीं था।

ममता ने आतंकित किया हटवा दिए सारे सबूत: ईडी

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता से जुड़े एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट में बेहद

गंभीर आरोप लगाए हैं। एजेंसी ने अपने जवाबी हलफनामे में दावा किया है कि मुख्यमंत्री ने जांच को प्रभावित करने के इरादे से सबूतों से छेड़छाड़ करवाई और अहम डिजिटल साक्ष्य नष्ट कराए। कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजू ने कहा कि एजेंसी को 'हथियार' की तरह इस्तेमाल नहीं किया गया, बल्कि उसे 'आतंकित' किया गया है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच के समक्ष दायर हलफनामे में ईडी ने आरोप लगाया कि, मुख्यमंत्री के निर्देश पर आईपीएसी ऑफिस में कंप्यूटर डेटा के बैकअप की प्रक्रिया रुकवाई गई।

सीनियर एक्ट्रेस प्रवीना देशपांडे का निधन

मुंबई, जेएनएन। सीनियर एक्ट्रेस प्रवीना देशपांडे का मंगलवार को निधन हो गया। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस के परिवार

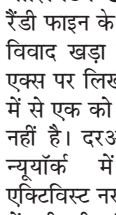

ने उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर दी। जिसके बाद मंगलवार दोपहर मुंबई के अंधेरी स्थित श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। एक्ट्रेस समय से कैंसर से जूझ रही थीं। 2019 में उन्हें मल्टीपल मायलोमा डायग्नोज हुआ था। बोन मैरो ट्रांसप्लांट के दौरान वे 17 दिन आइसोलेशन में रहीं। बता दें कि प्रवीना देशपांडे ने सलमान खान की सुपरहिट फिल्म रेडी में शालिनी चौधरी का रोल प्ले किया था। इसके अलावा उन्होंने एक विलेन, गब्बर इज बैक और परमाणु द स्टोरी ऑफ पोखरण जैसी फिल्मों में काम किया।

चीन में बसंत उत्सव

हाल के वसंत उत्सवों के दौरान, दक्षिण-पश्चिम चीन के गुइझोऊ प्रांत के नर्तक मकाऊ के ऐतिहासिक सेंट पॉल के खंडहरों के सामने पारंपरिक वसंत उत्सव के दौरान प्रस्तुति देती हुई महिलाएं। इन कार्यक्रमों में अक्सर गुइझोऊ की अनूठी जातीय संस्कृति, ड्रैगन नृत्य और शेर नृत्य शामिल होते हैं, जो चीनी नव वर्ष के दौरान सौभाग्य और उत्सव का प्रतीक हैं। मकाऊ के प्रसिद्ध यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, सेंट पॉल के खंडहरों के सामने का मैदान, इन सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र होता है। यह प्रदर्शन मकाऊ के बहुसांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और चीनी नव वर्ष की खुशियां मनाने के लिए किया जाता है, जिसमें अक्सर गॉड ऑफ वेल्थ (धन के देवता) के रूप में तैयार कलाकार भी शामिल होते हैं।

ईरान पर फिर भड़के ट्रंप, 50 यूएस फाइटर जेट किए रवाना

बातचीत सकारात्मक रही लेकिन अहम मुद्दों पर अब भी अहमति

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में पिछले 24 घंटों में 50 से ज्यादा फाइटर जेट भेजे हैं। इंडिपेंडेंट फ्लाइट-ट्रैकिंग डेटा और मिलिट्री एविएशन मॉनिटर्स ने कई एफ-22, एफ-35 और एफ-16 फाइटर जेट को मिडिल ईस्ट की ओर जाते हुए रिकॉर्ड किया है। यह जानकारी अमेरिका और ईरान के बीच मंगलवार को जिनेवा में हुई दूसरी दौर की बातचीत के दौरान सामने आई है। दोनों देशों के बीच परमाणु समझौते से जुड़े मुद्दों को लेकर मतभेद बने हुए हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तय की गई शर्तों को ईरान मानने को तैयार नहीं है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में वेंस ने कहा कि बातचीत के कुछ हिस्से सकारात्मक रहे, लेकिन कई अहम मुद्दों पर अब भी सहमति नहीं बनी है। इन बयानों से साफ है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रही बातचीत अभी भी नाजुक दौर में है। ट्रम्प पहले ही कह चुके हैं कि अगर ईरान अमेरिकी मांगें नहीं मानता, तो अमेरिका ताकत का इस्तेमाल करेगा।

ईरान ने ऑपरेशनल क्षमताओं की जांच के लिए नौसैनिक अभ्यास शुरू किया: ईरान ने मंगलवार को दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक हॉर्मुज जलडमरूमध्य के कुछ हिस्सों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। यह कदम लाइव-फायर सैन्य अभ्यास के दौरान उठाया गया। ईरान ने सोमवार को इस नए अभ्यास की घोषणा की थी। इसे 'स्मार्ट कंट्रोल ऑफ द स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' नाम दिया गया। फारस की खाड़ी के संकरे हिस्से में मिसाइल परीक्षण किए गए। ईरानी मीडिया ने सुरक्षा और समुद्री कारणों का हवाला देते हुए कहा कि यह बंदी कुछ घंटों के लिए रहेगी।

रिफ्यूलिंग टैंकर भी मिडिल ईस्ट भेजे

अमेरिकी फाइटर जेट्स के साथ कई एरियल रिफ्यूलिंग टैंकर भी मिडिल ईस्ट की ओर जाते देखे गए हैं। इससे संकेत मिलता है कि विमान लंबे समय तक ऑपरेशन की तैयारी में हैं। इस बीच, अमेरिकी अधिकारी ने मीडिया को बताया कि यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप कैरिबियन से रवाना होकर मिड-अटलांटिक में पहुंच चुका है और मिडिल ईस्ट की ओर बढ़ रहा है। अगले चार-पांच दिन में उसके पहुंचने की उम्मीद है।

अमेरिका के साथ बातचीत सकारात्मक रही: अराघची

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ हुई बातचीत को सकारात्मक बताया। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बातचीत को लेकर उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि समझौते की दिशा में नई खिड़की खुली है। बातचीत के बाद संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में अराघची ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि बातचीत से टिकाऊ और सहमति वाला समाधान निकलेगा, जो सभी संबंधित पक्षों और पूरे क्षेत्र के हित में होगा।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान किसी भी खतरे या हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान पर हमला हुआ तो इसके नतीजे अकेले वह नहीं भुगतेंगे, बल्कि दूसरों पर भी इसका असर पड़ेगा।

खामेनेई की अमेरिका को दी सीधी चुनौती: उधर, वार्ता के दौरान ही ईरान के नेता खामेनेई ने अमेरिका को सीधी चुनौती दी। ईरान के पास क्षेत्र में तैनात अमेरिकी युद्धपोतों को डुबाने की क्षमता है। इसके तुरंत बाद ईरानी मीडिया ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य को लाइव-फायर ड्रिल के लिए कुछ घंटों के लिए बंद कर दिया गया था। ये कदम ऐसे वक्त में उठाया गया, जब अमेरिका ने क्षेत्र में दो विमानवाहक पोत तैनात किए हैं।

महाराष्ट्र: मुस्लिमों को 5% आरक्षण का आदेश रद्द

2014 में कांग्रेस अध्यादेश लाई थी, पास न होने से 10 साल से लटका था

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र सरकार के सोशल जस्टिस डिपार्टमेंट ने मंगलवार को एक सरकारी रेजोल्यूशन (जीआर) जारी किया। इसके जरिए सरकार ने 10 साल पुराने उस सरकारी आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें मुस्लिमों को शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी और अर्धशासकीय नौकरियों में 5 फीसदी आरक्षण देने की बात कही गई थी। हालांकि, पिछले 10 सालों से यह आदेश इनवैलिड रहा है, क्योंकि 2014 में कांग्रेस सरकार की तरफ से लाया गया अध्यादेश तय समय (6 हफ्ते) में विधानसभा से पास नहीं कराया जा सका, जिससे यह खुद ही इनवैलिड हो गया था। जुलाई 2014 में कांग्रेस-एनसीपी की गठबंधन की सरकार थी। अक्टूबर 2014 में सरकार बदल गई।

2008-2013: सरकार ने मुस्लिम समुदाय पर रिपोर्ट बनाई
कांग्रेस-एनसीपी सरकार ने मुस्लिम समुदाय को आरक्षण देने से पहले पांच सालों (2008-2013) तक रिसर्च की। सरकार ने सामाजिक-शैक्षणिक स्थिति पर कई कमेटियां/रिपोर्ट्स बनवाईं। नतीजा यह निकला कि मुस्लिम समुदाय के कुछ वर्ग पिछड़े हैं, इसलिए आरक्षण की सिफारिश की गई।

जुलाई 2014: सीएम पृथ्वीराज चव्हाण का आरक्षण देने का फैसला
कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार में तत्कालीन सीएम पृथ्वीराज चव्हाण ने मुस्लिमों को शिक्षा और सरकारी नौकरी में 5 फीसदी आरक्षण देने का ऐलान किया। इसे अध्यादेश/सरकारी आदेश के जरिए लागू करने की कोशिश हुई। यह फैसला विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया, इसलिए राजनीतिक विवाद भी हुआ। अगस्त से सितंबर के बीच नियम को लागू करने की शुरुआत हुई।

अक्टूबर 2014: फैसले को कोर्ट में चुनौती, हाईकोर्ट की रोक
मुस्लिमों को 5 फीसदी आरक्षण देने के फैसले को कोर्ट में चुनौती दी गई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी किया। शिक्षा में 5 फीसदी आरक्षण जारी रखने की अनुमति मिली। वहीं नौकरियों में 5 फीसदी आरक्षण पर रोक लगा दी गई। कोर्ट ने कहा कि नौकरी वाले आरक्षण के लिए पर्याप्त ठोस डेटा नहीं दिखाया गया। 2015 से 2018 के बीच अदालतों में केस चलता रहा।

भारत के बाद अब यूएस की नजर जापान पर

वाशिंगटन, जेएनएन। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ ट्रेड डील के बाद अब जापान के साथ भी बड़ा व्यापार समझौता करने की घोषणा की है। इस समझौते के तहत जापान कुल 550 अरब डॉलर का निवेश करेगा, जिसमें पहले चरण में 36 अरब डॉलर के तीन बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए जा रहे हैं। ट्रंप के अनुसार, इन प्रोजेक्ट्स से अमेरिका की इंडस्ट्री मजबूत होगी और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि टैरिफ के दबाव के कारण यह डील संभव हो पाई। पहले जापान पर ज्यादा टैरिफ लगाने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन समझौते के बाद टैरिफ घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है। डील में तीन मुख्य प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया गया है। पहला प्रोजेक्ट टेक्सास में है, जहां लिक्विफाइड नेचुरल गैस यानी एलएनजी का एक बड़ा प्लांट बनेगा।

वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 510/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

अमेरिकी सांसद रैंडी फाइन के सोशल मीडिया पोस्ट पर खड़ा हुआ विवाद

फिलिस्तीनी एक्टिविस्ट की पोस्ट का दिया था जवाब

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी सांसद रैंडी फाइन के एक सोशल मीडिया पोस्ट से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने मंगलवार को एक्स पर लिखा कि अगर कुत्तों और मुसलमानों में से एक को चुनना पड़े तो यह मुश्किल फैसला नहीं है। दरअसल, रैंडी फाइन ने यह टिप्पणी न्यूयॉर्क में एक फिलिस्तीनी-अमेरिकी एक्टिविस्ट नरदीन किसवानी की पोस्ट के जवाब में की थी। किसवानी ने लिखा था कि कुत्ते अपवित्र हैं। ऐसे समय में जब न्यूयॉर्क इस्लाम की ओर बढ़ रहा है, कुत्तों को घर के अंदर नहीं रखना चाहिए। इन्हें बैन करना चाहिए। इस पर फाइन ने कहा कि दुनिया में 57 ऐसे देश हैं, जहां शरिया कानून लागू है। अगर आप ऐसा चाहते हैं तो वहीं चले जाइए। अमेरिका 58वां मुस्लिम देश नहीं बनेगा। बाद में किसवानी ने कहा कि वह बस मजाक कर रही थीं। यह न्यूयॉर्क में सार्वजनिक जगहों पर कुत्तों की गंदगी को लेकर चल रही बहस से जुड़ा था। ऐसा उन लोगों के लिए कहा गया था, जो राजनीति में मुस्लिमों के बढ़ते प्रभाव को खतरा मानते हैं।

मुसलमानों को अमानवीय दिखाने का आरोप

किसवानी ने होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम के पुराने बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने अपने फार्म पर एक कुत्ते को गोली मारने की बात कही थी। किसवानी ने लिखा, 'क्रिस्टी नोएम ने अपने ही कुत्ते को गोली मारने की बात कही और ज्यादातर लोगों ने ध्यान नहीं दिया। न्यूयॉर्क में एक मुस्लिम कह दे कि शहर पालतू जानवरों के लिए सही जगह नहीं है तो उसे मौत की धमकियां मिलने लगती हैं।' किसवानी ने फाइन पर फिलिस्तीनियों और मुसलमानों को अमानवीय दिखाने का आरोप लगाया।

'जंजीर' से 'शोले' तक : सलीम खान की कलम से पटकथा बनी सिनेमा की धड़कन

हिंदी सिनेमा में परदे के सामने खड़े सितारों पर ही रोशनी पड़ती है, लेकिन परदे के पीछे बैठा वो लेखक, जो किरदारों में जान डालता है कई बार गुमनामी की जिंदगी जीता है, मगर कुछ ऐसे भी होते हैं जो इतिहास रच देते हैं। जब बात हिंदी सिनेमा की हो, तो अभिनेताओं के नाम हर किसी के होंठों पर होते हैं, जैसे अमिताभ बच्चन, धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, सलमान खान, पर कई बार वह इंसान सबसे ज़्यादा अहम होता है जिसने उन्हें कहानी दी, किरदार दिए, पहचान दी। ऐसा ही नाम है सलीम खान का, जिनकी कलम ने 1970 और 1980 के दशक में हिंदी फिल्मों की दुनिया को बदल दिया।

इंदौर से मुंबई तक का सफर
24 नवंबर 1935 को इंदौर में जन्मे सलीम खान एक्टर बनना चाहते थे और इस सपने को पूरा करने के लिए वो मुंबई आए थे। शुरुआत में उन्होंने कुछ छोटे-मोटे रोल भी किए, लेकिन उन्हें पहचान नहीं मिल पाई। मगर उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी असफलता को ही आगे चलकर अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया। अभिनय के अनुभव से उन्हें ये पता चल चुका था कि बड़े पर्दे पर क्या काम कर सकता है और क्या नहीं। फिल्म इंडस्ट्री में उनका संघर्ष ही था जो उन्हें स्क्रीनराइटिंग की तरफ ले आया।

कार्यालय ग्राम पंचायत तूमड़ा जनपद पंचायत फंदा भोपाल

क्रमांक/01/ग्रा.पचा./2026 भोपाल दिनांक 14/02/2026

विज्ञप्ति

कार्यालय जिला पंचायत भोपाल के आदेश क्र. 549/जि.पं./पंचा.प्रको./2026 भोपाल दिनांक 04.02.2026 द्वारा ग्राम पंचायत तूमड़ा की शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 1133 यूनिक आईडी 1456686527 रकबा 0.7250 हैक्टेयर पर 18 दुकान एवं आदेश क्र. 634/जि.पं./पंचा.प्रको./2026 भोपाल दिनांक 09.02.2026 द्वारा ग्राम पंचायत तूमडा की शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 1144 यूनिक आईडी 1527627701 रकबा 686 हैक्टेयर पर 11 दुकान की नीलामी म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 म.प्र. (पंचायत स्थावर संपत्ति का अंतरण) की धारा-65 स्थावर संपत्ती का अंतरण नियम विहित प्रक्रिया के आधार पर कुल 29 दुकानों के अंतरण की अनुमति प्रदान की गई है। प्रदत्त स्वीकृति एवं शर्तों के आधार पर दिनांक 16/03/2026 को समय प्रात: 10 बजे से 05 बजे तक ग्राम पंचायत तूमड़ा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत फंदा भोपाल एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नोडल अधिकारी अनुभाग हुजूर की अध्यक्षता में उक्त दुकानों की नीलामी एवं समस्त दुकानों का आवंटन सामुदायिक भवन तूमडा पर निम्नानुसार शर्तों पर किया जावेगा।

दुकानों का आरक्षण 18 दुकान हेतु

क्र.	प्रवर्ग आरक्षण	जनसंख्या	कुल दुकान आरक्षित
1	अनुसूचित जनजाति वर्ग	49	0
2	अनुसूचित जाति वर्ग	816	3
3	अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये	वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार कुल जनसंख्या 4715	3
4	महिलाओं के लिये (विधवा तथा परित्याक्ताओं को सम्मिलित करते हुये)		2
5	विकलांग व्यक्तियों के लिये (इसमें दृष्टिहीन विकलांग को प्राथमिकता दी जाएगी)		0
6	रक्षा सेवा के सेवानिवृत्त सदस्यों के लिये		0
7	स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिये		0
8	शिक्षित बेरोजगारों के लिए		1
9	अनारक्षित		9
	योग	4715	18

दुकानों का आरक्षण 11 दुकान हेतु

क्र.	प्रवर्ग आरक्षण	जनसंख्या	कुल दुकान आरक्षित
1	अनुसूचित जनजाति वर्ग	49	0
2	अनुसूचित जाति वर्ग	816	2
3	अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये	वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार कुल जनसंख्या 4715	2
4	महिलाओं के लिये (विधवा तथा परित्याक्ताओं को सम्मिलित करते हुये)		1
5	विकलांग व्यक्तियों के लिये (इसमें दृष्टिहीन विकलांग को प्राथमिकता दी जाएगी)		0
6	रक्षा सेवा के सेवानिवृत्त सदस्यों के लिये		0
7	स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिये		0
8	शिक्षित बेरोजगारों के लिए		1
9	अनारक्षित		5
	योग	4715	11

1. संपत्ति के अंतरण हेतु म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 65 एवं म.प्र. (पंचायत स्थावर संपत्ति का अंतरण) नियम 1994 का पालन किया जाएगा ।
2. नीलामी की प्रक्रिया Open Bid जो कि Highest निकले वहां से प्रारंभ करके फिर खुली नीलामी के अनुसार की जावेगी।
3. स्थावर संपत्ति का अंतरण लोक नीलामी द्वारा किया जावेगा अन्यथा नहीं।
4. स्थावर संपत्ति दुकानें जिनकी लोक नीलामी द्वारा अंतरण किया जाना है, उसमें आरक्षण का पालन किया जाएगा।
5. आरक्षित श्रेणी के बोलीदार को अपना जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।
6. इच्छुक बोलीदार दुकान क्रमांक के साथ दुकान के मूल्य की राशि का 05 प्रतिशत राशि जमा कर बोली में भाग ले सकता है।
7. उच्चतम बोली स्वीकार किए जाने पर 18 दुकानों की नीलामी में बोलीदार को 25 प्रतिशत राशि नीलामी दिनांक से 07 दिवस में जमा करना होगा एवं 25 प्रतिशत राशि 02 माह एवं शेष 50 प्रतिशत 06 माह में जमा करना अनिवार्य होगा।
8. उच्चतम बोली स्वीकार किए जाने पर 11 दुकानों की नीलामी में बोलीदार को 25 प्रतिशत राशी नीलामी दिनांक से 07 दिवस मे जमा करना होगा एवं शेष 75 प्रतिशत राशि 03 माह में जमा करना अनिवार्य होगा।
9. उच्चतम बोलीदार द्वारा नियत समय सीमा में राशि जमा नहीं किए जाने पर जमा निक्षेप राशि (शर्त क्रमांक 6 एवं 7 की राशि जप्त) संपहद हो जावेगी। जो की वापस नहीं की जा सकेगी।
10. असफल बोलीदार की जमा 05 प्रतिशत निक्षेप राशि वापस कर दी जावेगी।
11. स्थावर संपत्ति का क्षेत्रफल 18 दुकानों हेतु 10×20 वर्गफीट एवं बरामदा 10×6 वर्गफीट एवं 11 दुकानों में से दुकान क्र.1 से 8 तक 10×15 वर्गफीट एवं दुकान क्र. 9 से 11 तक 10×10 वर्गफीट एवं बरामदा 10×5 वर्गफीट रहेगा।
12. पट्टा आवंटन लोक नीलामी द्वारा अंतरित दुकान विहित प्राधिकारी की अनुमति से 10 वर्ष के लिए उच्चतम बोलीदार को आवंटित किया जावेगा।
13. स्थावर संपत्ति का प्रत्येक पट्टा इस शर्त के आधीन होगा कि पट्टे की अवधि के दौरान देय वार्षिक भाड़ा अग्रिम देय होगा।
14. उक्त दुकानों का वार्षिक भाडा 1200/- रुपये प्रतिवर्ष (रु 100 प्रतिमाह) रहेगा।
15. उक्त 11 दुकानों का ऑपसेट मूल्य 5.00 लाख रहेगा एवं 18 दुकानों में से दुकान क्र. 1 से 13 तक की दुकान का ऑपसेट मूल्य 7.00 लाख एवं दुकान क्र. 14 से 18 तक का ऑपसेट मूल्य 06.00 लाख रहेगा।
16. आरक्षण प्रवर्ग की दुकाने न तो अंतरित की जाएंगी और न ही किराए पर दी जाएंगी।
17. शर्त उलंघन की दशा में आवंटन रद्द कर दिया जावेगा।

सरपंच सचिव ग्राम पंचायत तूमड़ा जनपद पंचायत फंदा भोपाल

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु ई- निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/122/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाईट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	20255022A	सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग – कमीशनिंग ऑफ IP बेस्ड वीडियो सर्विलांस सिस्टम	1029 सेट	06/03/2026
2	81265152	स्टोन 10V STD 10.23ODX6.00IDX3.25	2160 नंबर	06/03/2026
3	30252015	किट फॉर ब्रेक गियर बुशेस	813 सेट	09/03/2026
4	8125WCRTP-07	Manufacture एंड सप्लाई ऑफ 10125 mm Curved स्विचेस	448 सेट	10/03/2026
5	34253160	पेंट सिंथेटिक इनेमल, एक्सटेरियर फिनिशिंग ब्रशिंग कलर	138343 लीटर	09/04/2026

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

हस्ता.
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

SBI भारतीय स्टेट बैंक, गृह ऋण केन्द्र
मुख्य शाखा मण्डीदीप, जिला रायसेन । मेल: sbi.64151@gmail.com

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति)

अधोहस्ताक्षरकर्ता के द्वारा भारतीय स्टेट बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (12) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 3 के साथ पठित प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्न लिखित ऋणधारकों / जमानतदारों को ब्याज राशि सहित नोटिस प्राप्ति के दिनांक से 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। ऋणी एवं जमानतदार मांग सूचना की राशि जमा करने में असफल रहे। ऋणी एवं जमानतदार और सर्वसाधारण को एतद् सूचना पत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सहपठित नियम (8) के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी को – निहीत शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का सांकेतिक आधिपत्य कर लिया है। ऋणी एवं जमानतदार को विशिष्टत: और सर्वसाधारण को सामान्यत: एतद् द्वारा निम्न वर्णित संपत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई संव्यवहार निम्न वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज तथा अन्य प्रभार आदि के लिये भारतीय स्टेट बैंक के प्रभार के अधीन होगा। आपका ध्यान सरफेसी अधिनियम की धारा 13, उक्त नियम (8) की ओर आकर्षित किया जाता है जिसके अंतर्गत आप सम्पूर्ण बकाया राशि ब्याज एवं समस्त खर्चे सहित भुगतान, उक्त सम्पत्तियों की नीलामी हेतु सूचना प्रकाशन की दिनांक तक करके, बंधक सम्पत्तियों को मुक्त करा सकते हैं।

ऋणी खाते का नाम/संपत्ति का मालिक	मांग सूचना पत्र तिथि 12.12.2025
श्री देवेन्द्र कुमार दुबे पता: (1) एलएस-42, सेक्टर-05, ग्लोबल पार्क सिटी, वार्ड 85, हुजूर, भोपाल, (2) फ्लैट नं. 406, प्रेम केसर होम्स, कटारा, भोपाल	उल्लेखित राशि: रु 25,78,306.93 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च आधिपत्य दिनांक: 17/02/2026

आधिपत्य में ली गई सम्पत्ति का विवरण

फ्लैट नं. 406, प्रेम केसर होम्स, कटारा, भोपाल, म.प्र., सीमाऐं: पूर्व – खुला, पश्चिम – फ्लैट नं. 408/लॉबी, उत्तर – फ्लैट नं. 404, दक्षिण – फ्लैट नं. 405

सवैधानिक चेतावनी : ऋणगृहिता एवं ग्यारंटीदाता इसे 30 दिन का बिक्री पूर्व नोटिस समझें। यदि 30 दिन के अंदर खाता बंद नहीं होता है तो सम्पत्ति की नीलामी कर दी जावेगी।

दिनांक: 19.02.2026 प्राधिकृत अधिकारी

12वीं की परीक्षा दे रही छात्रा बेहोश, अस्पताल में भर्ती

जागरण, बुरहानपुर। 12वीं बोर्ड की परीक्षा के दौरान एक छात्रा डोईफोड़िया परीक्षा केंद्र पर बेहोश हो गई, उसे तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद बुरहानपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना बुधवार सुबह 12वीं कक्षा के रसायन शास्त्र के पेपर के दौरान हुई। ग्राम सावली की कनिषा सिंग, डोईफोड़िया के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में सुबह 9 बजे से 12 बजे तक चल रही परीक्षा दे रही थी।

करीला में मेले को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन

जागरण, अशोकनगर। जिले के प्रसिद्ध मां जानकी करीला मंदिर परिसर में रंगपंचमी मेले को लेकर बुधवार को मॉक ड्रिल किया गया। मुंगावली एसडीएम इसरार खान के निर्देश पर एसडीआरएफ और नगर परिषद की फायर ब्रिगेड टीम ने ट्रस्ट के वॉलिंटियर्स और पुलिसकर्मियों को आग पर काबू पाने के तरीके सिखाए। इसका उद्देश्य आगामी मेलों और भीड़ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखना है।

''ट्वीट ऑफ द डे''

अनुराग कश्यप
फिल्म निर्देशक

मैं 2009 से मैक्सिमम सिटी से जुड़ा हुआ हूं। नेटफ्लिक्स ने इसे हरी झंडी दे दी थी। मैंने उनसे कहा, कृपया किताब पढ़ें। टीम में सिर्फ एक व्यक्ति को छोड़कर किसी ने भी किताब नहीं पढ़ी थी। डेढ़ साल तक चुप्पी छाई रही, और किसी ने आकर मुझे यह नहीं बताया कि यह प्रोजेक्ट नहीं बन रहा है। वह खामोशी और भी ज्यादा परेशान करने वाली थी।

पटवारी ने जिंदा आदिवासी का काट दिया वारिस प्रमाण पत्र

बिचौलियों ने 2.50 करोड़ में जमीन सीमेंट कंपनी को बेची

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मैहर जिले में एक जीवित आदिवासी का वारिस प्रमाण पत्र (वारिसाना) बनाकर उसकी बेशकमीती जमीन बिचौलियों ने ढाई करोड़ रुपए में सीमेंट कंपनी को बेच दी। जबकि नियम के अनुसार किसी भी व्यक्ति की मौत के बाद ही वारिसाना तैयार कर उसकी संपत्ति उसके उत्तराधिकारियों को दी जा सकती है। जिले के ग्राम भदनपुर में जीवित आदिवासी किसान को कागजों में मृत बताकर उसकी साड़े तीन हेक्टेयर बेशकीमती जमीन को बिचौलियों और पटवारी ने मिलीभगत कर हड़प लिया। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने इस फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करते हुए तत्कालीन पटवारी सहित 8 नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

साजिश कर वारिस की जमीन भी बेच दी: इस खेल की शुरुआत साल 2012-13 के राजस्व रिकॉर्ड से हुई। भदनपुर निवासी रामसिंह गौड़ के पास लगभग 3.5 हेक्टेयर जमीन थी। तत्कालीन हल्का पटवारी अशोक सिंह ने बिचौलियों के साथ मिलकर

जांच में कसा शिकंजा, 8 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

इसे हड़पने की साजिश रची। रामसिंह गौड़ जब जीवित थे उसी समय पटवारी ने बिना किसी सक्षम अधिकारी के आदेश के उनके पुत्र राजेन्द्र सिंह के नाम पर वारिसाना दर्ज कर दिया। इसके साथ ही असली मालिक को अंधेरे में रखकर राजेन्द्र सिंह के नाम से फर्जी ऋण पुस्तिका भी तैयार कर ली गई। इसके बाद आदिवासी परिवार को बिचौलियों ने बैंक से लोन दिलाने का लालच दिया। इसी बहाने राजेन्द्र सिंह को धोखे में रखकर जमीन की रजिस्ट्री शोभा कोल और बैजनाथ कोल के नाम करवा दी गई। इसके बाद इसी जमीन को बिचौलियों ने अल्ट्राटेक सीमेंट सरला नगर को 2.50 करोड़ रुपए में बेच दिया।

ईओडब्ल्यू ने 13 साल तक लंबी जांच के बाद तमाम सबूत जुटाए तो पाया कि यह एक सुनियोजित साजिश ती। इस मामले में ईओडब्ल्यू ने तत्कालीन पटवारी अशोक सिंह, बिचोलिए शोभा प्रसाद कोल और बैजनाथ कोल, दीपक लालवानी, गोपाली उर्फ गोपाल आसवानी, अच्जू उर्फ अजय सावलानी, कमला उर्फ प्रदीप कुमार सेन एवं रामप्रकाश जायसवाल के खिलाफ मामला कायम कर लिया है। इन आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत धोखाधड़ी, दस्तावेजों में कूटरचना, साजिश, की एफआईआर दर्ज कर ली है। अब ईओडब्ल्यू की इस कार्रवाई से जिले के राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है। जांच एजेंसी अब इस घोटाले में शामिल अन्य राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत की भी पड़ताल कर रही है।

उधारी के 1.60 लाख मांगने पर चाकू से हमला

जागरण,भोपाल। गौतमनगर थाना क्षेत्र में उधारी के 1.60 लाख रुपए मांगने पर तीनों आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट कर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय दानिश खान शारदा नगर नारियल खेड़ा में रहता है। उसकी स्टील और एल्युमिनियम की दुकान है। इससे पहले वह सुल्तान के साथ काम करता है। सुल्तान ने 1.60 लाख रुपए दानिश से उधार लिए थे। बार-बार पैसे मांगने पर वह आनाकानी करने लगा। मंगलवार को बातचीत के बहाने उसने दानिश को रेशम केंद्र चौराहे पर बुलाया। जहां पैसे की लेन- देन को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। इस बीच सुल्तान दो भाई इमरान और गुफरान वहां पहुंच गए। उन्होंने दानिश के साथ गाली-गलौज कर जमकर मारपीट की। विरोध करने पर उन्होंने किसी नुकीली चीज से उसके सिर और गर्दन पर हमला कर दिया। बाद में पीड़ति ने थाने पहुंचकर तीनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

20-25 बदमाशों ने गोली मारकर युवक की हत्या की

जागरण, मुरैना। प्रदेश के मुरैना में रास्ते के मामूली विवाद ने एक युवक की जान चली गई। बुधवार सुबह करीब 20 से 25 लोगों ने एक युवक को रास्ते से निकलने की चुनौती दी, जैसे ही वह आगे बढ़ा, उसे गोली मार दी। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद से आरोपी फरार हैं। घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे सराय छोला थाना क्षेत्र के रिठौरा गांव की है। मृतक महादेवा गुर्जर जब रास्ते से गुजर रहा था, तभी गांव के ही एदल गुर्जर, शिवराम गुर्जर और वकील गुर्जर सहित करीब एक दर्जन से ज्यादा हथियारबंद लोगों ने उसे घेर लिया। आरोपियों ने महादेवा को ललकारते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो यहां से निकल कर दिखा, जैसे ही महादेवा ने अपना रास्ता आगे बढ़ाया तो आरोपियों ने उस पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोली सीधे उसके सीने में लगी और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद से गांव में तनाव है।

मुरैना में रास्ते से निकलने की दी चुनौती
युवक के बढ़ते ही फायरिंग

हाथ की नस काटने से युवक की मौत

जागरण,भोपाल। अवधपुरी थाना क्षेत्र में हाथ की नस काटने से युवक की मौत हो गई। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 47 वर्षीय मुकेश महाजन पिता बाबूलाल फेस दो रहे थे। वह फ्लेक्स लगाने का काम करता था। दास पहले उसका पत्नी से तलाक हो गया था। जिसके बाद वह शराब के नशे का आदी हो गया। मंगलवार साढ़े 11 बजे खाना खाने के बाद अपने कमरे में चला गया। इस दौरान उसकी अपनी हाथ की नस काट ली। सुबह 6 बजे जब परिजनों देखा तो तुरंत निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां खून च्यादा बहने की वजह से डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल में ब्लेड बरामद कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

अवंतिका एक्स. के रिजर्वेशन कोच में घुसे अनाधिकृत यात्री

जागरण, इंदौर। इंदौर-मुंबई के बीच चलने वाली अवंतिका एक्सप्रेस में रिजर्वेशन कोचों में अनधिकृत यात्रियों के प्रवेश को लेकर आरक्षित कोच में यात्रा कर रहे यात्रियों की नाराजगी सामने आई है। यात्रियों ने बताया कि कोच एस-2 सहित अन्य स्लीपर डिब्बों में भीड़ इतनी अधिक थी कि आरक्षित सीटों तक पहुंचना मुश्किल हो गया। एक यात्री ने शिकायत में लिखा कि उसकी मां, पत्नी और तीन वर्षीय बच्ची अवंतिका एक्सप्रेस से यात्रा कर रही थीं, लेकिन कोच में अनारक्षित यात्रियों की भीड़ के कारण सुरक्षा को लेकर चिंता की स्थिति बन गई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि ट्रेन में भीड़ नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरपीएफ या रेलवे स्टाफ नजर नहीं आया, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। यात्रियों ने इसे सुरक्षा की गंभीर चूक बताया। पूरी घटना को लेकर यात्रियों ने डीआरएम रतलाम, रेलवे सेवा से लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तक को टैग करते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की।

इंदौर बेंच में ही सुना जाएगा भोजशाला विवाद का मामला

जागरण, जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने साफ किया है कि बहुचर्चित भोजशाला, धार के विवाद का मामला इंदौर बेंच में ही सुना जाएगा। लिहाजा, हाई कोर्ट की रजिस्ट्री को निर्देश दिया जाता है कि अविलंब मामले से जुड़ा संपूर्ण रिकार्ड इंदौर भेजें। मामले की अगली सुनवाई इंदौर बेंच 23 फरवरी को होगी। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि एएसआई की सीलबंद रिपोर्ट की कापी सभी पक्षों को देने के बिंदु पर भी इंदौर बेंच ही निर्णय लेगी। राज्य की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह सहित अन्य वकीलों ने मामला मुख्यपीठ जबलपुर में ही सुने जाने पर बल दिया। इस पर सीजे सचदेवा ने साफ किया कि क्षेत्राधिकार की दृष्टि से यह मामला इंदौर बेंच में ही सुनवाई योग्य है।

भारतीय छात्र रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट को लेकर बेहद सजग: टोओईएफएल प्रमुख

नई दिल्ली, जेएनएन। पिछले कुछ महीनों में अमेरिका के वीजा नियमों में बदलाव, ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग की स्थिरता पर सवाल और मिले-जुले राजनीतिक संकेतों ने छात्रों के बीच असहजता का माहौल बनाया है। कई छात्रों के लिए अब वैल्यू-फॉर-मनी का समीकरण दोबारा परखा जा रहा है। हाल में टैरिफ में कमी से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन अमेरिकी सरकार भारतीय छात्रों का भरोसा पूरी तरह बहाल कर पाएगी या नहीं, यह अब भी सवाल बना हुआ है। अमेरिकी विश्वविद्यालय ट्रंप प्रशासन द्वारा वीजा नियमों को कड़ा किए जाने से संतुष्ट नहीं हैं। प्रवेश प्रक्रिया को आसान बनाने से जुड़ी एजेंसियां भी दबाव महसूस कर रही हैं।

इसी बीच, टोओईएफएल और ग्री के ग्लोबल जनरल मैनेजर उमर चिहाने हाल ही में नई दिल्ली में थे। टोओईएफएल विवि प्रवेश, अकादमिक और वीजा उद्देश्यों के लिए एक मानकीकृत अंग्रेजी दक्षता परीक्षा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी यात्रा के दौरान कोई विशेष घोषणा नहीं की जा रही है, बल्कि यह रेखांकित किया जा रहा है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े शिक्षा बाजारों में से एक है। हालिया घटनाक्रम पर उन्होंने कहा, भारतीय छात्र रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट को लेकर बेहद सजग होते हैं। जब कोई एक गंतव्य अनिश्चित होता है, तो वे स्वाभाविक रूप से अन्य विकल्पों की तलाश करते हैं।

त्रिपलआईटी में जूनियर से रैगिंग

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ इंफोमेशन टेक्नालाजी (त्रिपलआईटी) में दूसरे वर्ष के विद्यार्थी के साथ तीसरे वर्ष के विद्यार्थी ने दुर्व्यवहार किया है। इसकी शिकायत यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज की गई है। इससे जूनियर विद्यार्थी भय में बना हुआ है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एंटी रैगिंग कमेटी ने कार्रवाई शुरु कर दी है। जल्द ही कमेटी अपनी रिपोर्ट निदेशक के समाने प्रस्तुत करेगी। त्रिपलटआईटी में एक आयोजन के दौरान तीसरे वर्ष में पढ़ने वाले एक विद्यार्थी ने दूसरे वर्ष में प्रवेशरत विद्यार्थियों के साथ दुर्व्यवहार किया है। इससे जूनियर विद्यार्थी काफी भयभीत है। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। वह कक्षा में भी नहीं जा रहा है। जूनियर ने सीनियर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करा दी है। हेल्पलाइन ने त्रिपलआईटी प्रबंधन को ई-मेल कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। त्रिपलआईटी की एंटी रैगिंग कमेटी ने जूनियर और सीनियर विद्यार्थी के बयान ले लिए हैं। जल्द ही कमेटी अपनी रिपोर्ट प्रौक्टोरियल बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करेगी, जिसके बाद सीनियर विद्यार्थी पर अंतिम कार्रवाई की जाएगी। रिपोर्ट निदेशक को भेजी जाएगी। जहां से रिपोर्ट हेल्पलाइन पहुंचेगी।

एनएच-45 पर टक्कर से काले हिरण की गई जान

जागरण, नरसिंहपुर। जिले के नेशनल हाईवे-45 (भोपाल रोड) पर बुधवार को एक हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया, जिसमें एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक मादा काले हिरण की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब हिरण सड़क पार कर रहा था और तभी एक अनियंत्रित वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की तत्काल सूचना एक जागरूक राहगीर ने वन परिक्षेत्र अधिकारी को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही की। हालांकि, प्रारंभिक जांच में टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान नहीं हो सकी है, जिसकी तलाश वन अमले द्वारा सरगर्मी से की जा रही है।

जेपी अस्पताल के ओपीडी ब्लॉक में आग, फेल हुई फायर सेफ्टी

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी के जय प्रकाश (जेपी) अस्पताल के ओपीडी ब्लॉक में बुधवार दोपहर करीब 12.15 बजे अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना प्रथम तल पर स्थित एक कमरे में हुई, जिसका उपयोग वर्तमान में सर्जिकल सामान और सैंपल कलेक्टिंग उपकरणों के स्टोर के रूप में किया जा रहा था। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और कोई जनहानि नहीं हुई, सुरक्षा उपकरणों की विफलता ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का मुख्य कारण माना जा रहा है। अस्पताल की पुरानी वायरिंग और संवेदनशील सामग्री के पास बिजली के खुले पॉइंट को लेकर पहले भी आशंकाएं जताई गई थीं। आग लगने के बाद ओपीडी ब्लॉक को खाली करा लिया गया और एहतियात के तौर पर बिजली काट दी गई। 45 मिनट तक अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल रहा। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर सवा बारह बजे स्टोर रूम से धुआं निकलता देख गार्ड हरिदेव यादव ने मोर्चा संभाला।

विकास की राह में पर्यावरण की अनदेखी नहीं: सीएम

मुबंई के क्लाइमेट वीक-2026 में शामिल हुए सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यदि हमें क्लाइमेंट चेंज से भविष्य में आने वाली गंभीर चुनौती से बचना है,तो हमें आज से ही ठोस और समयबद्ध समाधान पर काम करना की जरूरत है। सतत् विकास की राह में हम पर्यावरण की अनदेखी नहीं कर सकते।उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश क्लाइमेट चेंज से निपटने में सर्वाधिक नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादक बन लीडर की भूमिका में है। डॉ. यादव बुधवार को मुंबई में क्लाइमेट वीक-2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज एक गंभीर वैश्विक चुनौती है। क्लाइमेट चेंज मानव अस्तित्व, आर्थिक स्थिरता और भावी पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना ही प्रगति का मूल आधार है। उन्होंने कहा कि भारत की क्लाइमेट चेंज को लेकर प्रतिबद्धताओं में भी राज्यों का योगदान भी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी है। यहां लगभग हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। सीएम ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मप्र में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने का विश्वास और सुरक्षा की गारंटी देते हुए कहा कि राच्य और निवेशक मिलकर देश को नवकरणीय ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे बिजली देने की दिशा में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के साथ हमारा रिश्ता नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग (मप्र शासन) एवं ग्रीन एनर्जी के लिए विख्यात सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के बीच मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान केवल एक देश, एक राच्य या एक सरकार ही नहीं कर सकती, इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन, हरित विकास और जलवायु समाधान के लिए आगे बढ़ने की दिशा में मुम्बई क्लाइमेट वीक एक महत्वपूर्ण मंच है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए त्वरित और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, हरित तकनीकों को अपनाना और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करना ही भविष्य का विकास मार्ग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित और संतुलित बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकारों के साथ ही उद्योगों, संस्थाओं और इस देश में रहने वाले हर नागरिक की भी है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए 'लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट' जैसे व्यवहारिक बदलावों को अपनाने की अपील की।

भांजे की शादी में मामा को आया हार्ट अटैक, मौत

जागरण, खरगोन। भांजे की शादी को लेकर चल रही मेहंदी की रस्म के दौरान दूल्हे के मामा को हार्ट अटैक आ गया। वे अपनी पत्नी के साथ नाचते-नाचते जमीन पर गिर पड़े। परिजनों ने इसे भी उनका डांस स्टेप ही समझा। लेकिन कुछ देर तक जब वे नहीं उठे तो रिश्तेदार उनकी तरफ बढ़े, उन्हें निढाल देखकर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टर ने उनकी मौत की पुष्टि कर दी। मामला खरगोन के वझरा गांव का है। इसका वीडियो भी सामने आया है। दरअसल बड़वानी में पिपलुद गांव के रहने वाले घनश्याम यादव भांजे की शादी में वझरा गांव आए थे। मंगलवार रात को मेहंदी की रस्म थी। इस दौरान घनश्याम अपनी पत्नी के साथ नाच रहे थे। परिवार के अन्य सदस्य भी जश्न में शामिल थे। घनश्याम यादव पेशे से किसान थे और उनकी करीब आठ एकड़ जमीन है, उनके साथ पत्नी और बेटा भोला यादव भी मौजूद थे।

सरव्दी बटालियनों में जमे अफसरों की होगी फील्ड पोस्टिंग

मुख्यालयों व मलाईदार पदों पर सालों से जमे स्टाफ की होगी विदाई

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) की बटालियन और हेडक्वार्टर में सालों से एक ही कुर्सी पर जमे अधिकारियों और कर्मचारियों का अब मैदानी (फील्ड) ड्यूटी का समय आ गया है। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) को लगातार मिल रही शिकायतों के बाद एसएएफ के एडीजी चंचल शेखर ने इसे लेकर प्रशासनिक आदेश जारी कर दिया है। मंगलवार देर रात जारी इस आदेश के अनुसार अब कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बटालियन के मुख्यालय, कल्याण शाखा या अकाउंट्स जैसे महत्वपूर्ण पदों पर 3 वर्ष से अधिक समय तक पदस्थ नहीं रह पाएगा। हाल ही में मुरैना और जबलपुर में एसएएफ की बटालियन में हुए करोड़ों के वित्तीय घोटालों को देखते हुए यह फरमान जारी किया गया है। **आदेश में 5 बिंदु शामिल, नई व्यवस्था होगी लागू:**

एसएएफ में अब 3 साल का डेडलाइन फॉर्मूला लागू किया गया है। इसके तहत जिन पुलिसकर्मियों ने मुख्यालय या ऑफिस ड्यूटी में 3 साल पूरे कर

लिए हैं, उन्हें तत्काल हटाकर मैदानी (फील्ड) बटालियन में भेज दिया जाएगा। इसके साथ ही नई तैनाती के लिए भी कड़ी शर्तें तय की गई हैं। अब एमपी में एसएएफ की 36 बटालियनों में से केवल उन चुनिंदा अफसरों और कर्मचारियों को ही मुख्यालय या ऑफिस की पोस्टिंग मिलेगी, जिन्होंने कम से कम 3 साल तक लगातार बटालियन में एक्टिव और कठिन ड्यूटी की हो। आदेश में साफ कर दिया गया है कि एक बार तीन साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद स्टाफ को दोबारा मुख्यालय की पोस्टिंग तभी मिलेगी, जब उसने कम से कम 3 साल फील्ड में गुजारे होंगे।

अर्दली और सुरक्षा ड्यूटी से होगी वापसी

एडीजी के आदेश के मुताबिक सुरक्षा या अर्दली ड्यूटी से बटालियन लौटने वाले स्टाफ को अब इसी तरह की नई ड्यूटी सौंपने के बजाय एक्टिव बटालियन में भेजा जाएगा, हालांकि हॉक फोर्स के जवानों को इससे छूट रहेगी। इन कर्मचारियों को अब किसी भी हाल में मुख्यालय में पदस्थ करने पर रोक लगा दी गई है। इससे पहले एसएएफ के कई कर्मचारी एक अफसर के यहाँ तैनाती खत्म होने पर दूसरे अफसर के यहाँ तैनाती करा लेते थे, जबकि अन्य कर्मचारी सालों तक फील्ड में ही पसीना बहाते रहते थे।

2022 से पहले वालों पर गिरेगी गाज

एडीजी ने अपने आदेश में स्पष्ट कर दिया है कि अब हर दो माह के अंतराल पर एसएएफ रेंज के आईजी और डीआईजी इस आदेश के पालन की समीक्षा करेंगे और सीधे रिपोर्ट मुख्यालय भेजेंगे। आदेश में साफ है कि जो कर्मचारी 31 दिसंबर 2022 के पहले से मुख्यालय या ऑफिस के पदों पर जमे हुए हैं, उन्हें तत्काल फील्ड ड्यूटी के लिए रवाना किया जाए।

लोकायुक्त ने पटवारी और एसडीओ के रीडर को दबोचा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। बुधवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लोकायुक्त पुलिस ने मंदसौर और मंडला जिलों में दो अलग-अलग ट्रैप में रिश्वतखोर सरकारी कर्मचारियों को रंगे हाथों दबोचा है। पहले मामले में उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने मंदसौर जिले की सुवासरा तहसील में पदस्थ पटवारी हरीश पाटीदार को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। पटवारी ने आवेदक दिनेश चंद्र जोशी से उनके दिवंगत भाई की कृषि भूमि का नामांतरण दत्तक पुत्र के नाम करने के एवज में कुल 40 हजार रुपए की मांग की थी, जिसमें से 10 हजार रुपये वह पहले ही ले चुका था। टीम ने पटवारी हरीश पाटीदार को तहसील कार्यालय में ही शेष रकम 30 हजार लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।

Rajeev Gandhi Management Institute
Master of Business Administration (MBA)
Run by : Chouhan Education Society
Applications are invited for faculty positions in the area of Marketing, Finance and HR under Barkatullah University Code:28.
DIRECTOR-01 PROFESSOR -02
ASSOCIATE PROFESSOR -04
The remuneration and qualification for all positions will be as per UGC / University Code 28 norms. Kindly apply with all testimonials and color photograph. Post or mail your resume before 25 -FEB- 2026 on director.rgmi@gmail.com
RGMI Campus, Salaiya Via. Danish Kunj, Kolar Road, Bhopal (M.P.)
Email : director.rgmi@gmail.com, Contact :9926905558,9202528144

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।